हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● शनिवार ● 08.08.2026 ● वर्ष : 17 ● अंक : 18 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

एक नजर

पटना में सड़क हादसे के बाद बवाल, युवक की मौत पर बस फूंकी, सड़क जाम

पटना : अगमकुआं थाना क्षेत्र के बड़ी पहाड़ी इलाके में एक तेज रफ्तार बस ने एक युवक को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा भड़क उठा। आक्रोशित भीड़ ने बस में आग लगा दी। इसके साथ ही पुलिस चेक पोस्ट में भी आगजनी की गई। कई बसों के शीशे तोड़ दिए गए और कई बाइक भी क्षतिग्रस्त कर दी गईं। घटना के बाद पूरे इलाके में तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। सड़क पर करीब 10 किलोमीटर लंबा जाम लग गया है, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्कूलों की बसें भी जाम में फंसी हुई हैं और बच्चों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की कई टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। हालात को नियंत्रित करने और यातायात बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल मृत युवक की पहचान और हादसे के कारणों की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

थाइलैंड के स्कूल में छात्र ने की अंधाधुंध फायरिंग, दो की मौत

बैंकॉक : थाइलैंड के नोंथबुरी स्थित देवसिरिन स्कूल में एक छात्र ने अंधाधुंध गोलीबारी की। घटना में हमलावर और एक टीचर समेत 2 की मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक घायल हैं। जानें इस भयानक शूटआउट की पूरी जानकारी। थाइलैंड के नोंथबुरी प्रांत स्थित एक स्कूल में शुक्रवार को अचानक हुई गोलीबारी में दो लोगों की जान चली गई, जिनमें संदिग्ध बंदूकधारी भी शामिल है। इस दर्दनाक घटना में एक टीचर की मौत हुई है। 15 लोग घायल हुए, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। नोंथबुरी प्रांतीय पुलिस कमांडर, लेफ्टिनेंट कर्नल देचरापी कोंगडी ने हताहतों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि स्कूल परिसर में गोलीबारी की सूचना मिलते ही प्रशासन सतर्क हो गया और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने फिलहाल पूरे स्कूल परिसर को अपने नियंत्रण में लेकर इस गोलीबारी के पीछे की परिस्थितियों की गहन जांच शुरू कर दी है।

उत्तराखंड में भीषण सड़क हादसा, परिवार के पांच लोगों की मौत

पौड़ी : उत्तराखंड में देवप्रयाग-पौड़ी रोड पर कुंडाधार के पास दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इसमें एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। बोलेरों में सफर कर रहे परिवार में सिर्फ मासूम ही जिंदा बच पाया। रेस्क्यू टीम ने शवों को खाई से बाहर निकाल लिया है। पहली नजर में हादसे की वजह तेज गति बताया जा रहा है। मासूम को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिवार हरिद्वार के लक्सर का बताया जा रहा है। मृतकों में एक महिला सहित दो बच्चे भी शामिल है। प्रथमदृष्टा हादसे की वजह ओवर स्पीड बताई जा रही है। हादसे की सूचना पर पौड़ी के साथ ही टिहरी पुलिस व एसडीआरएफ भी मौके पर पहुंची। खड़ी चढ़ाई होने की वजह से रेस्क्यू करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। पौड़ी मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर हरिद्वार से पौड़ी की ओर चला यह बुलरो वाहन कुंडाधार के पास अनियंत्रित होकर करीब ढाई मीटर गहरी खाई में जा गिरा।

77वें राज्यव्यापी वन महोत्सव-2026 में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री व कल्पना सोरेन

जल, जंगल और जमीन के संरक्षण से ही समृद्ध झारखंड का निर्माण संभव : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं उनकी धर्मपत्नी कल्पना सोरेन ने शुक्रवार को खेलगांव, रांची स्थित हरिवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित 77वें राज्यव्यापी वन महोत्सव-2026 में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों तथा वृक्षारोपण के महत्व पर विस्तार से अपने विचार व्यक्त किए। मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं विधायक कल्पना सोरेन ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौतियों के बीच वृक्षारोपण पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन विश्व की सबसे गंभीर और चिंताजनक चुनौतियों में से एक बन चुका है। इसके प्रभाव अब केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों, जैव विविधता और समग्र विकास प्रक्रिया पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधनों के साथ लगातार हो रहे हस्तक्षेप, अंधाधुंध दोहन तथा अनियोजित विकास गतिविधियों के कारण जलवायु में व्यापक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रकृति और पर्यावरण के साथ अनावश्यक छेड़छाड़ से बचना होगा तथा जल, जंगल और जमीन जैसे अमूल्य संसाधनों का विवेकपूर्ण एवं जिम्मेदार उपयोग सुनिश्चित करना होगा। आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वच्छ पर्यावरण प्रदान करने के लिए आज से ही ठोस कदम उठाने होंगे। वृक्षारोपण, वन संरक्षण, जल संरक्षण और जैव विविधता के संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक और सामाजिक दायित्व है। जब तक आमजन इस दिशा में सक्रिय भागीदारी नहीं निभाएंगे, तब तक जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौती का प्रभावी समाधान संभव नहीं होगा। उन्होंने सभी लोगों से पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने तथा हरित एवं समृद्ध भविष्य के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति कम-से-कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसके संरक्षण एवं देखभाल का संकल्प भी ले। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि पौधों को सुरक्षित रखना, उनका नियमित संरक्षण करना और उन्हें विकसित कर वृक्ष के रूप में स्थापित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण मौसम के स्वरूप में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। बीते कुछ वर्षों में प्राकृतिक घटनाओं की प्रकृति और तीव्रता में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है, जो पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन चुका है। उन्होंने कहा कि अनियमित वर्षा, बादल फटने की घटनाएं, अत्यधिक वर्षा, भीषण गर्मी, लंबे समय तक सूखे की स्थिति, बिजली गिरने तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इन बदलते मौसमीय हालात का सीधा प्रभाव मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों और आजीविका पर पड़ रहा है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और किसानों को इसका गंभीर प्रभाव झेलना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के कारण जन-धन की हानि के साथ-साथ फसलों, पशुधन और आधारभूत संरचनाओं को भी नुकसान पहुंचता है, जिससे लोगों के जीवन और आजीविका पर प्रतिकूल असर पड़ता है। 77वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव-2026 के अवसर पर मुख्यमंत्री ने वन संरक्षण, संवर्धन, जैव विविधता संरक्षण तथा सामुदायिक वन प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले राज्य के विभिन्न वन प्रमंडलों से चयनित 20 वन मित्रों एवं समिति प्रतिनिधियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने सम्मानित व्यक्तियों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण और हरित झारखंड के निर्माण में इनकी भूमिका प्रेरणादायी है। इस अवसर पर विधायक कल्पना सोरेन, सचिव अबू बकर सिद्दीकी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख संजीव कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक विश्वनाथ शाह, ए. टी. मिश्रा, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक वेंकटेश लू, जब्बेर सिंह, मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एस. आर. नेटेशा सहित वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थियों ने सरकार से वार्ता के लिए 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल किया घोषित

रांची : जेपीएससी, जेएसएससी सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में आंदोलनरत छात्र-अभ्यर्थियों ने राज्य सरकार के साथ प्रस्तावित वार्ता के लिए अपने 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की अंतिम सूची शुक्रवार को जारी कर दी। छात्र नेता कुणाल प्रताप सिंह की ओर से जारी सूची के अनुसार, सरकार के साथ वार्ता करने वाले प्रतिनिधिमंडल में रवीन्द्र पासवान, पीयूष कुमार, राजेश प्रसाद, नीतू कुजूर, अंकित राज, कार्तिक सोरेन, शालू कुमारी, रवींद्र कुमार रवि, आनंद कुमार और अंकित कुमार शामिल हैं। कुणाल प्रताप सिंह ने बताया कि वार्ता का उद्देश्य आंदोलन से जुड़े मुद्दों का समाधान निकालना और प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्रों की मांगों को सरकार के समक्ष मजबूती से रखना है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से वार्ता के लिए प्रतिनिधिमंडल की सूची मांगी गई थी। प्रतिनिधिमंडल आंदोलन की प्रमुख मांगों को पूरी गंभीरता के साथ सरकार के समक्ष रखेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक मांगों पर ठोस और लिखित निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेगा। छात्रों ने निष्पक्ष जांच, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और युवाओं के हितों की रक्षा को अपनी प्रमुख मांग बताया है। इससे पहले सरकार की ओर से प्रतिनिधिमंडल में केवल छात्र-अभ्यर्थियों को शामिल किए जाने की बात कही गई थी। इसके बाद आंदोलनकारियों ने प्रतिनिधिमंडल की सूची से पत्रकार और अधिवक्ता के नाम हटा दिए। छात्र नेताओं ने कहा कि सरकार के आग्रह के अनुरूप अब वार्ता में केवल छात्र-अभ्यर्थियों का प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा।

हंगामे के बीच सीएम सोरेन बोले- हम बातचीत को तैयार

रांची : झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा है कि सरकार छात्रों से बातचीत के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि सरकार ने संवाद का एक माध्यम पहले ही तय कर रखा है और वह प्रत्येक छात्र की समस्याओं को समझना चाहती है। इधर, ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए) की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा पर रांची में स्याही फेंकी गई है। जिसको लेकर उन्होंने कहा यह साधारण स्याही हमारा क्या बिगाड़ लेगी? हालांकि,आंदोलन स्थल पर स्याही फेंकने वाले युवक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने जेपीएससी-जेएसएससी उम्मीदवारों के विरोध प्रदर्शन पर कहा कि जो माध्यम है, वो हमने बता दिया है और बात करने के लिए भी हम लोग तैयार हैं। सरकार हर छात्र की समस्या का समाधान करने की इच्छा रखती है। जो छात्रों की इच्छा है, उस इच्छा को हम जयपाल सिंह स्टेडियम से बाहर तक ले जाने की कोशिश में हैं। हमारे प्रदेश के जो छात्र-छात्राएं हैं, जो इस संबंध में अपने विचार रखते हैं, वे अपनी राय दे सकते हैं। एक मजबूत और बड़े सुधार के साथ हम लोग, बच्चों की ये जो जिज्ञासा है, उस जिज्ञासा को उनके अनुरूप बनाने के उद्देश्य से आगे बढ़ेंगे।

मोतिहारी में मां और चार बच्चों की संदिग्ध मौत, घर से गायब थे सभी

एजेंसी

मोतिहारी : बिहार के पूर्वी चंपारण (मोतिहारी) जिले के अरेराज में मां और 4 बच्चों की मौत से सनसनी मच गई है। गोविंदगंज थाना क्षेत्र में एक तालाब से शुक्रवार सुबह पांच शव बरामद किए गए। मरने वालों में मां, उसके दो बेटे और दो बेटियां शामिल हैं। सभी बभनौली पंचायत के रहने वाले थे और गुरुवार शाम के बाद से घर से गायब थे। घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। यह हादसा है या फिर सामूहिक आत्महत्या का मामला है, इसका खुलासा अभी नहीं हो पाया है। मृतकों की पहचान 35 वर्षीय सुशीला देवी, उनकी 11 वर्षीय बेटी अमृता कुमारी, 8 साल के बेटे अविनाश कुमार, 6 साल की बेटी पम्मी कुमारी और 4 साल के बेटे रवि कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सुशील देवी गुरुवार शाम अपने चारों बच्चों के साथ घर से लापता हो गई थीं। परिजन उनकी तलाश कर रहे थे, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिल सका। शुक्रवार सुबह को ग्रामीणों ने तालाब में शव तैरते हुए देखे, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। जानकारी मिलने पर स्थानीय लोगों की मदद से सभी पांचों शवों को तालाब से बाहर निकलवाया। पुलिस ने शवों का पंचनामा कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल घटना के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। मां और उसके चारों बच्चों की मौत कैसे और क्यों हुई, यह अभी सवाल बना हुआ है। महिला के पति का कहना है कि सुशीला घास काटने गई थी, बच्चे भी उसके साथ थे। तभी तालाब में डूबने से यह घटना हुई। हालांकि, पांचों का एक साथ डूब जाना भी संदिग्ध लग रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार इलाके में चर्चा है कि परिवार में घरेलू विवाद चल रहा था। मृतका के पति का नाम धर्मेंद्र महतो बताया जा रहा है। वह ट्रैक्टर चलाकर अपने परिवार का गुजर बसर करता है। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है, उससे पूछताछ की जा रही है।

हूती विद्रोहियों ने फिर मचाई तबाही : मिलिट्री कैंप पर अटैक में 30 जवानों की मौत, 50 घायल

एजेंसी

काहिरा : मध्य और पूर्वी यमन में हूती विद्रोहियों के हमलों में सरकारी बलों के कम से कम 30 जवान मारे गए और 50 घायल हुए। यमन सरकार के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ये हमले मारिब और हधरामाउत प्रांतों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार की सेना के शिविरों पर किए गए। सरकारी सूत्रों के अनुसार, गुरुवार को मारिब और हद्रामौत प्रांतों में सैन्य शिविरों पर हुए हमलों में कम से कम 30 यमनी सैनिक मारे गए। मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बाद में ईरान समर्थित हूतियों ने इन दोनों प्रांतों में सऊदी सैन्य तैनाती को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमलों की जिम्मेदारी ली। हूतियों ने दावा किया कि उन्होंने अल रुवेक, अल अब्र और अल थानियाह इलाकों में सऊदी सैनिकों के जमावड़े पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोनों से हमला किया। संगठन का कहना है कि सैकड़ों सऊदी समर्थक लड़ाके मारे गए या घायल हुए तथा सैन्य शिविर, हथियारों के गोदाम और वाहन तबाह हो गए। हालां कि इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। हूतियों का कहना है कि उन्होंने यह अभियान तब शुरू किया जब उन्हें पता चला कि उनके नियंत्रण वाले क्षेत्रों में लड़ाई बढ़ने से पहले बड़ी संख्या में सऊदी सैनिक जमा हो रहे हैं। यमन के स्वास्थ्य मंत्री ने घायल सैनिकों के इलाज के लिए मारिब और हद्रामौत में चिकित्सा सुविधाओं को तैयार रहने का निर्देश दिया। उन्होंने हमलों की निंदा करते हुए कहा कि हूतियों ने अल रुवेक और अल अबर इलाकों में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। यमन में अमेरिकी मिशन ने मारिब और हद्रामौत में मारे गए यमनी सैनिकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि ये हमले यमनी लोगों के खिलाफ हूती 'आतंकवाद' का एक और उदाहरण हैं। बता दें कि हूतियों ने पिछले महीने लाल सागर में सऊदी अरब पर नौसैनिक नाकाबंदी की घोषणा की थी। उन्होंने इसे यमन पर सऊदी घेराबंदी बताया है, जबकि रियाद ने इस आरोप से इनकार किया है। 2014 में हूतियों के राजधानी सना पर कब्जे के बाद, सऊदी अरब ने 2015 से यमन में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के समर्थन में सैन्य गठबंधन का नेतृत्व किया है। इस संघर्ष ने यमन को तबाह कर दिया है और लंबे समय से चले आ रहे मानवीय तथा आर्थिक संकट को जन्म दिया है।

हंगामे के बीच झारखंड विधानसभा में 8,399 करोड़ रुपये का प्रथम अनुपूरक बजट पेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान शुक्रवार को वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने विपक्ष के हंगामे के बीच वित्तीय वर्ष 2026-27 का प्रथम अनुपूरक बजट पेश किया।

अनुपूरक बजट का कुल आकार 8,399 करोड़ 31 लाख 11 हजार रुपये है। विधानसभा में बजट पेश किए जाने के दौरान विपक्षी सदस्य जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर लगातार नारेबाजी करते रहे। हंगामे के बीच ही वित्त मंत्री ने अनुपूरक बजट सदन के पटल पर रखा। सरकार के अनुसार, अनुपूरक बजट पर सदन में विस्तृत चर्चा चालू सत्र के दौरान इसके पारित होने से पहले कराई जाएगी। इसके अलावा हंगामे के बीच विधानसभा की विभिन्न समितियों की रिपोर्ट भी सदन के पटल पर प्रस्तुत की गई। उल्लेखनीय है कि लगातार हंगामे और नारेबाजी के कारण विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने सदन की कार्यवाही सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा गड़बड़ी को लेकर विस में हंगामा, कार्यवाही सोमवार तक स्थगित

रांची : झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन शुक्रवार को जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी का मुद्दा छाया रहा। विपक्षी सदस्यों के हंगामे और नारेबाजी के कारण विधानसभा अध्यक्ष रवींद्र नाथ महतो ने सदन की कार्यवाही पहले दोपहर 12.30 बजे तक और बाद में सोमवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि झारखंड के छात्र और युवा बारिश के बीच सड़कों पर आंदोलन कर रहे हैं। राज्य में जेपीएससी की जितनी भी परीक्षाएं हुई हैं, उनमें गड़बड़ी के आरोप सामने आए हैं। इसी तरह जेएसएससी की परीक्षाओं में भी अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई हैं। मरांडी ने राज्य सरकार से जेपीएससी और जेएसएससी की सभी परीक्षाओं की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य से जुड़े इस मामले में किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। इस पर संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि अनुपूरक बजट पेश होने के बाद सत्र का पर्याप्त समय बचा हुआ है। इसलिए इस मुद्दे पर बाद में भी चर्चा कराई जा सकती है। वहीं, कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि छात्रों की मांगों के साथ सत्ता पक्ष भी खड़ा है।

भाई अबान की मिट्टी में शामिल होने के लिए अली और उमर को मिली पैरोल

एजेंसी

प्रयागराज : लाहाबाद हाईकोर्ट ने भाई अबान अहमद की मिट्टी में शामिल होने के लिए जेल में बंद अली अहमद और उमर अहमद को पेरोल पर रिहा करने का आदेश दिया है। शुक्रवार को बुआ परवीन कुरैशी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने यह आदेश जारी किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट और न्यायमूर्ति दिवेश चंद्र समंत ने दिया है। एक घंटे तक दोनों अपने छोटे भाई और परवीन कुरैशी से मिल सकेंगे। प्रशासन व्यवस्था करेगा। इसके बाद दोनों को सुरक्षित जेल पहुंचाएंगे। बता दें कि अली अहमद झांसी और उमर अहमद लखनऊ की जेल में बंद है। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि यदि दोनों भाई अपने दिवंगत भाई को अंतिम श्रद्धांजलि देना चाहते हैं और परिवार के साथ सीमित समय बिताना चाहते हैं तो इसमें कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। अदालत ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था राज्य की जिम्मेदारी है। न्यायालय ने यह भी कहा कि वे जहां आवश्यक हो, वहीं नमाज अदा कर सकते हैं और प्रशासन को सभी आवश्यक सुरक्षा इंतजाम करने होंगे। सुनवाई के दौरान अली अहमद झांसी जेल से और उमर अहमद लखनऊ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश हुए। प्रारंभ में झांसी जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में तकनीकी दिक्कत आने पर अदालत ने नाराजगी जताई। न्यायालय ने कहा कि केवल आवाज आ रही है, वीडियो क्यों नहीं दिखाई दे रहा है। इसके बाद तकनीकी समस्या दूर करने के निर्देश दिए गए और सुनवाई आगे बढ़ी। अली अहमद ने अदालत को बताया कि वह अपने दिवंगत भाई को अंतिम विदाई देना चाहते हैं और परिवार के साथ कुछ समय बिताना चाहते हैं। इस पर अदालत ने उनकी प्रार्थना स्वीकार करते हुए आवश्यक शर्तों के साथ पैरोल मंजूर कर ली।

एक नजर

मीडिल स्कूल बरही के प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बने मो मंसूर

बरही : विद्यालय प्रबंधन समिति मध्य विद्यालय बरही का पुनर्गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता बरही पूर्वी के मुखिया प्रतिनिधि छोटन ठाकुर और संचालन प्रधानाध्यापिका सह सचिव ने की। पर्यवेक्षक राजू कुमार और रवि कुमार रही। 18 सदस्यीय विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मो मंसूर चुने गए। उपाध्यक्ष पद पर शबनम आरा और संयोजिका पद पर सुनीता देवी चुनी गई। विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों में रिजवान अली, आबदा खातून, लक्ष्मी देवी, मो मिन्हाज, अनिता देवी, ममता देवी, साजदा खातून, रूबीना खातून, रेणु देवी मो इरशाद शामिल हैं। सचिव प्रधानाध्यापिका अर्पणा प्रसाद और महिला शिक्षिका सुधा कुमारी और पुरुष शिक्षक उपेन्द्र शर्मा प्रबंधन समिति के सदस्य बनाए गए हैं।

ग्रामीणों की परेशानी पहुंची विधानसभा चौपारण की सड़कों के पुनर्निर्माण की उठी मांग

चौपारण : प्रखंड की वर्षों से जर्जर पड़ी सड़कों की समस्या अब झारखंड विधानसभा तक पहुंच गई है। बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने शुक्रवार को शून्यकाल के दौरान इस जनहित के मुद्दे को सदन में प्रमुखता से उठाते हुए राज्य सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया और प्रभावित सड़कों की शीघ्र मरम्मत एवं पुनर्निर्माण की मांग की। विधानसभा में अपनी बात रखते हुए विधायक ने कहा कि प्रखंड की कई प्रमुख संपर्क सड़कें लंबे समय से बदहाल स्थिति में हैं। जगह–जगह बड़े–बड़े गड्ढे बन जाने से लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है, वहीं आए दिन सड़क दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। ग्रामीणों, विद्यार्थियों, किसानों एवं आम राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने चैथी मोड़ से चैथी अंतिम सीमा तक, जीटी रोड से अम्बाजीत तक, बेढ़ना दैहर मोड़ से दैहर तक तथा मुन्नम स्कूल मोड़ से नेवरीकरमा तक सड़क निर्माण एवं मरम्मत की मांग सरकार के समक्ष रखी।विधायक ने कहा कि इन सड़कों की बदहाल स्थिति क्षेत्र के विकास में बाधा बन गई है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता की समस्याओं को विधानसभा में उठाना उनकी प्राथमिकता है और जनहित से जुड़े मुद्दों पर वे लगातार आवाज उठाते रहेंगे।

स्व. ऋषुनाथ चौधरी की पुण्यतिथि पर जुटेंगे हजारों लोग, होगा पौधों का वितरण

बड़कागांव: झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता, शिक्षित समाज के प्रबल पक्षधर एवं जननायक स्वर्गीय ऋषुनाथ चौधरी की 12वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 9 अगस्त 2026 रविवार को एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रात: 10 :00 बजे बड़कागांव गुरुचट्टी स्थित विधायक रोशन लाल चौधरी आवास में आयोजित होगा। जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी एवं बड़ी संख्या में आम लोगों के शामिल होंगे। श्रद्धांजलि सभा के बाद आम नागरिकों के बीच हजरों फलदार पौधे वितरण किया जाएगा। उक्त आशय की जानकारी आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा एवं भाजपा के मंडल अध्यक्ष शिबू कुमार प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी है।

बरही चौक अब 'दिशोम गुरु शिबू सोरेन चौक' के नाम से जाना जाएगा

अलग झारखंड आंदोलन में बरही चौक और गुरुजी की भूमिका ऐतिहासिक : यासीन खान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : अलग झारखंड राज्य आंदोलन में बरही चौक और दिशोम गुरु शिबू सोरेन की भूमिका को याद करते हुए झामुमो नेताओं ने कहा कि बरही चौक आंदोलन की एक प्रमुख पहचान था। इसी महत्व को देखते हुए अब बरही चौक को "दिशोम गुरु शिबू सोरेन चौक₹ के नाम से जाना जाएगा।

झामुमो केंद्रीय सदस्य यासीन खान ने कहा कि "गुरुजी शिबू सोरेन ने अलग झारखंड के लिए जो संघर्ष किया, उसमें बरही जैसे चौक-चौराहे आंदोलन के केंद्र बने। बरही चौक से होकर गुजरने वाले हर आंदोलनकारी

में गुरुजी के विचारों की ऊर्जा थी। आज जब राज्य 25 साल का हो गया है, तो गुरुजी का नाम इस चौक से जोड़ना हमारी पीढ़ी का दायित्व है।

बरही के युवा नेता मो. ताबिश खान ने कहा कि "बरही चौक हमेशा से जन आंदोलनों का गवाह रहा है। गुरुजी के निधन के बाद 4 अगस्त को बरही चौक पर हजारों कार्यकताओं ने श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर उन्हें याद किया। अब सरकार और संगठन के निर्णय के बाद बरही चौक को दिशोम गुरु शिबू सोरेन चौक के नाम से जाना जाएगा। जल्द ही चौक के गोलंबर पर गुरुजी की आदमकद प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी, ताकि आने वाली पीढ़ी आंदोलन के संघर्ष को याद रख सके। नेताओं ने कहा कि प्रतिमा स्थापना के बाद बरही चौक न सिर्फ जिले बल्कि पूरे झारखंड के लिए आंदोलन की स्मृति का प्रतीक बनेगा।

उल्लेखनीय है कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद राज्य भर में उन्हें श्रद्धांजलि देने का सिलसिला जारी है। बरही में भी 4 अगस्त को बरही चौक पर दीप जलाकर और पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया था। अब बरही चौक का नामकरण और प्रतिमा लगने के बाद यह स्थान अलग झारखंड आंदोलन के इतिहास से जुड़ी एक नई पहचान लेगा।

डॉ. डीएन ठाकुर का स्थानांतरण रद करने की मांग मानवाधिकार एसोसिएशन ने जताई नाराजगी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ डीएन ठाकुर का स्थानांतरण मात्र 11 माह के अंदर हो जाने से चौपारण ही नहीं बल्कि पूरे हजारीबाग जिले में चर्चा का विषय बना है। अमूमन डॉक्टर्स की स्थानांतरण 3 या चार साल बाद ही होता है। लेकिन डॉ डीएन ठाकुर स्थानांतरण बिना उनकी सहमति से हो जाने से चौपारण स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ्य व्यवस्था प्रभावित होने लगी है। उक्त बाते राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन झारखंड प्रदेश स्वास्थ्य प्रकोष्ठ के जिला सचिव जीपी कश्यप ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कही। श्री कश्यप ने कहा कि गुटबंदी के कारण पहले स्वास्थ्य व्यवस्था प्रभावित होते रहती है। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। क्योंकि अन्य डॉक्टर्स का स्थानांतरण हो गया है। डॉ डीएन

ठाकुर स्थानांतरण असंवैधानिक है इसलिए तत्काल स्थानांतरण पर रोक लग सके। कहा कि डॉक्टर्स का स्थानांतरण तो हो गया लेकिन उनके स्थान पर अन्य किसी डॉक्टर्स की पोस्टिंग नहीं हुई। इस वजह स्वास्थ्य व्यवस्था प्रभावित हो रही है। राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन स्वास्थ्य प्रकोष्ठ ने तत्काल डॉ डीएन ठाकुर पर रोक लगाते हुए उन्हें कार्यभार सौंपने की मांग की है।

श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने 203 कोबरा बटालियन का किया शैक्षणिक भ्रमण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने शुक्रवार को बरही स्थित 203 कोबरा बटालियन कैंप का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को देश की आंतरिक सुरक्षा में लगे जवानों के जीवन, अनुशासन, साहस एवं कार्यशैली से परिचित कराना था।

भ्रमण के दौरान कोबरा बटालियन के कमांडेंट पवन कुमार सिंह के नेतृत्व में विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। उनके साथ असिस्टेंट कमांडेंट शिवा कुमार, इंस्पेक्टर राजीव कुमार, सब-इंस्पेक्टर विवेक कुमार एवं हवलदार उम्मेद सिंह ने विद्यार्थियों को बटालियन की विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। विद्यार्थियों को पूरे कोबरा कैंप का भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने स्विमिंग पूल, जिम, हथियार प्रशिक्षण क्षेत्र (फायरिंग

रेंज), जवानों के रहने की व्यवस्था, ऑपरेशन में उपयोग होने वाले आधुनिक हथियार एवं अन्य सैन्य उपकरणों को नजदीक से देखा और उनके उपयोग के बारे में जाना। इस दौरान विद्यार्थियों ने जवानों द्वारा प्रस्तुत मॉक ड्रिल भी देखी, जिसमें बताया गया कि नक्सल प्रभावित एवं दुर्गम क्षेत्रों में ऑपरेशन के दौरान जवान किस प्रकार रणनीति बनाकर कार्य करते हैं। विद्यार्थियों ने जवानों के ऑपरेशन बैग (रक्सैक) को उठाकर देखा और उसमें रखे आवश्यक सामान की जानकारी प्राप्त की। उन्हें जंगल में अस्थायी कैंप स्थापित करने, सीमित संसाधनों में जीवनयापन करने तथा विपरीत परिस्थितियों में स्वयं को सुरक्षित रखने के व्यावहारिक तरीके भी बताए गए। कमांडेंट पवन कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को कोबरा बटालियन के गठन, इतिहास, कार्यशैली और देश की सुरक्षा में उसकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि यदि जंगल या अभियान के दौरान पीने का पानी उपलब्ध न हो तो उसे फिल्टर कर सुरक्षित तरीके से कैसे उपयोग किया जा सकता है।

जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थियों एवं छात्रों के न्याय के लिए विधायक ने विधानसभा में किया जोरदार प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के विधायक दल के साथ खढरउ-खररउ अभ्यर्थियों एवं राज्य के लाखों युवाओं को न्याय दिलाने की माँग को लेकर हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ जोरदार आवाज बुलंद की। इस अवसर पर हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद भी भाजपा विधायक दल के साथ सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। प्रदीप प्रसाद ने कहा कि झारखंड के युवाओं के भविष्य के साथ लगातार अन्याय किया जा रहा है। भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं, प्रश्नपत्र लीक, नियुक्ति प्रक्रियाओं में देरी और पारदर्शिता के अभाव ने लाखों प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों के सपनों को आघात पहुँचाया है। भाजपा

लगातार युवाओं के अधिकारों की लड़ाई लड़ रही है और आगे भी उनके न्याय के लिए हर स्तर पर संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने कहा कि खढरउ एवं खररउ भर्ती प्रक्रियाओं में व्याप्त विसंगतियों की निष्पक्ष जाँच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए तथा योग्य अभ्यर्थियों को शीघ्र न्याय दिलाया जाए। राज्य सरकार को युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बंद कर पारदर्शी, निष्पक्ष एवं समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करनी चाहिए।

प्रदीप प्रसाद ने कहा कि भाजपा का स्पष्ट कहना है कि झारखंड का युवा केवल आश्वासन नहीं, बल्कि न्याय और रोजगार चाहता है। विधानसभा से लेकर सड़क तक भाजपा युवाओं की आवाज बनकर उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

वीबीयू के भूगर्भ विभाग के तीन विद्यार्थियों का EPIC Lab Tech Pvt. Ltd., में चयन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय (वीबीयू) के स्नातकोत्तर भूगर्भ विभाग के लिए गर्व का क्षण है। शैक्षणिक सत्र 2024-26 के तीन विद्यार्थियों का चयन रांची स्थित प्रतिष्ठित कंपनी EPIC Lab Tech Pvt. Ltd., में Laboratory Analyst के पद पर हुआ है। चयनित विद्यार्थियों में अभय कुमार राणा, अंकित कुमार और तिलोत्तमा भारती शामिल हैं। तीनों विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विभाग में हर्ष का माहौल है। शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने इसे विभाग की शैक्षणिक गुणवत्ता और रोजगारोन्मुख शिक्षा का परिणाम बताया। विभागाध्यक्ष डॉ. एच.एन. सिन्हा ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विभाग की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं प्रशिक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उन्होंने

विश्वास जताया कि तीनों विद्यार्थी अपनी प्रतिभा, परिश्रम और कार्यकुशलता के बल पर न केवल संस्थान, बल्कि विनोबा भावे विश्वविद्यालय का नाम भी राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करेंगे। उन्होंने कहा कि विभाग भविष्य में भी विद्यार्थियों को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप बेहतर शिक्षा, व्यावहारिक प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा। इस उपलब्धि पर भूगर्भ विभाग के शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने चयनित छात्रों और उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सीएचसी में जच्चा-बच्चा मौत मामले की जांच शुरू, टीम ने परिजनों का बयान दर्ज किया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बड़कागांव में प्रसव के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत के मामले की जांच शुक्रवार को शुरू हो गई। हजारीबाग सिविल सर्जन के निर्देश पर गठित जांच टीम ने अस्पताल पहुंचकर मृतका के परिजनों, आंदोलन में शामिल लोगों तथा अस्पताल प्रबंधन से अलग-अलग जानकारी ली। टीम ने मृतका के चाचा सीताराम राणा का बयान दर्ज किया और मामले से जुड़े तथ्यों को कलमबद्ध किया। वहीं समाजसेवी सह पत्रकार एवं बड़कागांव विधानसभा सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी से भी पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी ली

गई। मामले में जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी डॉ. एस.के. राजन के नेतृत्व में जांच की गई। टीम में हजारीबाग सदर प्रभारी डॉ. अमरेश कुमार, विष्णुगढ़ की महिला चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शिवानी तथा डीएम दिवाकर अंबष्ठा शामिल थे। टीम ने अस्पताल की व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया और स्वास्थ्य प्रबंधन से जुड़े बिंदुओं की समीक्षा की।

क्या बोले जांच टीम के प्रमुख

जांच टीम के प्रमुख डॉ. एस.के. राजन ने कहा कि मामला अत्यंत गंभीर है। सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था और प्रबंधन में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।

जांच के दौरान मृतका के चाचा सीताराम राणा, समाजसेवी सह पत्रकार एवं सांसद मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी, भाजपा मंडल अध्यक्ष शिवशंकर कुमार उर्फ शिबू, तथा सत्यजीत विद्या अलंकार उपस्थित थे।

नौ घंटे चला था धरना

गौरतलब है कि मंगलवार शाम जच्चा-बच्चा की मौत के बाद परिजनों के समर्थन में पत्रकार, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और ग्रामीण सीएचसी परिसर में धरने पर बैठ गए थे। प्रदर्शनकारियों ने दोषी चिकित्सक पर कार्रवाई, अस्पताल की लचर व्यवस्था में सुधार तथा अनियमितताओं पर रोक लगाने की मांग की थी।

लिखित आश्वासन के बाद समाप्त हुआ था आंदोलन

वार्ता के दौरान चिकित्सा प्रभारी डॉ. अविनाश कुमार ने बीडीओ एवं सीओ की मौजूदगी में लिखित आश्वासन दिया था कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी चिकित्सक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पीड़ित परिवार के एक सदस्य को आउटसोर्सिंग के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराने, आर्थिक सहायता दिलाने तथा अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं एवं प्रबंधन में शीघ्र सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाने का भरोसा दिया गया। परिजनों ने कहा था कि यदि तय समय के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो वे दोबारा आंदोलन करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने किया 63 केवीए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

चौपारण (प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता): प्रखंड की पड़रिया पंचायत अंतर्गत सिद्धूचक गांव में शुक्रवार को 63 केवीए क्षमता वाले नए विद्युत ट्रांसफार्मर का उद्घाटन बरही के पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने किया।ट्रांसफार्मर के चालू होने से गांव में लंबे समय से बनी कम वोल्टेज एवं बिजली आपूर्ति की समस्या से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। उद्घाटन के अवसर पर पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकता रही है। उन्होंने कहा कि बेहतर बिजली व्यवस्था से किसानों, विद्यार्थियों एवं आम उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा और क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी। कार्यक्रम में नवीन यादव, राजेश कुमार यादव, अनिरुद्ध सिंह, सुखदेव यादव, उदय यादव, लौकेश राणा, ब्रह्मानंद राणा, केदार भुईयां, सरयू राणा, सत्यानंद राणा, सहदेव राणा, कांशी रविदास, वीरेंद्र राणा, विकास ठाकुर, कपिल राणा, सनीचर भुईयां, राजेंद्र भुईयां, समर भुईयां, रोहित राणा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

टिटहीं विद्यालय में सर्वसम्मति से गठित हुई विद्यालय प्रबंधन समिति, बच्चों को मिली शैक्षणिक सामग्री

चौपारण (प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता): प्रखंड के कन्या प्राथमिक विद्यालय टिटहीं में शुक्रवार को लोकतांत्रिक एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) का गठन किया गया। आयोजित चुनाव में अभिभावकों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से नई समिति का चयन किया गया। चुनाव प्रक्रिया की अध्यक्षता स्थानीय मुखिया संतोष सिंह ने की, जबकि पोषक क्षेत्र के मुखिया बिरेन्द्र रजक मुख्य रूप से उपस्थित रहे। चुनाव के दौरान सर्वसम्मति से अनुराधा देवी को विद्यालय प्रबंधन समिति का अध्यक्ष, सिम्पी देवी को उपाध्यक्ष तथा सुलेखा सिन्हा को संयोजिका चुना गया। चुनाव प्रक्रिया का संचालन चुनाव प्रभारी महेन्द्र साव ने किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के विद्यार्थियों के बीच कॉपी, पेंसिल, कलम सहित अन्य शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने, अनुशासन का पालन करने तथा मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

विद्यालय में पेवर ब्लॉक निर्माण को लेकर पंसस विकास सिंह ने डीएसई को सौंपा ज्ञापन

बरही (प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता): बरही प्रखंड अंतर्गत केदारूत कटियौन स्थित विद्यालय परिसर में पेवर ब्लॉक निर्माण की मांग को लेकर पंचायत समिति सदस्य विकास सिंह ने जिला शिक्षा अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में माध्यम से उन्होंने कहा कि बरसात के दिनों में परिसर में जलजमाव और कीचड़ होने से छात्र – छात्राओं, शिक्षकों एवं अभिभावकों को आवागमन में परेशानी होती है। उन्होंने कहा कि पेवर ब्लॉक बनने से परिसर स्वच्छ रहेगा, आवागमन सुगम होगा और दुर्घटनाओं की आशंका भी कम होगी। विकास सिंह ने विद्यार्थियों के हित में शीघ्र निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की।

विधायक ने जर्जर सड़क का मुद्दा विधानसभा में उठाया, शीघ्र मरम्मत की मांग

बरही (प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता): बरही विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत चौपारण एवं बरही प्रखंड की कई प्रमुख सड़कों की बदहाल स्थिति को लेकर विधायक मनोज यादव ने विधानसभा सत्र के दौरान शून्यकाल में मामला प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि वर्षों से जर्जर पड़ी इन सड़कों के कारण आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तथा आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। विधायक ने सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए बताया कि चौपारण प्रखंड के चैथी मोड़ से चैथी अंतिम सीमा तक, जी.टी. रोड से अम्बाजीत, बेढ़ना दैहर मोड़ से दैहर तक तथा मुन्नम स्कूल मोड़ से नेवरीकर्मा तक की सड़कें अत्यंत जर्जर हो चुकी हैं। वहीं बरही प्रखंड के भंडारो मोड़ से बैरीसाल तक तथा ओरपरता मोड़ से डपोक तक की सड़कें भी बदहाल स्थिति में हैं, जिससे स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इन मार्गों पर लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं और कई लोग घायल हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में जनहित को देखते हुए इन सड़कों की तत्काल मरम्मत कराना आवश्यक है। विधायक मनोज यादव ने सरकार से मांग की कि उक्त सभी सड़कों की अविलंब मरम्मत कराकर आम जनता को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने बताया कि विधानसभा में मामला उठाने के बाद संबंधित विभाग को पत्राचार भी किया गया है, ताकि शीघ्र आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

बेकाबू ट्रेलर ने कांवरिया बस को मारी टक्कर, बड़ा हादसा टला

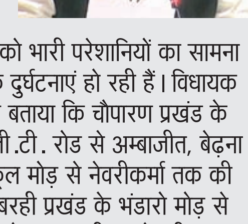

चौपारण (प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता) : प्रखंड के दनुआ स्थित झारखंड होटल के समीप शुक्रवार सुबह करीब 7 :30 बजे एक बड़ा सड़क हादसा होते–होते टल गया। देवघर से औरंगाबाद लौट रही जय माँ बस (बीआर 24 पिए 5116) को एक बेकाबू ट्रेलर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से बस क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि बस में सवार करीब 50 कांवरिया श्रद्धालु पूरी तरह सुरक्षित रहे। घटना की सूचना मिलते ही चोरदाहा पिकेट प्रभारी नितेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दुर्घटना की जानकारी लेते हुए स्थिति का जायजा लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, दुर्घटना में शामिल बस और ट्रेलर दोनों औरंगाबाद जिले के बताए जा रहे हैं। बताया गया कि हादसे के बाद दोनों वाहन चालकों एवं संबंधित पक्षों के बीच आपसी सहमति से मामला सुलझा लिया गया। समझौते के बाद बस और ट्रेलर अपने–अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए। इस दुर्घटना में किसी भी कांवरिया श्रद्धालु के घायल नहीं होने से सभी ने राहत की सांस ली। समय रहते बड़ा हादसा टल गया, जिससे यात्रियों और उनके परिजनों में भी संतोष का माहौल रहा।

एक नजर

आज डोरंडा और रानी बगान के कई इलाकों में विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

रांची : विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल, डोरंडा के अंतर्गत बिरसा फीडर और हिनू फीडर के कुछ ट्रांसफार्मर के एलटी नंगे तार को एबी- केबल से बदलने के लिए इलाके में शनिवार की सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान राजधानी के जिन इलाकों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी उनमें प्रकाश नगर, बंधु नगर, गांधीनगर, हिनू एयरपोर्ट रोड, खोखमा टोली, मौसम विभाग, स्टेट हैंगर और आसपास का क्षेत्र शामिल है। यह जानकारी विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल, डोरंडा ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति में माध्यम से दी। वहीं विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल अंतर्गत आरएमसीएच के अधीन (आरडीएसएस) कार्य शनिवार को किए जाएंगे। इसलिए रांची के रानी बगान, बूटी मोर फीडर, -पावर हाउस-पानी टंकी और बूटी मोर फीडर से सुबह 10 बजे से शाम 04 बजे तक विद्युत आपूर्ति प्रभावित रहेगी। साथ ही पंचवटीपुरम पंकज मंडल (आईएएस) 01 नंबर ट्रांसफार्मर बंद रहेगा। बिजली विभाग की ओर से इन इलाकों में नंगे तार को कवर केबल किया जाएगा। इसके अलावा स्वामी सहजानंद नगर में सुबह 10 बजे से शाम 04 बजे बजे तक 01 नंबर ट्रांसफार्मर बन्द रहेगा। इस दौरान एलटी के नंगे तार को कवर किया जाएगा।

बाबूलाल मरांडी ने अस्पताल पहुंचकर अनशनकारी छात्रों का जाना हाल

रांची : झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को सदर अस्पताल पहुंचकर जेपीएससी-जेएसएससी में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच और युवाओं के अधिकारों की मांग को लेकर अनशन कर रहे छात्रों राहुल क्रांति और ब्रजकिशोर का हाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों से दोनों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके संघर्ष के प्रति समर्थन जताया। दोनों छात्र पिछले 14 दिनों से आंदोलनरत हैं। बताया गया कि शुक्रवार को राहुल क्रांति की तबीयत अचानक अधिक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। वहीं, कोडरमा के छात्र ब्रजकिशोर भी लगातार बारिश में धरना देने के कारण अस्वस्थ बताए गए हैं। मरांडी ने दोनों छात्रों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि सरकार की कथित असंवेदनशीलता के कारण उन्हें अपनी जान जोखिम में नहीं डालनी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को अभी लंबी लड़ाई लड़नी है।

आंदोलन हाईजैक न करें बीजेपी नेता और कोचिंग माफिया : सुदिव्य

रांची : छात्र आंदोलन के बीच मंत्री सुदिव्य सोनू ने छात्रों के डेलिगेशन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से छात्रों के साथ ही वार्ता की जाएगी। मंत्री ने अपील करते हुए कहा कि छात्रों के डेलिगेशन में राजनीति करने वाले लोगों को शामिल नहीं होना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर कोचिंग माफिया और बीजेपी के नेता छात्रों के आंदोलन को हाईजैक करने की कोशिश करेंगे और डेलिगेशन में शामिल होंगे, तो यह उचित नहीं होगा। सुदिव्य सोनू ने नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें पर्दे के पीछे से खेलना बंद करना चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर महाधिवक्ता अजीत कुमार की जगह किसी को भेजना ही था, तो बाबूलाल मरांडी अपना नाम भेज देते। मंत्री ने छात्रों से अपील की कि वे अपने डेलिगेशन को राजनीतिक प्रभाव से दूर रखें और अपनी मांगों को सीधे सरकार के सामने रखें। सरकार और छात्रों के बीच प्रस्तावित वार्ता को लेकर अब डेलिगेशन में शामिल होने वाले सदस्यों पर भी राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है।

जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं पर आंदोलन जारी, अनशनकारी छात्र अस्पताल में भर्ती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में 14वें जेपीएससी, जेएसएससी-सीजीएल सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच और परीक्षाएं रद्द करने की मांग को लेकर जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम, रांची में छात्र-अभ्यर्थियों का आमरण अनशन और सत्याग्रह शुक्रवार को 14वें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के चौथे दिन दो अनशनकारियों की तबीयत बिगड़ने से आंदोलन स्थल पर स्थिति गंभीर हो गई। अनशनकारी छात्र राहुल कुमार की शुक्रवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें तत्काल सदर अस्पताल, रांची भेजा गया। इसके बाद अनशन पर बैठे छात्र नेता देवेंद्रनाथ महतो की भी तबीयत खराब हो गई। उनकी बोलने की गति धीमी होने पर चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण किया। चिकित्सकों की टीम दोनों अनशनकारियों के स्वास्थ्य पर लगातार नजर बनाए हुए है। आंदोलन स्थल पर दिनभर विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों का आना-जाना लगा रहा। कई संगठनों और लोगों ने आंदोलनकारियों की मांगों का समर्थन करते हुए उनके प्रति एकजुटता जताई और उनका उत्साह बढ़ाया। आंदोलन में शामिल छात्र रितेश सिंह, सुनीता कुजूर सहित अन्य अभ्यर्थियों ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में आंदोलन वापस नहीं लिया जाएगा। उन्होंने मांग की कि जेपीएससी, जेएसएससी-सीजीएल सहित अन्य विवादित प्रतियोगी परीक्षाओं को रद्द कर पारदर्शी प्रक्रिया के तहत दोबारा आयोजित किया जाए। आंदोलनकारियों ने घोषणा की कि 10 अगस्त को राज्यभर के छात्र रांची में विधानसभा का घेराव करेंगे। उनका दावा है कि इस प्रदर्शन में झारखंड के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में छात्र और युवा शामिल होंगे। छात्र राजेश कुमार ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार छात्रों की समस्याओं को लेकर गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि रोजगार और पारदर्शी भर्ती का वादा कर सत्ता में आई सरकार अब युवाओं की मांगों की अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में छात्रों को अपने अधिकारों की लड़ाई और तेज करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। आंदोलन स्थल पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के अलावा अन्य लोग भी मौजूद रहे।

छात्रों के सब्र की परीक्षा लेकर सरकार अराजकता को निमंत्रण न दे : देवेंद्र नाथ महतो

रांची : जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के विरोध में छात्रों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। भारी बारिश के बावजूद जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम परिसर में छात्र एवं अभिभावक पूरे दिन आंदोलनरत रहे। उपस्थित अभ्यर्थियों ने आयोग एवं राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए अपना आक्रोश व्यक्त किया। छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल आज छठे दिन भी जारी रही। मेडिकल टीम के अनुसार शुगर लेवल में भारी गिरावट सहित स्वास्थ्य संबंधी अन्य जटिलताएं सामने आई हैं, जिसके कारण उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती होकर उपचार कराने की सलाह दी गई। लेकिन आंदोलनरत छात्रों का साथ नहीं छोड़ने का संकल्प लेते हुए देवेंद्र नाथ महतो ने अस्पताल जाने से स्पष्ट इनकार कर दिया। प्रशासनिक अधिकारियों के आग्रह पर जेपीएससीझजेएसएससी अभ्यर्थी मंच द्वारा सरकार को वार्ता हेतु छात्र प्रतिनिधिमंडल की सूची सौंपी गई। आठ सदस्य प्रतिनिधिमंडल में निम्नलिखित शामिल हैं—रामा अवतार महतो, चंदन कुमार, दिनबंधु मंडल, बिमल कुमार, पूजा कुमारी, प्रेम कुमार, रवि शंकर और अमित कुमार शर्मा है।

डुरंड कप : दिल्ली एससी की एकतरफा जीत, डिफेंडर्स एफसी को 7-0 से हराया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए डुरंड कप के चौथे मुकाबले में दिल्ली एससी ने डिफेंडर्स एफसी को 7-0 से करारी शिकस्त दी। दिल्ली एससी ने शुरूआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए और पहले 11 मिनट में तीन गोल दागकर मुकाबले पर मजबूत पकड़ बना ली। दिल्ली एससी ने पांचवें मिनट में गोल कर अपना खाता खोला। इसके दो मिनट बाद सातवें मिनट में दूसरा गोल किया, जबकि 11वें मिनट में तीसरा गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया।

लगातार हमलों से दिल्ली की टीम ने डिफेंडर्स एफसी को दबाव में बनाए रखा। 34वें मिनट में चौथा गोल कर दिल्ली ने अपनी बढ़त 4-0 कर ली। पहले हाफ के समाप्त होने तक डिफेंडर्स एफसी की टीम एक भी गोल नहीं कर सकी। दूसरे हाफ में डिफेंडर्स एफसी ने वापसी की कोशिश की, लेकिन दिल्ली एससी की मजबूत रक्षापंक्ति और बेहतर तालमेल के सामने उसके प्रयास नाकाफी साबित हुए। दिल्ली ने मुकाबले के अंतिम क्षणों में गोलों की झड़ी लगा दी। 88वें मिनट में पांचवां गोल करने के बाद टीम ने 90वें मिनट में लगातार दो गोल दागे और स्कोर 7-0 कर दिया। पूरे मुकाबले में दिल्ली एससी के खिलाड़ियों के बीच शानदार तालमेल देखने को मिला। तेज पासिंग, गेंद पर बेहतर नियंत्रण और आक्रामक रणनीति के दम पर दिल्ली की टीम ने अधिकांश समय खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। डिफेंडर्स एफसी को मिले कुछ मौकों को दिल्ली के गोलकीपर और रक्षापंक्ति ने सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया। दिल्ली एससी की एकतरफा जीत का खेलप्रेमियों ने तालियों के साथ स्वागत किया।

धनबाद बार एसोसिएशन की पार्किंग समस्या का उच्च न्यायालय ने कराया समाधान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : धनबाद अदालत परिसर में अधिवक्ताओं और मुवक्किलों की पार्किंग सहित अन्य बुनियादी समस्याओं को लेकर धनबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी की जनहित याचिका पर उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने याचिका निष्पादित करते हुए कहा कि तत्काल पार्किंग की समस्या का काफी हद तक समाधान आपसी बातचीत और सहयोग से हो गया है। अदालत ने पाया कि अब अधिवक्ताओं और मुवकिलों के वाहनों के लिए पर्याप्त पार्किंग स्थान उपलब्ध कराया गया है। रोजाना लगने वाले दुकानदारों को निर्धारित वेंडिंग जोन में स्थानांतरित कर दिया गया है, पुलिसकर्मियों की तैनाती भी की गई है, ताकि निर्धारित पार्किंग स्थल पर दोबारा अतिक्रमण न हो। खंडपीठ ने कहा कि दीर्घकालिक समाधान के तहत अदालत परिसर के सामने स्थित जेल को भविष्य में शहर के बाहरी क्षेत्र में स्थानांतरित करने पर सभी पक्षों में सहमति बनी है। जेल के स्थानांतरित होने के बाद खाली होने वाली जमीन का इस्तेमाल कोर्ट परिसर और बार की जगह से जुड़ी समस्या के स्थायी समाधान के लिए किया जा सकेगा। हालांकि कोर्ट ने कहा कि जेल स्थानांतरण का प्रस्ताव राज्य सरकार की मंजूरी पर निर्भर है और इसमें समय लगेगा। कोर्ट ने उम्मीद जताई कि प्रशासन की ओर से दिए गए आश्वासन अधूरे नहीं रहेंगे और इस प्रस्ताव को गंभीरता से आगे बढ़ाया जाएगा। कोर्ट ने धनबाद जिला प्रशासन, पुलिस, जिला न्यायपालिका और धनबाद बार एसोसिएशन के सहयोगात्मक रवैये की सराहना की। खंडपीठ ने कहा कि इस मामले में किसी भी पक्ष ने इसे टकराव के रूप में नहीं लिया कोर्ट ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता शैलेश कुमार सिंह के रचनात्मक रवैये की भी प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि धनबाद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी की ओर से दायर जनहित याचिका में बार भवन के आने-जाने वाले रास्तों और आपातकालीन निकास को बहाल करने, जस्टिस एसबी सिन्हा द्वार पर किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने, पश्चिमी गेट खोलने और अधिवक्ताओं के लिए पर्याप्त पार्किंग की व्यवस्था करने की मांग की गई थी। दरअसल, उच्च न्यायालय ने 12 मार्च 2026 के आदेश में कहा था कि पार्किंग विवाद गैर-विरोधात्मक है और इसे बातचीत के माध्यम से सुलझाया जाना चाहिए। कोर्ट के निर्देश पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, धनबाद ने जिला प्रशासन और बार एसोसिएशन के साथ संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

शिक्षा और युवाओं के भविष्य पर बीजेपी को बोलने का नैतिक अधिकार नहीं : शिल्पी नेहा तिर्की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को आज युवाओं के भविष्य, रोजगार और शिक्षा व्यवस्था पर उपदेश देने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। अपने पूरे शासनकाल में भाजपा ने सरकारी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के बजाय सार्वजनिक संस्थानों के निजीकरण, विनिवेश और सरकारी निवेश में कटौती की नीति को बढ़ावा दिया। जब देशभर के NEET अभ्यर्थी जंतर-मंतर पर अपने भविष्य और परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे थे, तब भाजपा के नेता न तो उस आंदोलन में छात्रों के साथ खड़े दिखाई दिए और न ही सोशल मीडिया पर उनके समर्थन में मुखर नजर आए। आज वही लोग झारखंड के छात्रों के मुद्दों पर अचानक संवेदनशील होने का दावा कर रहे हैं। इससे उनके दोगला राजनीतिक रवैये पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि देश के सरकारी स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को आधुनिक संसाधनों, शिक्षकों और शोध सुविधाओं से सशक्त बनाने के बजाय शिक्षा व्यवस्था का भगवाकरण और राजनीतिक एजेंडे का माध्यम बनाने का प्रयास किया गया। शिक्षा का उद्देश्य वैज्ञानिक सोच, नवाचार और रोजगारोन्मुखी कौशल विकसित करना होना चाहिए, लेकिन भाजपा ने शिक्षा के वास्तविक सुधार की बजाय दिखावे की राजनीति को प्राथमिकता दी। शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि भाजपा शासनकाल में बेरोजगारी लगातार देश की सबसे बड़ी चुनौतियों में बनी रही। लाखों युवा वर्षों तक भर्ती परीक्षाओं और नियुक्तियों की प्रतीक्षा करते रहे। उन्होंने कहा कि आज देश का Gen Z वर्ग अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति पहले से अधिक जागरूक और मुखर है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री द्वारा प्रतिदिन रील, वीडियो और प्रचार अभियानों के माध्यम से युवाओं को आकर्षित करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन देश का युवा प्रतीकात्मक संवाद नहीं, बल्कि रोजगार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और समान अवसर चाहता है। जब तक युवाओं की मूल समस्याओं का समाधान नहीं होगा, तब तक केवल मन की बात और परीक्षा पर चर्चा जैसे कार्यक्रम उनकी आकांक्षाओं का उत्तर नहीं बन सकते।

टॉपर छात्र आर्य प्रताप सिंह को सामाजिक संस्थाओं ने किया सम्मानित

रांची : आर्य प्रताप सिंह (डीपीएस का छात्र)ने सीबीएसई कक्षा 10 वीं की परीक्षा 2026 में 96.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने विद्यालय,माता-पिता और झारखंड का नाम रौशन किया है। इस उपलब्धि पर आज क्राउंड लायंस, मानव अधिकार मिशन, लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर आदि सामाजिक संस्था के पदाधिकारियों द्वारा 26, ईस्ट जेल रोड लालपुर रांची स्थित उसके आवास मे जाकर आर्य प्रताप को अंगवस्त्र एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की गई। क्राउंड लायंस के अध्यक्ष शुभम चौधरी ने कहा आर्य प्रताप की यह उपलब्धि कड़ी मेहनत और परिश्रम का परिणाम है।मानव अधिकार मिशन के रामगढ़ जिला अध्यक्ष रूपेश कुमार गुप्ता ने कहा आर्य ने पूरे झारखंड का नाम रौशन किया है।

नामकुम प्रखंड कांग्रेस मिलन समारोह में विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने थामा कांग्रेस का दामन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विचारों, नीतियों एवं जनहितकारी कार्यों से प्रभावित होकर खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप के नेतृत्व में विभिन्न राजनीतिक दलों के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता नामकुम प्रखण्ड कांग्रेस मिलन समारोह में कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण किया। इस अवसर पर आयोजित मिलन समारोह में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नए साथियों का कांग्रेस परिवार में स्वागत किया गया तथा उन्हें पार्टी की विचारधारा एवं संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प दिलाया गया। मिलन समारोह के मुख्य अतिथि झारखण्ड कांग्रेस के सह प्रभारी श्रीबेला प्रसाद ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस परिवार में नये सदस्यों का स्वागत करते हैं। आज आप पार्टी का सदस्यता ग्रहण कर कांग्रेस पार्टी के हाथों को मजबूत किया है। केशव महतो कमलेश ने सभा को संबोधित करते हुए विभिन्न राजनीतिक दलों आये कार्यकर्ता को माला एवं कांग्रेस का पट्टा पहना कर स्वागत किया। झारखण्ड सरकार के मंत्री दिपिका सिंह पाण्डेय ने कहा कि हम एक एक कार्यकर्ता को जोड़कर पार्टी को मजबूत करेंगे। मंत्री डां इरफान अंसारी ने सरकार एवं कांग्रेस पार्टी की उपलब्धि को बताते हुए नये सदस्यों स्वागत किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने सभी को स्वागत करते हुए कहा कि पार्टी की मजबूती मिलेगी। खिजरी विधायक सह कांग्रेस विधायक दल के उप नेता राजेश कच्छप ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जनता का बढ़ता विश्वास और विभिन्न दलों के कार्यकताओं का कांग्रेस में शामिल होना इस बात का प्रमाण है कि राज्य एवं क्षेत्र की जनता कांग्रेस की नीतियों और जनहित के प्रति उसकी प्रतिबद्धता पर भरोसा जता रही है। आने वाले समय में संगठन को और अधिक सशक्त एवं जन-जन तक पहुँचाने के लिए सभी कार्यकर्ता मिलकर कार्य करेंगे। सभा को महिला कांग्रेस अध्यक्ष रामा खलखो, प्रणव झा, पूर्व राज्यसभा प्रत्याशी, कोलेबिरा विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी, कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा, रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस प्रभारी रियाजुल अहमद, रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष सोमनाथ मुण्डा, डां अमर कुमार चौधरी ने संबोधित किया। मौके पर सतीश पाल मुजनी,ऐनूल हक अंसारी, अर्चना मिश्रा, खुदिया कच्छप, प्रखण्ड अध्यक्ष विजय टोप्पो, रमेश पाण्डेय, माधो कच्छप, रीना सांगा, अनु बेक, पृथ्वीराज चौहान, एतवा उरांव, सिलाश टुटी, महादेव मुण्डा, मिनू सिंह, अंजू लकड़ा, पुनीत तिग्गा, राजेश सिंह मुण्डा, मुरलीधर, सुनील उरांव, चांद खान, लखन नायक, नरेश उरांव, विजय मुण्डा, शंकर पाण्डेय, कृष्णा गोप, जीता कच्छप, एतवा, दिनेश चन्द्र प्रमाणिक एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री को ब्रह्माकुमारी बहनों ने बांधी राखी दिया पवित्रता, प्रेम एवं सद्भावना का संदेश

रांची : झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की निदेशक ब्रह्माकुमारी निर्मला जी, सहयोगी इंदु साबू, प्रदीप कुमार एवं सुनैना कुमारी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी निर्मला जी ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को रक्षासूत्र (राखी) बांधकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सावन मास एवं रक्षाबंधन के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए पवित्रता, प्रेम, भाईचारे, सद्भावना एवं मानवीय मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। साथ ही राज्य की सुख-समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने ब्रह्माकुमारी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए शुभकामनाओं के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने समाज में नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों के संवर्धन तथा सकारात्मक जीवन मूल्यों के प्रसार हेतु ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

हेमन्त सोरेन से राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के प्रतिनिधिमंडल ने की शिष्टाचार भेंट

रांची : झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में संयोजक बैंक, बैंक ऑफ इंडिया के महाप्रबंधक गुरू प्रसाद गोंड, सहायक महाप्रबंधक क्षितिज, रौशन चौधरी एवं प्रशांत कुमार शामिल थे।

राहुल गांधी ने छात्रों की आवाज सुनी : विजय शंकर

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने कहा कि झारखंड के छात्र न्याय, पारदर्शिता और रोजगार की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस उनके साथ खड़ी है। भाजपा उनके कंधों पर राजनीति करने में लगी है दिल्ली के मामलो में चुप्पी और झारखण्ड के मामलो में मुखरता भाजपा की दोहरी राजनीती को बेनकाब करती है उन्होंने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आंदोलनरत छात्र प्रतिनिधियों से वीडियो कॉल पर सीधे संवाद कर यह साबित कर दिया कि कांग्रेस युवाओं की आवाज सुनती भी है और उसे राष्ट्रीय स्तर पर उठाती भी है। राहुल गांधी ने छात्रों की बात सुनी, उनका मनोबल बढ़ाया और भरोसा दिलाया कि न्यायपूर्ण भर्ती व्यवस्था के लिए कांग्रेस हर लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ेगी। विजय शंकर नायक ने कहा कि दूसरी ओर झारखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के. राजू के नेतृत्व में कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर छात्रों की मांगों को विस्तार से रखा। मुख्यमंत्री ने भी सकारात्मक रुख दिखाते हुए समाधान की दिशा में संवाद का मार्ग अपनाया। यही जिम्मेदार राजनीति है—सड़क से उठी आवाज को सत्ता तक पहुँचाना और समाधान की दिशा में काम करना। उन्होंने कहा कि भाजपा को यह बताना चाहिए कि जब वह सत्ता में थी तब भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर उठे विवादों और न्यायालयों तक पहुँचे मामलों के समाधान के लिए उसने कौन-से स्थायी संस्थागत सुधार किए। दिल्ली के छात्र युवा आन्दोलन में बर्बरता पूर्वक लाठी चलाने वाली आज वही भाजपा छात्रों की पीड़ा को राजनीतिक हथियार बनाकर केवल सुर्खियाँ बटोरने का प्रयास कर रही है। युवाओं का भविष्य प्रेस कॉन्फ्रेंस और विधानसभा में सिर्फ नौटंकी कर विधानसभा को वाधित कर रही है आज नारेबाजी से नहीं, बल्कि पारदर्शी व्यवस्था और जवाबदेही से सुरक्षित होगा युवाओ और छात्रो का भविष्य । विजय शंकर नायक ने कहा कि कांग्रेस का रुख बिल्कुल स्पष्ट है—यदि किसी भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितता की शिकायत आती है तो उसकी निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच होनी चाहिए। यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो, लेकिन लाखों मेहनती और ईमानदार अभ्यर्थियों का भविष्य किसी भी स्थिति में प्रभावित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस युवाओं के साथ खड़ी है, क्योंकि कांग्रेस संवाद में विश्वास करती है। राहुल गांधी ने संवाद किया, के. राजू ने पहल की, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बातचीत का रास्ता अपनाया। यही लोकतांत्रिक राजनीति है। इसके विपरीत केवल विरोध के लिए विरोध करना और हर मुद्दे पर राजनीतिक लाभ तलाशना युवाओं की समस्याओं का समाधान नहीं है। विजय शंकर नायक ने कहा कि झारखंड का युवा राजनीतिक नाटक नहीं, न्याय चाहता है; आरोपों की राजनीति नहीं, पारदर्शी भर्ती चाहता है; टकराव नहीं, समाधान चाहता है। कांग्रेस इसी रास्ते पर चल रही है और आगे भी युवाओं के अधिकार, रोजगार और सामाजिक न्याय की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ती रहेगी। उन्होंने अंत में कहा कि कांग्रेस का एजेंडा समाधान है, भाजपा का एजेंडा सिर्फ सियासत कर अपने पूर्व में किये गये पापो से ध्यान हटा कर अपनी राजनीती चमकाना भर है वह सिर्फ हेमंत सरकार की भर्तियो 6 वर्ष की सीबीआई से जाँच करने की मांग करती है और अपने घोटालो वाले भर्तियो के बारे में कुछ नही बोलती है । झारखंड का युवा समझदार है और वह दोनों के बीच का अंतर भली-भाँति जानता है।

उच्च न्यायालय ने अवमानना केस में स्कूली शिक्षा सचिव को जारी किया शो-कॉज नोटिस

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने अवमानना के एक मामले में कोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं किए जाने के मामले में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव को शो-कॉज नोटिस जारी किया है। मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत में हुई। दरअसल एकल पीठ में सचिव ने स्वयं उपस्थित होकर जेटेट कराने का आश्वासन दिया था। अदालत ने सचिव से पूछा है कि न्यायालय के निर्देश का अनुपालन नहीं करने के लिए उनके खिलाफ अवमानना का आरोप (चार्ज) क्यों नहीं तय किया जाए। इस मामले में पूर्व में उच्च न्यायालय ने तीन महीने के भीतर झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा(जेटीईटी) आयोजित करने का निर्देश दिया था। आरोप है कि निर्धारित अवधि में न्यायालय के आदेश के अनुरूप जेटीईटी परीक्षा आयोजित नहीं की गई। अदालत ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित सचिव से स्पष्टीकरण मांगा है। सचिव को यह बताना है कि कोर्ट के निर्देश के बावजूद निर्धारित समयसीमा में जेटीईटी परीक्षा आयोजित क्यों नहीं की गई और इसके लिए उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए।

एक नजर

सांप के डसने से महिला घायल

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र अंतर्गत पपलो पंचायत के ग्राम ललका पानी में बीती रात सांप डसने से एक महिला घायल हो गई । घायल महिला की पहचान 28 वर्षीय अनीता देवी पति राजू यादव ग्राम ललका पानी निवासी के रूप में किया गया। जानकारी के अनुसार अनीता देवी खेत में काम करके अपना घर लौट रही थी, इसी दौरान ठीक घर के बाहर झाड़ियों में छिपा जहरीला सांप(करैत) ने उसे डस लिया। सांप डसने से अनीता देवी घायल हो गईं। जानकारी मिलने पर मुखिया प्रतिनिधि संजु यादव, उनके परिजन व ग्रामीण तत्परता दिखाते हुए इलाज के लिए रात में ही समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मरकच्चो ले गये, जहाँ एंटी स्नैक लागाने वाला कोई चिकित्सक नही थे। तो अपना निजी वाहन से सदर अस्पताल कोडरमा ले गए जंहा एंटी स्नैक सुई दी गयी व चिकित्सकों के द्वारा इलाज किया जा रहा है।मालुम हो कि मरकच्चो समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे एंटी स्नैक सुई उपलब्ध है,परन्तु सुई को लगाने वाला कोई चिकित्सक नही रहने से सर्प दंश पीड़ित को सदर अस्पताल कोडरमा ले जाना पड़ा। इस दौरान सर्प दंश पीड़ित के साथ कोई भी अनहोनी घटना से इंकार नही किया जा सकता है।

ट्रेन की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत

डोमचांच : कोडरमा-गिरिडीह रेलखंड पर शुक्रवार दोपहर महेशपुर हॉल्ट के समीप ट्रेन की चपेट में आने से 70 वर्षीय बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान डोमचांच थाना क्षेत्र के तेतरयाडीह निवासी कैलाश पंडित (70), पिता स्व. लालो पंडित के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, कैलाश पंडित मानसिक रूप से अस्वस्थ थे। शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे वे साइकिल लेकर घर से निकले थे। महेशपुर हॉल्ट के पास साइकिल खड़ी करने के बाद वे रेल पटरी पार कर रहे थे। इसी दौरान वहां से गुजर रही पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही डोमचांच थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, कोडरमा भेजने की प्रक्रिया में जुटी है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। इधर, हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जगन्नाथ जैन महाविद्यालय और छात्र हित के मुद्दों पर कांग्रेस की प्रेस वार्ता आज

कोडरमा : जिला कांग्रेस कमेटी, कोडरमा के जिलाध्यक्ष प्रकाश रजक ने बताया कि जगन्नाथ जैन महाविद्यालय, कोडरमा को बचाने को लेकर चल रहे आंदोलन, छात्र-युवाओं की शिक्षा और भविष्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों के साथ-साथ जिला कांग्रेस संगठन को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर 08 अगस्त 2026 (शनिवार) को दोपहर 12 बजे परिसदन, कोडरमा में प्रेस वार्ता आयोजित की जाएगी। प्रकाश रजक ने कहा कि प्रेस वार्ता में जगन्नाथ जैन महाविद्यालय से जुड़े वर्तमान मुद्दों, छात्र-युवाओं के हितों, शिक्षा व्यवस्था से संबंधित विषयों और संगठनात्मक गतिविधियों पर जिला कांग्रेस कमेटी अपना पक्ष विस्तार से रखेगी।

कोडरमा के कॉलेजों को विनोबा भावे विश्वविद्यालय में ही रखने की मांग

विधायक डॉ. नीरा यादव ने फिर मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव ने एक बार फिर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर कोडरमा जिले के सभी महाविद्यालयों को पूर्ववत विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग से संबद्ध बनाए रखने की मांग दोहराई। इस दौरान बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव भी उनके साथ मौजूद रहे और दोनों विधायकों ने संयुक्त रूप से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर छात्रहित में आवश्यक कार्रवाई की मांग की। विधायक डॉ. नीरा यादव ने कहा कि कोडरमा जिले के महाविद्यालय वर्ष 1992 से विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग से संबद्ध हैं। वर्तमान में इन्हें नवस्थापित सर जेसी बोस विश्वविद्यालय, गिरिडीह से संबद्ध करने की प्रक्रिया चल रही है, जिससे जिले के हजारों छात्र-छात्राओं को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने बताया कि कोडरमा से हजारीबाग की दूरी लगभग 58 किलोमीटर है, जबकि गिरिडीह की दूरी 120 से 125 किलोमीटर है। ऐसे में विद्यार्थियों पर अतिरिक्त समय और आर्थिक बोझ पड़ेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि नई शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के चौथे वर्ष में विश्वविद्यालय स्तर पर अध्ययन और विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेना अनिवार्य है। विश्वविद्यालय की दूरी अधिक होने से विशेषकर ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होगी तथा ड्रॉपआउट की आशंका बढ़ सकती है। डॉ. नीरा यादव ने मुख्यमंत्री से छात्रहित में कोडरमा जिले के सभी महाविद्यालयों को पूर्ववत विनोबा भावे विश्वविद्यालय के अधीन ही रखने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को भी पत्र सौंपकर आवश्यक पहल करने की मांग की गई है। विधायक ने मुख्यमंत्री के समक्ष कोडरमा इंजीनियरिंग कॉलेज तथा सतगावां, मरकच्चो, डोमचांच और चंदवारा में वर्षों से भवन बनकर तैयार डिग्री कॉलेजों को शीघ्र शुरू कराने की मांग भी उठाई। साथ ही जिले में बढ़ती आपराधिक घटनाओं एवं अन्य जनसमस्याओं से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया। डॉ. नीरा यादव ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि राज्य सरकार विद्यार्थियों के हितों को सर्वोपरि रखते हुए सकारात्मक निर्णय लेगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि इस मामले का समाधान नहीं हुआ तो वे छात्रहित में सड़क से सदन तक संघर्ष करेंगी और आगामी विधानसभा सत्र में भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाएंगी। उन्होंने कहा कि छात्रों के हितों की रक्षा के लिए वे हर स्तर पर संघर्ष करने को तैयार हैं।

चार माह में टीबी मुक्त बनेगा कोडरमा हर सप्ताह लगेंगे स्क्रीनिंग कैंप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिले को अगले चार माह में टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य के साथ स्वास्थ्य विभाग ने अभियान तेज कर दिया है। शुक्रवार को जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. रमन कुमार की अध्यक्षता में आयोजित मासिक समीक्षा बैठक में कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों और कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

डॉ. रमन कुमार ने बताया कि राज्य सरकार ने कोडरमा को चार माह के भीतर टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य दिया है। इसके तहत प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर टीबी फोरम की बैठकें होंगी, इलाजरत मरीजों का गृह भ्रमण किया जाएगा तथा उनके संपर्क में आए लोगों की स्क्रीनिंग कर जरूरत के अनुसार टीपीटी दवा उपलब्ध कराई जाएगी। प्रत्येक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हर सप्ताह हैंडहेल्ड एक्स-रे से तीन टीबी स्क्रीनिंग शिविर भी आयोजित किए जाएंगे।

बैठक में ओपीडी से टीबी संदिग्ध मरीजों के कम रेफरल पर चिंता जताते हुए चिकित्सकों से बेहतर समन्वय बनाने का निर्देश दिया गया। सभी सहियाओं को प्रतिमाह कम-से-कम पांच टीबी संदिग्धों की पहचान कर बलगम जांच कराने का लक्ष्य दिया गया है। साथ ही नए मरीजों की निक्षय पोर्टल और यक्ष्मा आरोग्य मित्र ऐप पर समय पर प्रविष्टि सुनिश्चित करने को कहा गया।

जिला यक्ष्मा पदाधिकारी ने एचआईवी, शुगर, बीएमआई, जियो-टैगिंग समेत लंबित प्रविष्टियां 14 अगस्त तक पूरी करने का निर्देश दिया। निजी चिकित्सकों द्वारा टीबी मरीजों की कम नोटिफिकेशन पर भी नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर लंबित मामलों का निष्पादन कराने के निर्देश दिए गए।

कोडरमा में 8-9 अगस्त को सभी बूथों पर विशेष शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत जिले के सभी मतदान केंद्रों पर 8 एवं 9 अगस्त को विशेष शिविर लगाया जाएगा। शिविर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा, जहां मतदाता फॉर्म-6 एवं फॉर्म-8 भरकर नाम जोड़ने, स्थानांतरण और आवश्यक संशोधन का कार्य करा सकेंगे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने सभी पात्र नागरिकों से शिविर में भाग लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके अथवा 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष के होने वाले सामान्य निवासी भारतीय नागरिक फॉर्म-6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं।

उपायुक्त ने बताया कि जिन परिवारों के सदस्यों के नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों पर दर्ज हैं या जिनका मतदान केंद्र वर्तमान निवास से दूर है, वे फॉर्म-8 के माध्यम से सभी सदस्यों का नाम निकटवर्ती एक ही मतदान केंद्र में स्थानांतरित करा सकते हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है। किसी भी विदेशी नागरिक को इसमें भाग नहीं लेना चाहिए।

ऑनलाइन आवेदन के लिए मतदाता ईसीआईनेट ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए वोटर हेल्पलाइन 1950 पर संपर्क किया जा सकता है।

आकांक्षी प्रखंड के विकास सूचकांकों की हुई समीक्षा, लक्ष्य समय पर पूरा करने का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जयनगर (कोडरमा) : नीति आयोग के आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम (एबीपी) के तहत शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी ने की। इसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, सामाजिक विकास एवं आधारभूत संरचना से जुड़े प्रमुख विकास सूचकांकों की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि जयनगर नीति आयोग द्वारा चयनित आकांक्षी प्रखंड है। ऐसे में सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए तय समय-सीमा के भीतर विकास लक्ष्यों को पूरा करें। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का प्रभावी लाभ पहुंचाना और सेवा वितरण की गुणवत्ता में सुधार लाना है।

उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि अपने-अपने प्रमुख सूचकांकों की नियमित समीक्षा करें तथा जिन क्षेत्रों में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है, वहां विशेष कार्ययोजना बनाकर तेजी से काम करें। बैठक में विभिन्न विभागों के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. धर्मेंद्र कुमार, भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी टीनी इक्का, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी (शिक्षा) राधा सिंह, महिला पर्यवेक्षक अनिता कुमारी, अनुराधा तिर्की, आकांक्षी प्रखंड फेलो अशोक कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद थे।

बीआर इंटरनेशनल स्कूल में उत्साह के साथ मनाया गया ग्रीन डे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : बीआर इंटरनेशनल स्कूल, चाराडीह में ग्रीन डे का आयोजन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रकृति, हरियाली और पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत कराना तथा उनके अंदर पेड़-पौधों एवं प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था।

ग्रीन डे के अवसर पर विद्यालय का पूरा परिसर हरियाली के रंग में सजा हुआ दिखाई दिया। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने हरे रंग के परिधान पहनकर कार्यक्रम में भाग लिया। विद्यालय परिसर को हरे रंग के गुब्बारों, पत्तियों, पौधों, आकर्षक चित्रों और पर्यावरण से जुड़े संदेशों से सजाया गया, जिससे वातावरण मनमोहक बन गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों के लिए कई रचनात्मक और ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया। बच्चों ने हरे रंग से जुड़ी फल-सब्जियों, पेड़-पौधों और प्राकृतिक वस्तुओं की पहचान की। इसके अलावा चित्रकला, रंग भरने, पेपर क्राफ्ट, लीफ प्रिंटिंग सहित अन्य गतिविधियों में अपनी प्रतिभा दिखाई। छोटे बच्चों ने प्रकृति और हरियाली से संबंधित कविताएं, गीत एवं मनोरंजक प्रस्तुतियां भी दीं।

इस अवसर पर शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बताया कि पेड़-पौधे जीवन का आधार हैं। वे ऑक्सीजन, छाया, फल, फूल और स्वच्छ वातावरण प्रदान करते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने का प्रयास करना चाहिए। विद्यार्थियों को जल संरक्षण, स्वच्छता, प्लास्टिक के कम उपयोग और प्रदूषण रोकने के लिए भी प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने पेड़ लगाएं, पर्यावरण बचाएं, हरियाली है जीवन का आधार और गो ग्रीन, सेव अर्थ जैसे संदेशों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। बच्चों ने पौधों की देखभाल करने और अपने आसपास स्वच्छ एवं हरा-भरा वातावरण बनाए रखने का प्रण भी लिया।

विद्यालय के निदेशक ओपी राय ने कहा कि ग्रीन डे केवल हरे रंग को पहनने या पहचानने का दिन नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के प्रति अपने दायित्व को समझने का अवसर है। उन्होंने कहा कि बच्चों में छोटी उम्र से ही पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना आने वाली पीढ़ी के लिए बेहतर और सुरक्षित भविष्य निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

12 अगस्त को लगेगा साल का अंतिम सूर्य ग्रहण, रक्षाबंधन पर चंद्र ग्रहण का साया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : श्रावण कृष्ण अमावस्या यानी हरियाली अमावस्या के दिन 12 अगस्त 2026, बुधवार को वर्ष का दूसरा और अंतिम सूर्य ग्रहण लगेगा। ज्योतिषाचार्य पं. कुंतलेश पाण्डेय के अनुसार यह पूर्ण (खग्रास) सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। इसी कारण भारत में इसका सूतक काल मान्य नहीं होगा और पूजा-पाठ सहित सभी धार्मिक गतिविधियां सामान्य रूप से जारी रहेंगी।

पं. कुंतलेश पाण्डेय ने बताया कि अगस्त 2026 में केवल 15 दिनों के अंतराल में दो बड़े ग्रहण पड़ रहे हैं। पहला सूर्य ग्रहण 12 अगस्त को और दूसरा चंद्र ग्रहण 28 अगस्त, शुक्रवार को रक्षाबंधन के दिन लगेगा। राहत की बात यह है कि दोनों ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देंगे, इसलिए यहां इनका सूतक प्रभाव नहीं माना जाएगा।

उन्होंने बताया कि 12 अगस्त को लगने वाला सूर्य ग्रहण रात 9 बजकर 04 मिनट से शुरू होकर रात 1 बजकर 27 मिनट तक रहेगा। इसकी कुल अवधि करीब 4 घंटे 23 मिनट होगी। भारत में उस समय सूर्य अस्त हो चुका होगा,

इसलिए इसे यहां से देखा नहीं जा सकेगा।

पं. पाण्डेय के अनुसार सावन पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त सुबह 9 बजकर 09 मिनट से शुरू होकर 28 अगस्त सुबह 9 बजकर 48 मिनट तक रहेगी। उदयातिथि के आधार पर रक्षाबंधन 28 अगस्त को मनाया जाएगा। इसी दिन आंशिक चंद्र ग्रहण भी लगेगा, जो सुबह 6 बजकर 53 मिनट से दोपहर 12 बजकर 31 मिनट तक रहेगा। भारत में यह ग्रहण भी दिखाई नहीं देगा, इसलिए इसका सूतक मान्य नहीं होगा और रक्षाबंधन पर इसका कोई अशुभ प्रभाव नहीं माना जाएगा।

उन्होंने बताया कि रक्षाबंधन पर राखी बांधने का शुभ मुहूर्त 28 अगस्त सुबह 5 बजकर 57 मिनट से 9 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। इसके बाद राहुकाल सुबह 10 बजकर 13 मिनट से 11 बजकर 49 मिनट तक रहेगा, इसलिए इस अवधि में राखी बांधने से बचने की सलाह दी गई है। हालांकि राहुकाल को छोड़कर सूर्योदय के अनुसार बहनें दिनभर अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांध सकती हैं।

पं. कुंतलेश पाण्डेय ने बताया कि भद्रा 27 अगस्त सुबह 9 बजकर 10 मिनट से रात 9 बजकर 34 मिनट तक रहेगी। वहीं पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त सुबह 9 बजकर 09 मिनट से 28 अगस्त सुबह 9 बजकर 48 मिनट तक रहेगी। ऐसे में भद्रा 27 अगस्त की रात में ही समाप्त हो जाएगी और रक्षाबंधन पर इसका प्रभाव नहीं रहेगा।

उन्होंने बताया कि ग्रहण के समय कर्क राशि में सूर्य, चंद्रमा, बुध और उच्च राशि के बृहस्पति की विशेष स्थिति बनेगी। सूर्य केतु से ग्रसित होंगे। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार यह ग्रहण सभी 12 राशियों को प्रभावित करेगा।

संक्षिप्त खबरें

जनता दरबार में डीसी ने सुनीं फरियादें त्वरित कार्रवाई के निर्देश

कोडरमा : समाहरणालय में शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान भूमि विवाद, सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने, दाखिल-खारिज, पेंशन, आवास योजना, बिजली आपूर्ति, राशन कार्ड समेत जनहित से जुड़े कई आवेदन और शिकायतें प्राप्त हुईं। उपायुक्त ने सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को जांच कर नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आम लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। साथ ही अधिकारियों को लंबित मामलों की नियमित समीक्षा कर उनका जल्द निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया।

अब प्रमाण पत्र के लिए नहीं लगानी पड़ेगी अंचल की दौड़, गांव में ही मिला समाधान

जयनगर : ग्रामीणों को सरकारी प्रमाण पत्र के लिए अंचल कार्यालय के चक्कर लगाने से राहत देने की दिशा में जयनगर अंचल प्रशासन ने शुक्रवार को पंचायत स्तर पर विशेष शिविर आयोजित किए। नईटांड पंचायत के मसौंधा, खरीयोडीह पंचायत के गडियाई तथा तमाय पंचायत में लगाए गए कैंप में ग्रामीणों को जाति, आय एवं स्थानीय निवास प्रमाण पत्र तैयार कर वितरित किए गए। अंचल प्रशासन की इस पहल से ग्रामीणों को अपने गांव में ही आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने की सुविधा मिली। प्रमाण पत्र बनवाने के लिए बार-बार प्रखंड एवं अंचल कार्यालय आने-जाने की परेशानी से भी लोगों को राहत मिली। अंचल अधिकारी सारांश जैन के नेतृत्व में राजस्व उप निरीक्षक रामदेव हांसदा, कर्मचारी सनोज कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर समेत अन्य कर्मियों ने शिविर में आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर लाभुकों को प्रमाण पत्र सौंपे। तमाय पंचायत के उप मुखिया समसुल अंसारी समेत कई जनप्रतिनिधि और ग्रामीण भी मौके पर मौजूद रहे। अंचल अधिकारी सारांश जैन ने कहा कि पंचायत स्तर पर विशेष कैंप लगाने का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को सरल और समयबद्ध तरीके से जरूरी प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना है। इससे सरकारी योजनाओं, छात्रवृत्ति, शिक्षा और रोजगार संबंधी कार्यों में ग्रामीणों को प्रमाण पत्र के लिए अनावश्यक परेशानी नहीं उठानी पड़ेगी। गांव में ही प्रमाण पत्र मिलने से लाभुकों ने अंचल प्रशासन की पहल की सराहना की और इसे ग्रामीणों के लिए सुविधाजनक कदम बताया।

कोडरमा के कॉलेजों को वीबीयू से अलग करने के विरोध में अभाविप का तीन दिवसीय धरना शुरू

झुमरी तिलैया : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) कोडरमा जिला इकाई ने छात्रहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर शुक्रवार से जे. जे. कॉलेज परिसर में तीन दिवसीय धरना-प्रदर्शन शुरू किया। परिषद ने कोडरमा जिले के महाविद्यालयों को विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग से अलग कर सर जे. सी. बोस विश्वविद्यालय, गिरिडीह से संबद्ध करने के प्रस्ताव का विरोध किया। साथ ही झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं पर भी नाराजगी जताई। नगर मंत्री सुधांशु यादव ने कहा कि कोडरमा से हजारीबाग की दूरी करीब 55 किलोमीटर है, जबकि गिरिडीह लगभग 120 किलोमीटर दूर है। ऐसे में नामांकन, परीक्षा, प्रमाण-पत्र एवं अन्य विश्वविद्यालय संबंधी कार्यों के लिए विद्यार्थियों को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इससे समय और आर्थिक बोझ दोनों बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि अभाविप इस मुद्दे पर पहले भी ज्ञापन और धरना-प्रदर्शन कर चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है। उपाध्यक्ष रोशन कुमार ने कहा कि खढरउ सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक और अनियमितताओं से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने सभी मामलों की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। परिषद ने कहा कि परीक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और तकनीकी रूप से सुरक्षित बनाने के लिए उच्चस्तरीय समिति को सुझाव भी सौंपे जाएंगे। पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पप्पू कुमार ने कहा कि यदि सरकार शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से और व्यापक किया जाएगा। धरना-प्रदर्शन में विनीत सिंह, अंकुश कुमार, राज कुमार, राज गुरु, लक्ष्मीकांत तिवारी, अजय कुमार, प्रीतम कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चंदवारा से बाबा बैद्यनाथ धाम के लिए 60 कांवरियों का जत्था रवाना

चंदवारा : धार्मिक आस्था और भक्ति के माहौल के बीच चंदवारा स्थित बजरंगबली चौक से लगभग 60 कांवरियों के जत्थे को बाबा बैद्यनाथ धाम (देवघर) की पावन यात्रा के लिए श्रद्धापूर्वक विदा किया गया। यह जत्था सुल्तानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा का पवित्र जल भरकर बाबा बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक के लिए रवाना हुआ है। कांवरियों को रवाना करने के अवसर पर बजरंग दल विभाग संयोजक राजू यादव, सांसद प्रतिनिधि प्रवीण कुमार उर्फ बंटी मोदी, विधायक प्रतिनिधि लक्ष्मण प्रसाद यादव, जिला परिषद सदस्य नीतू यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष नंदकिशोर सोनी,बबलू सोनी एवं मुरली मोदी मुख्य रूप से मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने भगवान शिव के जयकारों के बीच कांवरियों पर पुष्प वर्षा की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। रवानगी के दौरान पूरा क्षेत्र ₹हर-हर महादेव₹ और ₹बोल बम₹ के नारों से गुंजायमान हो उठा। जनप्रतिनिधियों ने देवाधिदेव महादेव से सभी शिवभक्तों की यात्रा के सुरक्षित, सुखद और मंगलमय होने की प्रार्थना की।

एक नजर

बस और मोटरसाइकिल की भिड़ंत में बाइक सवार युवक की मौत

खूंटी : मुरहू थाना क्षेत्र में रांची-चाईबासा राष्ट्रीय राजमार्ग-20 पर शुक्रवार दोपहर हुए एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। दुर्घटना मुरहू पेट्रोल पंप के समीप करीब दो बजे हुई। मृतक की पहचान प्रीतम अहीर के रूप में की गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक यात्री बस मुरहू से रांची की ओर जा रही थी। इसी दौरान पेट्रोल पंप के पास सामने से आ रही बाइक और बस के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार प्रीतम अहीर गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। घटना की सूचना मिलते ही मुरहू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल खूंटी सदर अस्पताल भेजा गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बस को जब्त कर चालक से पूछताछ शुरू कर दी है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

परिजनों ने बताया कि प्रीतम अपने परिवार के सदस्यों को बाइक से मुरहू छोड़ने आए थे। घर लौटने के दौरान वह इस हादसे का शिकार हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे। युवक की असामयिक मौत से बलंगा बाड़ीडीह गांव में शोक का माहौल है। कुदा पंचायत के मुखिया अमर मुंडू ने मृतक के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए प्रशासन से आश्रितों को उचित मुआवजा एवं सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। इधर, इस दुर्घटना के बाद एक बार फिर एनएच-20 पर सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। उन्होंने प्रशासन से दुर्घटना संभावित स्थलों पर चेतावनी संकेतक, गति नियंत्रण के उपाय और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाएं मजबूत करने की मांग की है।

सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत एक गंभीर

दुमका : जिला के हंसडीहा थाना क्षेत्र के दुमका-भागलपुर मुख्य पथ पर कुरमाहाट के समीप गुरुवार की देर रात हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल होकर जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। मृतक की पहचान रामगढ़ प्रखंड के तालझारी गांव निवासी रोहित दास (40) के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक पुतुल तत्वा (35) हंसडीहा थाना क्षेत्र के सरसा गांव का निवासी है। जानकारी के अनुसार रोहित दास कुरमाहाट साप्ताहिक हाट से खरीदारी कर बाइक से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही पुतुल तत्वा की बाइक से उनकी आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

हस्तकरघा भारत की संस्कृति, परंपरा और आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक : राज्यपाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज जमशेदपुर स्थित नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल उपाधि प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि जीवन की एक नई यात्रा का प्रारंभ है। राज्यपाल महोदय ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का नाम महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के नाम पर स्थापित है। नेताजी अदम्य साहस, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति एवं दूरदर्शी नेतृत्व के प्रतीक थे। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे नेताजी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा राष्ट्रहित को सदैव सर्वोपरि रखें। उन्होंने यह भी अपेक्षा व्यक्त की कि विश्वविद्यालय अपने शैक्षणिक एवं संस्थागत कार्यकलापों में भी नेताजी के आदर्शों एवं सिद्धांतों का अनुसरण करेगा।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड युवा शक्ति, प्राकृतिक संसाधनों तथा समृद्ध जनजातीय एवं सांस्कृतिक विरासत से सम्पन्न राज्य है। यहाँ के युवाओं में प्रतिभा एवं क्षमता की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, नवाचार एवं उचित अवसर उपलब्ध कराने की है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी राज्य के युवाओं को ऐसी शिक्षा प्रदान करेगी, जिससे वे राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर सकें।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारतीय शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा प्रदान कर रही है। यह नीति बहुविषयक शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा रोजगारोन्मुख शिक्षा को प्रोत्साहित करती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को विद्यार्थियों को केवल रोजगार प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि नवाचार, उद्यमिता एवं रोजगार सृजन के लिए भी तैयार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक), डिजिटल प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप, अनुसंधान एवं नवाचार का युग है। विश्वविद्यालयों को ज्ञान के साथ-साथ शोध, उद्योग-जगत से समन्वय तथा उद्यमिता को भी बढ़ावा देना होगा। साथ ही शिक्षा का उद्देश्य चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों, संवेदनशीलता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास भी होना चाहिए। राज्यपाल महोदय ने निजी विश्वविद्यालयों से शिक्षा की गुणवत्ता, अनुसंधान, नवाचार, उत्कृष्ट शिक्षकों की उपलब्धता तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी निजी विश्वविद्यालय वत्क्ष्ठ एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मानकों का पूर्ण अनुपालन करते हुए उत्कृष्टता के नए प्रतिमान स्थापित करें तथा छात्रहित को सदैव सर्वोपरि रखें। राज्यपाल महोदय ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे ज्ञान, विनम्रता, अनुशासन एवं सेवा-भाव को अपने व्यक्तित्व की पहचान बनाएँ। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जहाँ भी जाएँ, अपने माता-पिता, शिक्षकों, विश्वविद्यालय तथा झारखण्ड का नाम गौरवान्वित करें।

विज्ञान एवं गणित शिक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

पटमदा : विद्यालय के विज्ञान एवं गणित विषय के शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धति एवं एस टी ई एम आधारित शिक्षा को प्रभावी ढंग से लागू करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. मिथिलेश कुमार ने कहा कि प्रशिक्षित शिक्षक प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान एवं एस टी ई एम तकनीकों का उपयोग विद्यार्थियों के बीच प्रभावी ढंग से करेंगे। इससे विद्यार्थियों को शिक्षा के बेहतर उपयोग एवं समझ विकसित करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से विद्यार्थियों में विज्ञान एवं गणित के प्रति रुचि, समझ, तार्किक सोच तथा समस्या-समाधान की क्षमता विकसित होगी। शिक्षक गतिविधि आधारित एवं व्यावहारिक शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को विज्ञान एवं गणित को दैनिक जीवन से जोड़कर समझने के लिए प्रेरित करेंगे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
जलपथ प्रमंडल सं0–2, हजारीबाग।
पत्रांक 238 हजारीबाग / दिनांक ....07 / 08..... / 2026
कार्यालय आदेश

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित निविदा सं0– 05 / 2026–27 (P.R. No.-374672) को अपरिहार्य कारणवश रद्द किया जाता है।

ह0–
कार्यपालक अभियंता,
जलपथ प्रमंडल सं0–2, हजारीबाग।

PR 386948 Drinking Water and Sanitation(26-27)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
लघु सिंचाई प्रमण्डल, लोहरदगा
(E -MAIL ID – midloh632@gamail.com)

पत्रांक .... / लोहरदगा, दिनांक................................ /

शुद्धि पत्र

PR NO. 386121 Lohardaga(26-27).D के द्वारा प्रकाशित इस कार्यालय के अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या MID/LOHARDAGA/F2-40/2026-27 के बदले अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या MID/LOHARDAGA/F2-06/2026-27 पढ़ा जाय। साथ ही अपरिहार्य कारणों से तिथि निम्न प्रकार संशोधित किया जाता है :–

परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि	दिनांक 18.08.2026 से 19.08.2026 तक। (कार्यालय अवधि में)
निविदा प्राप्त करने की तिथि एवं समय	दिनांक 20.08.2026 अपराह्न 2:00 बजे तक।
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 20.08.2026 अपराह्न 4:00 बजे।

निविदा सूचना की शेष शर्तें यथावत् रहेगा।

कार्यपालक अभियंता,
PR 386937 Lohardaga (26-27)_D लघु सिंचाई प्रमण्डल, लोहरदगा

नव मतदाताओं को जोड़ने के लिए जिलेभर में जागरूकता अभियान तेज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला-खरसावां : भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR-2026) कार्यक्रम के तहत सरायकेला-खरसावां जिले में 5 अगस्त से नव मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र युवाओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।

निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अनुमंडल पदाधिकारी सरायकेला अभिनव प्रकाश के नेतृत्व में राजनगर प्रखंड सहित विभिन्न क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा सरायकेला क्षेत्र के कई विद्यालयों में विद्यार्थियों एवं पात्र युवाओं को मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, मतदान के महत्व तथा लोकतंत्र में मतदाता की भूमिका की जानकारी दी गई। साथ ही 18 वर्ष अथवा निर्धारित अर्हता तिथि तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी पात्र युवाओं से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की अपील की गई। इसी क्रम में जिला उप निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी पारुल सिंह के नेतृत्व में आदित्यपुर, गम्हरिया और सरायकेला क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में भी मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के उद्देश्य, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया तथा मतदान के महत्व से अवगत कराया गया। हेल्प डेस्क मैनेजर द्वारा जिले के विभिन्न बूथों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, प्रशिक्षण संस्थानों, औद्योगिक इकाइयों और अन्य स्थानों पर चुनावी पाठशाला, शपथ ग्रहण, प्रश्नोत्तरी, निबंध, चित्रांकन तथा संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में पात्र युवाओं को ECINET App के माध्यम से प्रपत्र-6, प्रपत्र-7 एवं प्रपत्र-8 भरकर ऑनलाइन आवेदन करने की प्रक्रिया भी समझाई जा रही है। साथ ही मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने, संशोधन कराने तथा परिवार के सभी पात्र सदस्यों का नाम एक ही मतदान केंद्र पर दर्ज कराने संबंधी जानकारी भी दी जा रही है।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त नितिश कुमार सिंह ने सभी पात्र नागरिकों, विशेषकर पहली बार मतदान करने वाले युवाओं से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का लाभ उठाते हुए समय पर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती प्रत्येक पात्र नागरिक की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है और प्रत्येक युवा को एक जागरूक एवं जिम्मेदार मतदाता के रूप में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

बंद घर से नकदी सहित 2.50 लाख के जेवरात की चोरी

पलामू: जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र के बलरा गांव में एक घर में चोरी की घटना सामने आई है। पीड़ित दिलरंजन कुमार सिंह ने शुक्रवार को हरिहरगंज पुनि सह थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर अज्ञात चोरों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। आवेदन के अनुसार, 06 अगस्त की रात अज्ञात चोर घर के मेन गेट का ताला तोड़कर अंदर घुस गए और अलमारी और बक्से में रखे सोने-चांदी के जेवरात, नकदी सहित अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए।

कार्यालय,
विद्युत कार्यपालक अभियंता
विद्युत कार्यप्रमंडल, इन्जीनियर्स हॉस्टल,धुर्वा,रॉची

अति अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट सूचना

ई–निविदा प्रसंग सं0– Energy/EWD/Ranchi/30/2026-27 दिनांक–07 / 08 / 2026

क्रम0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
I	धुर्वा रॉची स्थित अभियन्त्रण छात्रावास सं0–1, एवं 2, टी0 ए0 डिविजन एवं राजस्व पर्षद भवन में अधिष्ठापित विद्युतीय उपकरण यथा पंखा, गेट लाईट, गार्डेन लाईट, स्ट्रीट लाईट भूमिगत केबल इत्यादि के वार्षिक सम्पोषण का कार्य।	19,64,300=00	5,000=00	40,000=00	एक वर्ष
II	स्मार्ट सिटी, धुर्वा रॉची स्थित 11 अदद् मंत्री बंगला में अधिष्ठापित वातानुकूलित संयंत्र के वार्षिक सम्पोषण का कार्य।	26,22,238=00	5,000=00	54,000=00	एक वर्ष
2.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	17.08.2026			
3.	निविदा जमा करने की तिथि	18.08.2026 के 10.30 बजे पूर्वाह्न से 24.08.2026 के 2.00 बजे अपराह्न तक			
4.	निविदा खोलने की तिथि	25.08.2026 को 4.00 बजे अपराह्न में			
5.	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉची।			
6.	निविदा खोलने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता	विद्युत कार्यपालक अभियन्ता, विद्युत कार्य प्रमण्डल, रॉची।			
7.	ई प्रोक्युरमेन्ट प्रकोष्ट का फोन नं0 / ई0 मेल	0651–2490069 / electricalexecutiveengineerewd@gmail.com			

Note :- Tender Fee and Earnest Money Deposit (EMD) are to be paid through online mode only as per instruction of IT Dept. Govt. of Jharkhand Letter no.-120 Dated- 03-10-2023.
निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in मे देखा जा सकता है।

विद्युत कार्यपालक अभियन्ता
विद्युत कार्य प्रमण्डल,रॉची
PR 386887 Energy(26-27).D

एसआईआर: ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में विसंगतियों पर एक्शन, 1.92 लाख मतदाताओं को नोटिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड में एसआईआर के अगले चरण में अब एक-दो दिनों में वैसे मतदाताओं को नोटिस भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी जिनका नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल तो है लेकिन उसमें किसी प्रकार की विसंगति है। साहिबगंज जिले में ऐसे लोगों की संख्या एक लाख 92 हजार 89 है। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में कुल सात लाख 44 हजार 354 मतदाताओं का नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल किया गया है।राजमहल विधानसभा क्षेत्र में तीन लाख 22 हजार 114 मतदाता हैं। इनमें 64 हजार 84 मतदाताओं के फार्म में गड़बड़ी है। 7708 वोटरों की मैपिंग नहीं हुई है तथा 1939 का डीएसई (डेमोग्राफिक सिमलर इंट्री) पेंडिंग है। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र में राजमहल विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 73731 लोगों को नोटिस भेजा जाएगा। बोरियो के 68256 तथा बरहेट के 50102 मतदाताओं को नोटिस भेजा जाएगा। गौरतलब हो कि जिले में मतदाताओं की कुल संख्या आठ लाख 72 हजार 148 थी जिनमें से एक लाख 27 हजार 794 मतदाताओं का नाम कट चुका है। शेष सात लाख 44 हजार 354 मतदाताओं में से एक लाख 92 हजार 89 मतदाताओं को नोटिस भेजा जाएगा। आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने वालों का नाम रहेगा वरना उसे भी काट दिया जाएगा।

कहां कितने मतदाताओं को भेजा जाएगा नोटिस

विधानसभा क्षेत्र	कुल मतदाता
राजमहल	3,22,114
बोरियो	2,33,759
बरहेट	1,88,481
कुल	7,44,354....है।

सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत, एक गंभीर

दुमका : जिला के हंसडीहा थाना क्षेत्र के दुमका-भागलपुर मुख्य पथ पर कुरमाहाट के समीप गुरुवार की देर रात हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल होकर जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है।

आज और कल जिले के सभी बूथों पर लगेगा मतदाता विशेष शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला-खरसावां : भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)-2026 के तहत 8 एवं 9 अगस्त को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा, जहां पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन एवं स्थानांतरण के लिए आवेदन कर सकेंगे।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त नितिश कुमार सिंह ने जिलेवासियों से अपील की है कि जिन भारतीय नागरिकों की आयु 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष या उससे अधिक हो जाएगी और जिनका नाम अब तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे फॉर्म-6 एवं घोषणा-पत्र भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराएं।

उन्होंने बताया कि जिन मतदाताओं के परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों पर दर्ज हैं अथवा जो पूरे परिवार का नाम एक ही मतदान केंद्र पर दर्ज कराना चाहते हैं, वे फॉर्म-8 के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा मतदाता विवरण या मतदान केंद्र में किसी प्रकार के संशोधन के लिए भी फॉर्म-8 का उपयोग किया जा सकता है।

उपायुक्त ने बताया कि आवेदन संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के माध्यम से मतदान केंद्र पर जमा किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त नागरिक ECINET App तथा voters.eci.gov.inपोर्टल के माध्यम से भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)-2026 की प्रक्रिया केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है। उन्होंने सभी पात्र मतदाताओं से निर्धारित तिथियों पर अपने निकटतम मतदान केंद्र पहुंचकर शिविर का लाभ उठाने तथा अन्य पात्र नागरिकों को भी जागरूक करने की अपील की। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों, सेक्टर पदाधिकारियों एवं बूथ लेवल अधिकारियों को निर्देश दिया है कि विशेष शिविर के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदाता सूची में नाम जोड़ने एवं संशोधन की सुविधा सुगमता से उपलब्ध हो सके।

व्यवहार न्यायालय, खूँटी

विज्ञापन संख्या : 02 / 2026

1. व्यवहार न्यायालय, खूँटी में रिक्त पदों पर सीधी नियुक्ति हेतु योग्य उम्मीदवारों से विहित पत्र में स्वहस्तलिखित आवेदन आमंत्रित किये जाते है।
2. रिक्तियों की विवरणी निम्नांकित है:–

कम संख्या	पदनाम	रिक्त पदों की संख्या (श्रेणी अनुसार)						
		सामान्य	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	पिछड़ा वर्ग	अत्यंत पिछड़ा वर्ग	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग(Ews)	कुल रिक्त पद
1	अनुसेवक / आदेषपाल / पिउन	03	00	2	00	00	00	05
2	दफ्तरी	01	0	0	0	0	0	01
3	ड्राइवर	01	00	0	00	0	0	01

3. शैक्षणिक योग्यता एवं वेतनमानः– पदों की शैक्षणिक योग्यता एवं वेतनमान निम्न है :–

कम संख्या	पदनाम	वेतनमान	योग्यता	भर्ती का तरीका
1	अनुसेवक / आदेषपाल / पिउन	18,000–56,900 / –लेवल–1	दसवीं (मैट्रिक) उत्तीर्ण या समकक्ष	स्क्रीनिंग टेस्ट एवं साक्षात्कार
2	दफ्तरी	18,000–56,900 / –लेवल–1	दसवीं (मैट्रिक) उत्तीर्ण या समकक्ष	कौशल परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर सीधी भर्ती।
3	ड्राइवर	19,900–63,200 / –लेवल–2	मैट्रिक अथवा समकक्ष तथा हल्के मोटर वाहन के ड्राइविंग लाइसेंस के साथ।	ड्राइविंग नियमों में वर्णित स्क्रीनिंग टेस्ट के आधार पर सीधी भर्ती।एवं साक्षात्कार

4. उम्मीदवार भारत का नागरिक हो, मानसिक, शारीरिक रूप से स्वस्थ हो, नैतिक चरित्र अच्छा हो एवं किसी आपराधिक आचरण वाले किसी मामले में वांछित या सजायाफ्ता न हो तथा विवाहित होने की स्थिति में उनका एक से अधिक जीवित पत्नी / पति न हो।
5. अनुसूचित जाति / जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग (PwD) एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग; (EWS) हेतु झारखण्ड सरकार द्वारा मान्य एव निर्धारित अद्यतन आरक्षण नियम लागू होंगे। आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार का आरक्षण सम्बन्धी प्रमाण पत्र सक्षम पदाधिकारी द्वारा निर्गत होना चाहिए।
6. सरकारी नियमानुसार पद आरक्षित है। महिला, दिव्यांग एवं खेल–कूद कोटा के सन्दर्भ में नियमानुसार क्षैतिज आरक्षण का लाभ मान्य होगा।
7. उपरोक्त पदों पर उम्मीदवारों की उम्र सीमा दिनांक 01 / 08 / 2026 को कम से कम 18 वर्ष तथा सामान्य जाति के लिए अधिकतम 35 वर्ष, पिछड़ा जाति / अत्यंत पिछड़ी जाति के लिए अधिकतम 37 वर्ष, महिलाओं के लिए अधिकतम 38 वर्ष तथा अनुसूचित जाति / जनजाति (पुरूष / महिला) के लिए अधिकतम 40 वर्ष होनी चाहिए (उम्मीदवारों की उम्र सीमा एवं आरक्षण की सुविधा झारखण्ड राज्य द्वारा निर्धारित नियमावली के अनुसार होगी तथा आवेदक की सेवा शर्ते व्यवहार न्यायालय नियमावली के अनुसार होगी)।
8. अपनी उम्र, शैक्षणिक तथा वांछित योग्यता से सम्बंधित प्रमाण पत्र की स्वअभिप्रमाणित प्रति एवं आरक्षित वर्ग के आवेदक आरक्षण से सम्बंधित प्रमाण पत्र की स्वअभिप्रमाणित प्रति आवेदन के साथ अवश्य संलग्न करें।
9. उम्मीदवार अपना स्वहस्तलिखित आवेदन पत्र एवं प्रवेश पत्र देवनागरी लिपि में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, खूँटी को सम्बोधित करते हुए विहित प्रारूप में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 10 / 09 / 2026 के अंदर तक सिर्फ निबंधित डाक / स्पीड पोस्ट द्वारा कार्य दिवस को प्रातः 10:30 बजे से शाम 05:00 बजे तक भेज सकते है। उपरोक्त तिथि के उपरांत प्राप्त होने वाले आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे।
10. आवेदक, आवेदन पत्र के साथ 3 अद्यतन पासपोर्ट साइज का फोटोग्राफ संलग्न करें, जिसमें एक आवेदन पत्र पर, दूसरा प्रवेश पत्र पर सटा रहना चाहिए एवं तीसरा अतिरिक्त होगा। स्व पता लिखा लिफाफा 25 से.मि. X 11 से.मि. (प्रवेश पत्र पर निर्गत करने हेतु) जिसपर 40 / – रूपये का डाक टिकट सटा हुआ हो, आवेदन पत्र के साथ संलग्न हो।
11. महत्वपूर्ण निर्देश :–
1. आवेदन पत्र के प्रपत्र क एवं ख के प्रारूप को पृथक पन्नों में आवेदन के साथ संलग्न करें। प्रपत्र क के प्रारूप को हिंदी में भरें जो स्वहस्तलिखित एवं स्वहस्ताक्षरित हो। आवेदक प्रपत्र ख को स्वहस्तलिखित प्रति में आवेदन के साथ संलग्न करें। प्रपत्र ख की कंडिका 4 एवं 5 को छोड़ कर अन्य कण्डिकाएं आवेदक स्वयं भरें। आवेदन पत्र का प्रारूप व्यवहार न्यायालय, खूँटी की वेबसाइट– https://khunti.dcourts.gov.in/ से भी डाउनलोड किया जा सकता है।
2. आवेदक को व्यवहार न्यायालय, खूँटी में आवेदन पत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक वांछित शैक्षणिक योग्यता प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
3. उम्मीदवार एवं आवेदन पत्र पर केवल एक ही पद के लिए आवेदन कर सकते है।
4. उपरोक्त वांछित सूचनाएं किसी प्रकार से अपूर्ण होने पर अथवा वांछित प्रमाण पत्र संलग्न नहीं होने पर अथवा वांछित प्रमाण पत्र संलग्न नहीं रहने पर उम्मीदवार का आवेदन किसी भी समय रद्द कर दिया जायेगा और तत्सम्बन्धी किसी भी प्रकार का पत्राचार अमान्य होगा।
5. आवेदक का प्रवेश पत्र, जिसमे परीक्षा / साक्षात्कार का स्थान एवं तिथि अंकित होगी, उनके दर्शाये गए पते पर डाक द्वारा भेजा जायेगा।
6. उम्मीदवार द्वारा नियुक्ति प्रक्रिया को किसी भी रूप से प्रभावित करने के प्रयास को उनकी अयोग्यता मानते हुए उनकी अभ्यर्थिता तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी जाएगी।
7. लिफाफे के ऊपर विज्ञापन संख्या, आवेदित पद का नाम एवं श्रेणी बड़े–बड़े एवं साफ अक्षरों में लिखा जाना आवश्यक है।
8. वर्तमान विज्ञापन में किसी भी प्रकार का संशोधन अथवा निरस्तीकरण का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।
9. परीक्षा / साक्षत्कार के लिए बुलाये जाने पर कोई मार्ग व्यय देय नहीं होगा।
10. उपरोक्त पदों की संख्या घट बढ़ सकती है।
11. आवेदन भेजने का पता (निबंधित डाक / स्पीड पोस्ट या हाथों हाथ)

सेवा में,
प्रभारी न्यायाधीश,
व्यवहार न्यायालय, खूँटी पिन कोड– 835210

Sd/-
प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश,
व्यवहार न्यायालय, खूँटी

PR 386890 (Law)26-27*D

नशे के विरुद्ध एक अभियान

देश को नक्सलवाद-माओवाद के आतंक से मुक्ति दिलाने के बाद केंद्र सरकार ने दो नये अहम अभियान प्रारंभ किये हैं- पहला, भारत को घुसपैठियों से मुक्त करना और दूसरा, युवाओं को नशे की लत से मुक्ति दिलाना। भारत के किशोरों तथा युवाओं को हर प्रकार के नशे से मुक्ति दिलाने के लिए 2 अगस्त को प्रधानमंत्री मोदी ने "नशा मुक्त युवा, विकसित भारत संकल्प अभियान" का प्रारंभ करते हुए वीडियो संदेश जारी किया है। अपने सन्देश में प्रधानमंत्री ने कहा कि जो युवा नशे से लड़कर बाहर निकलते हैं वे कमजोर नहीं बल्कि असली योद्धा होते हैं। समाज को उनका सम्मान करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं ताकि भारत कभी भी एक सशक्त एवं विकसित देश के रूप में स्थापित न हो सके। इस साजिश को हम सबको मिलकर नाकाम करना होगा। विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब देश का युवा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होने के साथ नशे से भी दूर रहेगा। अगले 100 सप्ताह तक हर रविवार को कला, संस्कृति, खेल और अन्य गतिविधियों के माध्यम से नशामुक्ति का संदेश देशभर में पहुंचाया जाएगा। नशे की लत युवाओं के सपनों और परिवार दोनों को ही तोड़ देती है। नशा केवल व्यक्ति या परिवार को नहीं बल्कि राष्ट्र की ताकत को भी कमजोर करता है। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना और उन्हें अपने समाज में बदलाव लाने के लिए आगे बढ़ाना है। प्रत्येक रविवार को देशभर में अलग-अलग कार्यक्रम होंगे जिसमें वॉकाथन और दौड़, खेल प्रतियोगिताएं, योग और ध्यान सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, नशा विरोधी जागरूकता अभियान, चर्चा और संवाद कार्यक्रम, पेंटिंग्स व आर्ट्स प्रतियोगिताएं तथा सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। यह अभियन 125 से अधिक आध्यात्मिक, सामाजिक तथा सरकारी संगठनों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। ब्रहमकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, आर्ट ऑफ लिविंग, गायत्री परिवार, इस्कॉन से लेकर माता अमृतानंदमयी मठ जैसे संगठन इस अभियान से जुड़ कर कार्य कर रहे हैं। विश्व हिंदू परिषद् पहले से व्यापक स्तर पर नशामुक्ति अभियान चला रहा है। युवाओं में नशे के विरुद्ध जागरूकता लाने के साथ ही गृहमंत्री अमित शाह ने भी नशे की जड़ों पर प्रहार करने का युद्ध छेड़ रखा है। ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। तस्करी करके बड़ी मात्रा में विदेशों से आने वाली ड्रग्स की जब्ती बंदरगाहों तथा एयरपोर्ट्स की जा रही है और उसे नष्ट किया जा रहा है। वर्ष 2021 में 2988 किलो हेरोइन, 2022 में 927 किलो गांजा, 2023 में 122 किलो मेफेड्रोन, 2024 में 770 किलो मेथाफाटेमाइन और 2026 में फिर 522 किलो गांजा बरामद किया जा चुका है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अनुसार 2020 से मई 2025 तक तक 116 बड़े मामलों में कार्रवाई करते हुए 1,09,318 किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं और उनको नष्ट किया गया है। वर्तमान समय में नशे का सबसे बड़ा केन्द्र पंजाब तथा पूर्वोत्तर के कई छोटे राज्य हैं। विदेशी आतंकी संगठनों द्वारा जम्मू-कश्मीर व पूर्वोत्तर के युवाओं को नशे की लत में धकेलने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। अपने कुत्सित प्रयासों को सफल बनाने के लिये ये लोग स्थानीय स्तर के अपराधियों व बिगड़ैल युवाओं का सहारा लेते हैं। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब में नशे के संकट पर चिंता जताते हुए कहा था कि नशा राज्य के अस्तित्व पर खतरा बन सकता है।संगठित गिरोहों की जांच में पुलिस प्रशासन के साथ ही अदालत को भी सतर्क रहना होगा। भारत में ड्रग्स की खेप कई रास्तों से आती है। बांग्लादेश-पाकिस्तान तथा नेपाल सीमा से ड्रग्स आसानी से आ-जा रहा है। गुजरात के समुद्री तट से भी नशे का कारोबार कंटेनर और समुद्री मार्ग से चलता आ रहा है। हालांकि, सरकार के प्रयासों से कुछ रोकथाम हुई है किंतु खतरा बरकरार है।

ढाका की राजनीति और भारत-बांग्लादेश संबंधों की नई परीक्षा

ललित गर्ग

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा दिसंबर 2026 में स्वदेश लौटने की घोषणा केवल एक राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की बदलती भू-राजनीति, लोकतांत्रिक मूल्यों और भारत-बांग्लादेश संबंधों की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम बन गया है। जिस समय बांग्लादेश की राजनीति सत्ता परिवर्तन, वैचारिक ध्रुवीकरण और संस्थागत अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, उसी समय शेख हसीना ने यह घोषणा कर राजनीतिक विमर्श को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। उनका यह कहना कि "गिरफ्तारी, जेल या मृत्यु का भय भी उन्हें अपने देश लौटने से नहीं रोक सकता", उनके समर्थकों के लिए भावनात्मक आह्वान है तो विरोधियों के लिए एक बड़ी राजनीतिक चुनौती। बांग्लादेश में पिछले वर्ष सत्ता परिवर्तन के बाद जो राजनीतिक वातावरण बना, उसमें लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और राजनीतिक सहिष्णुता पर लगातार प्रश्न उठते रहे हैं। बांग्लादेश में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा शेख हसीना के विरुद्ध सुनाया गया फैसला और उसके बाद उनके समर्थकों पर बढ़ती कार्रवाइयों ने यह संकेत दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा धीरे-धीरे प्रतिशोध की राजनीति में बदलती जा रही है। हाल ही में उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल रहे पूर्व क्रिकेट कप्तान साकिब अल हसन के घर पर हुआ हमला भी इस बात का संकेत है कि राजनीतिक असहमति अब सामाजिक तनाव का रूप लेने लगी है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री तारिक रहमान के एक करीबी सहयोगी द्वारा शेख हसीना को "तुरंत लौटकर सामना करने" की चुनौती देना बताता है कि बांग्लादेश का राजनीतिक वातावरण अभी भी सामान्य नहीं हुआ है।

लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल या नेता से असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति का समाधान न्यायपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया और स्वतंत्र संस्थाओं के माध्यम से होना चाहिए। यदि किसी नेता की लोकप्रियता का उत्तर प्रतिबंध, दमन या भय के वातावरण से दिया जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती है। शेख हसीना की वापसी को केवल एक व्यक्ति की वापसी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा की परीक्षा के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि अवामी लीग को राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर रखने की कोशिश होती है, तो यह बांग्लादेश के लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाएगा। वास्तविकता यह भी है कि बांग्लादेश की राजनीति आज केवल अवामी लीग और बांग्लादेश नेशनललिस्ट पार्टी (बीएनपी) के बीच सत्ता संघर्ष तक सीमित नहीं रह गई है। अब यह संघर्ष राष्ट्र की ऐतिहासिक पहचान, 1971 के मुक्ति संग्राम की विरासत और भविष्य की वैचारिक दिशा का भी बन चुका है। अवामी लीग स्वयं को मुक्ति संग्राम की मूल चेतना का प्रतिनिधि बताती है, जबकि बीएनपी भी अब उसी विरासत पर अपना दावा प्रस्तुत कर रही है। इतिहास की इस प्रतिस्पर्धी व्याख्या ने राजनीतिक ध्रुवीकरण को और गहरा किया है। ऐसी परिस्थितियों में शेख हसीना की वापसी केवल राजनीतिक समीकरण नहीं बदलेगी, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श की दिशा भी प्रभावित करेगी।

इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत और बांग्लादेश के संबंध केवल दो पड़ोसी देशों के रिश्ते नहीं हैं, बल्कि साझा इतिहास, संस्कृति, भाषा, आर्थिक सहयोग और सामरिक हितों पर आधारित हैं। पिछले डेढ़ दशक में दोनों देशों के संबंधों में अभूतपूर्व निकटता आई, जिसका एक बड़ा आधार शेख हसीना सरकार और नई दिल्ली के बीच बना विश्वास था। सीमा विवादों का समाधान, ऊर्जा सहयोग, संपर्क परियोजनाएं, आतंकवाद के विरुद्ध साझा कार्रवाई तथा पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई। लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिवर्तन ने इस विश्वास की नई परीक्षा शुरू कर दी है। नई दिल्ली ने एक ओर शेख हसीना को सुरक्षा और आश्रय दिया है, वहीं दूसरी ओर उसने ढाका की नई सरकार से संवाद भी जारी रखा है। यही परिपक्व कूटनीति का परिचायक है। भारत के सामने चुनौती किसी एक राजनीतिक दल के साथ खड़ा दिखाई देने की नहीं, बल्कि पूरे बांग्लादेश के साथ स्थायी और संतुलित संबंध बनाए रखने की है। इसी संदर्भ में नई दिल्ली में आयोजित होने वाला बारहवाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर बन सकता है। यदि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान इसमें भाग लेते हैं और भारत के शीर्ष नेतृत्व के साथ सकारात्मक संवाद होता है, तो दोनों देशों के बीच हाल के तनावों को कम करने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यह केवल औपचारिक शिखर बैठक नहीं होगी, बल्कि दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली का अवसर भी होगी। भारत को इस मंच का उपयोग केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता, लोकतांत्रिक मूल्यों और सुरक्षा सहयोग पर भी स्पष्ट संवाद स्थापित करना चाहिए।

भारत के सामने अनेक जटिल प्रश्न भी हैं। गंगा जल संधि के नवीनीकरण, तीस्ता जल बंटवारे, सीमा-पार व्यापार, अवैध घुसपैठ, सीमा सुरक्षा तथा शेख हसीना के प्रत्यर्पण जैसे मुद्दे आने वाले समय में द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करेंगे। इनमें किसी भी विषय पर भावनात्मक या राजनीतिक प्रतिक्रिया के बजाय कानूनी, कूटनीतिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक होगा। विशेष रूप से प्रत्यर्पण का प्रश्न केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानून और राजनीतिक परिस्थितियों से भी जुड़ा हुआ है। भारत को अपनी संधियों, न्यायिक प्रक्रियाओं और रणनीतिक हितों के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ना होगा। दूसरी ओर बांग्लादेश में चीन का बढ़ता प्रभाव भी नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय है। वर्तमान सरकार के शुरूआती महीनों में चीन के साथ बढ़ते संपर्क और सामरिक महत्व की परियोजनाओं पर समझौते इस बात का संकेत हैं कि ढाका अपनी विदेश नीति में संतुलन साधने का प्रयास कर रहा है। भारत के लिए आवश्यक है कि वह प्रतिस्पर्धा की मानसिकता के बजाय विश्वास और विकास की साझेदारी को प्राथमिकता दे। यदि भारत आर्थिक सहयोग, निवेश, आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीकी साझेदारी के नए अवसर विकसित करता है, तो दोनों देशों के संबंध और अधिक मजबूत हो सकते हैं।

शेख हसीना की वापसी का प्रश्न अंततः बांग्लादेश के लोकतांत्रिक चरित्र की परीक्षा है। यदि उन्हें निष्पक्ष राजनीतिक अवसर मिलता है, तो जनता स्वयं तय करेगी कि भविष्य का नेतृत्व किसे सौंपना है। लेकिन यदि राजनीतिक प्रतिशोध, दमन और हिंसा का वातावरण बना रहता है, तो इससे न केवल बांग्लादेश की लोकतांत्रिक साख प्रभावित होगी, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। भारत को इस पूरे घटनाक्रम में संयम, संतुलन और दूरदृष्टि के साथ आगे बढ़ना होगा। न तो उसे किसी आंतरिक राजनीतिक विवाद का पक्षकार बनना चाहिए और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों की उपेक्षा करनी चाहिए। भारत की विदेश नीति का मूल उद्देश्य एक स्थिर, शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और समृद्ध पड़ोस होना चाहिए। यही उसकी सुरक्षा, आर्थिक प्रगति और क्षेत्रीय नेतृत्व के लिए सबसे अनुकूल स्थिति होगी।

आज आवश्यकता किसी राजनीतिक विजय की नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता की है। बांग्लादेश को यह सिद्ध करना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव का नाम नहीं, बल्कि विपक्ष के सम्मान, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी और राजनीतिक सहिष्णुता का भी नाम है। वहीं भारत को यह दिखाना होगा कि वह पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को व्यक्तियों के बजाय संस्थागत विश्वास, पारस्परिक सम्मान और साझा हितों के आधार पर आगे बढ़ाने में सक्षम है। दिसंबर 2026 में यदि शेख हसीना वास्तव में बांग्लादेश लौटती हैं, तो वह केवल एक नेता की वापसी नहीं होगी, वह बांग्लादेश के लोकतंत्र, भारत की कूटनीतिक परिपक्वता और दक्षिण एशिया की राजनीतिक स्थिरता की एक साथ परीक्षा होगी। यदि इस चुनौती को संवाद, लोकतांत्रिक मयार्दा और विवेकपूर्ण कूटनीति के साथ संभाला गया, तो यह संकट दोनों देशों के संबंधों में एक नए विश्वास और नई शुरूआत का आधार भी बन सकता है। यही समय की सबसे बड़ी मांग है। यहां एक बड़ा प्रश्न यह भी है कि शेख हसीनाा के बांग्लादेश यानी वतन-वापसी से वहां राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को नई धार मिलेगी या फिर वह और अधिक बंट जाएंगी?

हजारीबाग के स्वाधीनता सेनानियों ने गिरफ्तारियां देकर इतिहास रच दिया था

विजय केसरी

8 अगस्त 1942 को अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी द्वारा लिए गए 'भारत छोड़ो आंदोलन' के प्रस्ताव ने संपूर्ण देश के स्वाधीनता सेनानियों में एक नई ऊर्जा का संचार कर दिया था । अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी की मुंबई में हुई इस बैठक का प्रस्ताव देश भर में आग की चिंगारी की तरह फैल गया था। इस प्रस्ताव के बाद अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के बड़े-बड़े नेताओं को ब्रिटिश हुकूमत द्वारा गिरफ्तार किया जाने लगा था। वहीं हजारीबाग के स्वाधीनता सेनानियों ने अपनी - अपनी गिरफ्तारियां देकर देश भर में एक नया इतिहास रचने का काम किया था। एक आंकड़े के अनुसार देश भर के सभी जिलों की तुलना में हजारीबाग के रण बांकुरों ने सबसे ज्यादा संख्या में अपनी - अपनी गिरफ्तारियां दी थीं। जिसकी चर्चा अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बीच भी होती रहती थी। चूंकि हजारीबाग में सेंट्रल जेल होने के कारण देश भर के बड़े स्वाधीनता सेनानीयों को इस जेल में बंद किया गया था, इसका भी असर हजारीबाग में बढ़ते स्वाधीनता आंदोलन पर पड़ा था।

इन नेताओं के हजारीबाग के सेंट्रल जेल में बंद होने के कारण इसकी चर्चा बराबर हजारीबाग के स्वाधीनता सेनानियों में होती रहती थी। इन खबरों से हजारीबाग के स्वाधीनता सेनानी स्वस्फूर्त जागृत होते चले जा रहे थे। भारत छोड़ो आंदोलन प्रस्ताव के पारित होने के बाद हजारीबाग के स्वाधीनता सेनानी ब्रिटिश हुकूमत के नंबर वन टारगेट में रहे थे । भारत छोड़ो आंदोलन प्रस्ताव के पारित होने के पूर्व ही सेंट्रल जेल में बंद नेताओं के आंदोलन से संबंधित गुप्त पत्रों एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाने में हजारीबाग के स्वाधीनता सेनानियों ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। इस बात की खबर ब्रिटिश हुकूमत के जिला स्तर के अधिकारियों को थी। हजारीबाग जिले के डिप्टी कमिश्नर के कड़े पाबंदी के बावजूद हजारीबाग के स्वाधीनता सेनानी अपने मिशन में सफल होते रहे थे।

8 अगस्त को मुंबई में भारत छोड़ो आंदोलन का प्रस्ताव पारित हुआ था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने इस बैठक में करो या मरो का नारा भी दिया था। यह खबर जैसे ही हजारीबाग पहुंची थी, हजारीबाग के स्वाधीनता सेनानी अगली बैठक की तैयारी में जुट गए थे। 9 अगस्त को हजारीबाग में सबसे पहली गिरफ्तारी बाबू राम नारायण सिंह की हुई थी। बाबूराम नारायण सिंह हजारीबाग स्थित रामनगर के अपने आवास पर बैठकर अगली रणनीति पर विचार कर रहे थे। तभी सुबह-सुबह जिला के पुलिस अधिकारी स दलबल उनके आवास पर आए। वे घर के बाहर के कमरे में ही बैठे हुए थे। उन्हें इस बात की जानकारी थी कि भारत छोड़ो आंदोलन के प्रस्ताव पारित होने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। वे चाहते तो गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने घर के पीछे के रास्ते से भाग सकते थे ।लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने वंदे मातरम, भारत माता की जय का नारा देते हुए अपनी सहर्ष गिरफ्तारी दे दी थी। उन्हें हजारीबाग के सेंट्रल जेल में बंद किया गया था।

झारखंड प्रांत के हजारीबाग जिले की पहली महिला स्वाधीनता सेनानी सरस्वती देवी को 10 अगस्त को हजारीबाग जिला पुलिस ने गिरफ्तार किया था। सरस्वती देवी अपने अन्य स्वाधीनता सेनानियों के साथ एक गुप्त सभा में शामिल होने जा रही थी। इस बात की सूचना हजारीबाग पुलिस को मिल गई थी। हजारीबाग पुलिस ने उन्हें बीच मार्ग पर ही गिरफ्तार कर लिया था। उन्हें भी हजारीबाग सेंट्रल जेल में बंद कर दिया था। सरस्वती देवी ने सहर्ष अपनी गिरफ्तारी दी थी। उनके चेहरे पर इस गिरफ्तारी का कोई भी भय नहीं था। सरस्वती देवी जैसे ही गिरफ्तार हुई, यह खबर हजारीबाग के स्वाधीनता सेनानियों के बीच आग की चिंगारी की तरह पहुंच गई थी। सरस्वती देवी की गिरफ्तारी पर हजारीबाग के स्वाधीनता सेनानियों ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्ति थी कि एक महिला स्वाधीनता सेनानी से ब्रिटिश हुकूमत पूरी हिल सी गई, इसलिए उन्हें एक महिला स्वाधीनता सेनानी को भी गिरफ्तार करने के लिए बाध्य होना पड़ा। इस बात का देशभर की महिलाओं पर बहुत ही अनुकूल असर पड़ा था। उस कालखंड में सरस्वती देवी की गिरफ्तारी एक राष्ट्रीय खबर बन गई थी। सरस्वती देवी इस गिरफ्तारी के बाद अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं के बीच चर्चित हो गई थीं। सरस्वती देवी का भाषण और स्वाधीनता आंदोलन के प्रति उनका समर्पण आज भी देशभर की महिलाओं का मार्ग प्रशस्त करता रह रहा है।

अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के कार्यकारणी के सदस्य कृष्ण बल्लभ सहाय को 11 अगस्त को गोमिया स्टेशन पर गिरफ्तार किया गया था। वे मुंबई से अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी के अधिवेशन से वापस हजारीबाग लौट रहे थे। उन्होंने इस ऐतिहासिक अधिवेशन में खुद को शामिल कर हजारीबाग को सदा सदा के लिए गौरांवित कर दिया था। उन्हें भी आशंका थी कि ब्रिटिश हुकूमत गिरफ्तार कर लेगी। लेकिन उन्हें यह उम्मीद नहीं थी कि बीच रास्ते में ही इस तरह उनकी गिरफ्तारी हो जाएगी। इससे प्रतीत होता है कि स्वाधीनता आंदोलन में राष्ट्रीय स्तर पर कृष्ण बल्लभ सहाय का कैसा असर था। उन्होंने पुलिस अधिकारी को हजारीबाग से अपने आवास पर से गिरफ्तार करने की बात कही थी। लेकिन पुलिस अधिकारी ने उनकी बात को बिल्कुल नहीं माना । तब उन्होंने भी अपनी सहर्ष गिरफ्तारी दे दी थी। वे इस गिरफ्तारी से बिल्कुल विचलित नहीं हुए थे। उन्हें भी हजारीबाग के सेंट्रल जेल में बंद किया गया था।

बाबू राम नारायण सिंह के छोटे भाई सुखलाल सिंह को चतरा (तब हजारीबाग जिला के अंतर्गत ही था) से उनके आवास से पर से पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर सेंट्रल जेल जेल भेज दिया था। सुखलाल सिंह एक बड़े क्रांतिकारी थे। वे स्वाधीनता आंदोलन को पूरे हजारीबाग जिले में जन-जन तक पहुंचाने महत्वपूर्ण भूमिका अदा किए थे। वे अपने बड़े भाई बाबूराम नारायण सिंह के पद चिन्हों पर चलते हुए स्वाधीनता आंदोलन में पूरी तरह स्वयं को झोंक दिए थे। वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सत्य अहिंसा के आदर्श पर आजीवन चलते रहे थे। देश की आजादी के बाद वे चाहते तो चुनाव लड़कर विधायक और सांसद बन सकते थे। लेकिन उन्होंने समाज सेवा को ही अपना आदर्श माना। वे एक कांग्रेस पार्टी के कर्मठ सिपाही के रूप में सदा अपने बड़े भाई बाबूराम नारायण सिंह के साथ जुड़े रहे थे। जब बाबूराम नारायण सिंह ने अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया था, तब सुखलाल सिंह ने भी इस्तीफा दे दिया था। बाकी का शेष जीवन उन्होंने स आनंद खेती किसानी को दे दिया था।

उपरोक्त स्वाधीनता सेनानियों सहित हजारीबाग के मदन लाल शर्मा को उनके हजारीबाग बाडम बाजार स्थित आवास से पुलिस गिरफ्तार कर हजारीबाग सेंट्रल जेल में बंद कर दिया था। मदनलाल शर्मा एक व्यवसायी होते हुए भी देश की आजादी तक स्वाधीनता आंदोलन का अलख जगाते रहे थे। वे देश की आजादी के बाद एक व्यावसायिक रूप में ही शेष जीवन को गुजरे थे। हजारीबाग, के मेन रोड निवासी कस्तूरमल अग्रवाल और शिवलाल अग्रवाल दोनों भाई को उनके निवास स्थान से गिरफ्तार कर हजारीबाग सेंट्रल जेल में बंद कर दिया गया था। दोनों भाई व्यवसायी थे। महात्मा गांधी के विचारों से प्रभावित होकर दोनों भाई स्वाधीनता आंदोलन में कूदे थे। वे दोनों जीवन के अंतिम क्षणों तक अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी से जुड़े रहे थे। देश की आजादी के बाद उन दोनों ने किसी भी तरह कोई सरकारी पेंशन नहीं लिया था। दोनों भाई आजीवन समाज सेवा से जुड़े रहे थे।

वर्तमान चतरा जिले के शालिग्राम सिंह, अनुग्रह नारायण सिन्हा,भानु प्रताप सिंह, नागेश्वर सिंह, त्रिवेणी सहाय,रामदेव तिवारी आदि को हजारीबाग पुलिस गिरफ्तार कर सेंट्रल जेल में बंद कर दी थी। वे सभी इस गिरफ्तारी से डर कर कहीं भागे नहीं बल्कि सबों ने पुलिस को सहर्ष से अपनी-अपनी गिरफ्तारी दी थी।

सूडोकु नवताल- 7880

★★★★☆ कठिन

	8	5						
3								
			6			7	4	
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7879 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

बिहार में सुशासन की कसौटी पर भरत तिवारी प्रकरण

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति राज्य की दंडात्मक क्षमता नहीं बल्कि कानून का शासन होता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि न्याय कानून की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार हो, न कि संदेह, शक्ति या दबाव के आधार पर। जब किसी पुलिस मुठभेड़ पर गंभीर प्रश्न उठने लगें, जब न्यायिक प्रक्रिया से पहले गोलियों की गूंज सुनाई दे और जब देश के सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता सार्वजनिक मंच से गंभीर आरोप लगाएँ, तब वह घटना केवल एक व्यक्ति की मृत्यु का मामला नहीं रह जाती बल्कि शासन, प्रशासन और न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता की परीक्षा बन जाती है।

भोजपुर जिले के बिलौटी गांव में हुए भरत तिवारी एनकाउंटर ने बिहार की राजनीति और प्रशासन के सामने ऐसे ही अनेक सवाल खड़े कर दिये हैं। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह ने मीडिया के समक्ष दावा किया है कि यह कोई सामान्य पुलिस मुठभेड़ नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे घटनाक्रम के पीछे जवइनिया गांव के विस्थापितों के लिए आई लगभग 1400 करोड़ रुपये की राशि से जुड़े कथित वित्तीय घोटाले को छिपाने का उद्देश्य था।

आरोपों की सत्यता का निर्णय केवल सक्षम न्यायालय अथवा निष्पक्ष जांच एजेंसी ही कर सकती है। इसलिए किसी भी पक्ष को दोषी या निर्दोष घोषित करना अभी न्यायोचित नहीं होगा। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि इतने गंभीर आरोपों को केवल सरकारी बयान या औपचारिक स्पष्टीकरण से खारिज नहीं किया जा सकता। लोकतंत्र में पारदर्शिता केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की आधारशिला होती है। यदि जनता के मन में संदेह पैदा हो जाय तो उस संदेह का समाधान निष्पक्ष जांच से ही संभव है।

बिहार लंबे समय से "सुशासन" की राजनीति का दावा करता रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजनीतिक पहचान कानून-व्यवस्था, प्रशासनिक सुधार और जवाबदेह शासन के आधार पर बनी है। भारतीय जनता पार्टी भी सुशासन, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के विरुद्ध कार्रवाई को अपनी प्रमुख राजनीतिक प्रतिबद्धताओं में शामिल करती रही है। ऐसे में यदि किसी पुलिस मुठभेड़ पर व्यापक संदेह पैदा होता है तो उसका प्रभाव केवल पुलिस विभाग तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरी शासन व्यवस्था की साख पर पड़ता है।

भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार देता है तथा यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी व्यक्ति के अपराध का निर्धारण न्यायालय करेगा, पुलिस नहीं। यदि कोई व्यक्ति गंभीर अपराधों का आरोपी भी हो, तब भी उसे न्यायिक प्रक्रिया से गुजरने का अधिकार प्राप्त है। लोकतंत्र में पुलिस का दायित्व अपराधियों को कानून के समक्ष प्रस्तुत करना है, न कि स्वयं अभियोजन, न्यायाधीश और दंडाधिकारी की भूमिका निभाना। यही कारण है कि देश की सर्वोच्च अदालत भी विवादित पुलिस मुठभेड़ों की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता पर बार-बार बल देती रही है।

भरत तिवारी प्रकरण में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि वह निर्दोष थे या दोषी। वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या बिहार में कानून की प्रक्रिया पर जनता का भरोसा पहले जैसा बना हुआ है? यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि न्यायिक प्रक्रिया के स्थान पर मुठभेड़ ही अंतिम रास्ता बनती जा रही है, तो लोकतंत्र की बुनियाद कमजोर होगी।

कानून का शासन केवल अपराधियों को दंडित करने से नहीं, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने से मजबूत होता है। राजनीतिक दृष्टि से भी यह मामला अत्यंत महत्वपूर्ण है। विपक्ष स्वाभाविक रूप से इसे सरकार की जवाबदेही से जोड़ेगा। वहीं, सरकार के पास यह अवसर भी है कि वह निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच कराकर यह संदेश दे कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। यदि जांच निष्पक्ष होगी और दोषी पाये जाने वाले किसी भी व्यक्ति पर बिना भेदभाव कार्रवाई होगी, तो जनता का विश्वास और मजबूत होगा, लेकिन यदि जांच की निष्पक्षता पर ही प्रश्न उठते रहे, तो यह विवाद सरकार की राजनीतिक छवि पर दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ सकता है।

हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों, विशेषकर उपचुनावों के परिणामों को लेकर भी विभिन्न प्रकार के विश्लेषण सामने आ रहे हैं। कुछ विश्लेषक इन्हें जनता के बदलते राजनीतिक मूड से जोड़ रहे हैं। हालांकि किसी एक चुनाव परिणाम को सीधे इस प्रकरण से जोड़ना उचित नहीं होगा, क्योंकि चुनाव अनेक स्थानीय, सामाजिक और राजनीतिक कारणों से प्रभावित होते हैं। फिर भी इतना स्पष्ट है कि आज का मतदाता केवल विकास योजनाओं और घोषणाओं से संतुष्ट नहीं होता। वह न्याय, पारदर्शिता, संवैधानिक मूल्यों और जवाबदेही को भी उतना ही महत्व देता है।

लोकतंत्र में सरकारें केवल चुनाव जीतने से मजबूत नहीं होतीं बल्कि जनता के विश्वास से होती हैं। यह विश्वास तभी कायम रहता है जब न्याय केवल किया ही न जाय, बल्कि निष्पक्ष रूप से होता हुआ दिखाई भी दे। भरत तिवारी प्रकरण का अंतिम सत्य जो भी हो, बिहार के हित में यही आवश्यक है कि पूरे मामले की स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो, यदि ऐसा होता है तो न केवल सच्चाई सामने आयेगी, बल्कि कानून के शासन और सुशासन की अवधारणा भी मजबूत होगी, यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी अपेक्षा है और यही बिहार की शासन व्यवस्था के सामने वास्तविक कसौटी भी।

दैनिक पंचांग

8 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.16 बजे से
चंद्र	वृष में	कन्या	08.28 बजे से
मंगल	मिथुन में	तुला	10.39 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.54 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.10 बजे से
शुक्र	कन्या में	मकर	17.15 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.01 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.34 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.05 बजे से
		वृष	23.45 बजे से
		मिथुन	01.43 बजे से
		कर्क	03.56 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 220 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि दशमी 14.00 बजे को समाप्त।
नक्षत्र रोहिणी 16.51 बजे को समाप्त।
योग ध्रुव 09.02 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 14.00 बजे तदनन्तर बव 00.34 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 24.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 16° 11'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872795
जूलियन दिन 2461260.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर **तारीख** 24
विशेष रोहिणी व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	05.55 से 07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से 07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से 08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से 08.42 बजे तक
रोग	08.51 से 10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से 10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से 11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से 11.47 बजे तक
चर	11.46 से 01.14 बजे तक	चर	11.47 से 01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से 02.42 बजे तक	रोग	01.19 से 02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से 04.10 बजे तक	काल	02.51 से 04.23 बजे तक
काल	04.10 से 05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से 05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

अवैध लॉटरी की खरीद-बिक्री के मामले में एक गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा

पाकुड़ : अवैध लॉटरी की खरीद-बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पाकुड़ मुफस्सिल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, पाकुड़ मुफस्सिल थाना कांड संख्या 111/26, दिनांक 06 अगस्त 2026, धारा 318(4)/3(5) बीएनएस एवं 7(3) लॉटरी विनियमन अधिनियम, 1998 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले में प्राथमिक अभियुक्त नजीबुल होदा, पिता स्वर्गीय मोहम्मद हायेस शेख, निवासी नगर नवी, थाना पाकुड़ मालपहाड़ी, जिला पाकुड़ को ग्राम झिकरहट्टी से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी पर अवैध लॉटरी की खरीद-बिक्री में संलिप्त होने का आरोप है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद अवैध लॉटरी के कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस ने अवैध लॉटरी के कारोबार पर रोक लगाने के लिए आगे भी कार्रवाई जारी रखने की बात कही है।

आगलगी में दो किराना दुकान जलकर हुआ राख

साहिबगंज : जिले के राधानगर थाना क्षेत्र के उत्तरी बेगमगंज पंचायत अंतर्गत फुटानी बाजार में बीते गुरुवार की देर रात अचानक आग लगने से दो किराना दुकान जलकर राख हो गया। आगलगी की घटना में दुकान पर रखें सारा सामान सहित लाखों रुपए का नुकसान हो गया। हालांकि आग कैसी लगी है,इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। अग्नि पीड़ित मिस्त्री टोला निवासी दिपेन मंडल एवं भुपेन मंडल ने बताया कि फुटानी बाजार में अलग-अलग किराना दुकान संचालन करते है। उन्होंने बताया कि बीते गुरुवार की रात साढ़े 12 बजे उन्हें सूचना मिली कि दुकान में अचानक आग लग गई है। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंचा तो पूरी दुकान जलकर राख हो गई है। इस दौरान स्थानीय लोगों की सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। इस आगलगी में दुकान में रखें चावल,आटा,गेहूं समेत अन्य खाद्य सामग्री पूरी तरह जलकर राख हो गया। वहीं अग्नि पीड़ित ने बताया कि आगलगी की घटना में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। उन्होंने अंचल प्रशासन को लिखित आवेदन देकर उचित मुआवजा की गुहार लगाई है।

महिला से सोने की चेन और कानबाली की छिनतई

पूर्वी सिंहभूम : एमजीएम थाना क्षेत्र के तुरियाबेड़ा शौचालय के समीप गुरुवार रात सोने की चेन और कान बाली छिनतईका मामला प्रकाश में आया है। दवा लेकर पैदल घर लौट रही एक महिला से तीन युवकों ने सोने की चेन और कान की बाली छीन ली। महिला की ओर से विरोध किए जाने पर बदमाशों ने उन्हें धक्का देकर झाड़ियों में गिरा दिया और गला दबाने का भी प्रयास किया। वारदात के बाद तीनों आरोपित मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों से। मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता मंजू देवी शंकोसाई रोड नंबर-1 स्थित रामनगर की रहने वाली हैं।

साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई
9,840 रुपए के विदेशी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : रेलवे परिसर में अवैध रूप से शराब के परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत आरपीएफ/सीआईबी/मालदा एवं आरपीएफ पोस्ट/साहिबगंज की संयुक्त टीम ने साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर कार्रवाई करते हुए दो व्यक्तियों को 12 बोतल रॉयल स्टैग विदेशी शराब, कुल 09 लीटर, जिसकी अनुमानित कीमत 9,840 रुपए है, के साथ गिरफ्तार किया। गुप्त सूचना के आधार पर दिनांक ट्रेन संख्या 13429 अप (आनंद विहार टर्मिनल वीकली एक्सप्रेस) से विदेशी शराब के अवैध परिवहन के संबंध में साहिबगंज रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 02 पर संयुक्त टीम द्वारा गुप्त निगरानी एवं जांच अभियान चलाया गया। उक्त ट्रेन के लगभग 11:59 बजे प्लेटफॉर्म संख्या 02 पर पहुंचने पर, टीम ने एसी कोच में दो व्यक्तियों को संदिग्ध अवस्था में अलग-अलग बैग लेकर यात्रियों की भीड़ के बीच स्वयं को छिपाने का प्रयास करते हुए देखा। दोनों व्यक्ति छबीला बमह्न वेशभूषा में थे, जिससे संदेह होने पर टीम द्वारा उन्हें रोककर उनके बैगों की जांच की गई, जिसमें विदेशी शराब बरामद हुई। पूछताछ के दौरान दोनों व्यक्ति शराब के परिवहन के संबंध में कोई संतोषजनक जवाब अथवा वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। पूछताछ में गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान मुन्नी लाल साह उम्र 38 वर्ष, पिता स्व. धुरखेली साह, निवासी लखनपुर, थाना तारापुर, जिला मुंगेर (बिहार) व प्रकाश कुमार चौधरी उम्र 30 वर्ष, पिता प्रण नाथ चौधरी, निवासी पुरानी साहिबगंज, थाना नगर थाना, जिला साहिबगंज (झारखंड) के रूप में हुई। पूछताछ के दौरान दोनों ने बताया कि उन्होंने उक्त विदेशी शराब बरहरवा, झारखंड से खरीदी थी तथा उसे जमालपुर रेलवे स्टेशन की ओर ले जा रहे थे, जहां उसे अवैध रूप से बेचकर आर्थिक लाभ अर्जित करने का उनका उद्देश्य था। तलाशी के दौरान मुन्नी लाल साह के कब्जे से काले-नीले रंग के बैकपैक में रॉयल स्टैग व्हिस्की की 04 बोतलें, प्रत्येक 750 एमएल, कुल 03 लीटर, जिसकी कीमत 3,280 रुपए तथा प्रकाश कुमार चौधरी के कब्जे से ग्रे रंग के हैंड कैरी बैग में रॉयल स्टैग व्हिस्की की 08 बोतलें, प्रत्येक 750 एमएल, कुल 06 लीटर, जिसकी कीमत 6,560 रुपए, बरामद की गई। इस प्रकार दोनों के कब्जे से कुल 12 बोतल विदेशी शराब, बरामद कर विधिवत जब्त की गई। दोनों आरोपियों को सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं का पालन करते हुए गिरफ्तार किया गया तथा उनके परिजनों को गिरफ्तारी की सूचना दी गई। गिरफ्तार दोनों व्यक्तियों एवं बरामद विदेशी शराब को आवश्यक दस्तावेजों सहित आरपीएफ पोस्ट/साहिबगंज लाया गया, जहां उनके विरुद्ध लागू विधिक प्रावधानों के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई।

गुमानी में हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस के ठहराव की मांग तेज, डीआरएम के नाम सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : गुमानी रेलवे स्टेशन पर मालदा-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस (13011/13012) के ठहराव की वर्षों पुरानी मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। इस संबंध में नवझारखंड जनएकता संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) के नाम ज्ञापन सौंप कर गुमानी स्टेशन पर ट्रेन के नियमित ठहराव की मांग की। संगठन के पदाधिकारियों ने ज्ञापन में कहा कि गुमानी रेलवे स्टेशन आसपास के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के हजारों लोगों के लिए प्रमुख रेल संपर्क का माध्यम है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शिक्षा के लिए, व्यापारी व्यवसाय के सिलसिले में, किसान कृषि कार्यों से संबंधित आवश्यकताओं के लिए, मरीज बेहतर इलाज के लिए तथा नौकरीपेशा लोग विभिन्न शहरों की यात्रा करते हैं। ऐसे में मालदा-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस का गुमानी स्टेशन पर ठहराव नहीं होने से यात्रियों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि गुमानी स्टेशन पर इस ट्रेन का ठहराव होने से न केवल स्थानीय लोगों को सुविधा मिलेगी, बल्कि क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी। यात्रियों को दूसरे स्टेशनों तक अतिरिक्त दूरी तय करने की मजबूरी से राहत मिलेगी और समय व आर्थिक संसाधनों की भी बचत होगी। संगठन ने रेलवे प्रशासन से जनहित को ध्यान में रखते हुए शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि गुमानी स्टेशन पर हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस का ठहराव जल्द सुनिश्चित नहीं किया गया, तो क्षेत्र की जनता के सहयोग से व्यापक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा।

फाइलेरिया प्रभावित दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल वितरित
आत्मनिर्भर जीवन की ओर बढ़ा महत्वपूर्ण कदम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला अंतर्गत अनुमंडल अस्पताल राजमहल में फाइलेरिया से प्रभावित उन दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल वितरित की गई, जिन्हें चलने-फिरने में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस पहल का उद्देश्य ऐसे लाभार्थियों के दैनिक जीवन को अधिक सुगम, सम्मानजनक एवं आत्मनिर्भर बनाना है। कार्यक्रम में राजमहल विधायक प्रतिनिधि के द्वारा लाभार्थियों के बीच ट्राइसाइकिल का वितरण किया गया। इस अवसर पर राजमहल सीएचसी के उपाधीक्षक डॉ उदय टुडू, बीपीएम अमित कुमार, केटीएस डेनियल किस्कू, मनीष, पिरामल फाउंडेशन से सीनियर प्रोग्राम लीड श्रवण कुमार झा, प्रोग्राम मैनेजर ऐमन दास, प्रोग्राम ऑफिसर श्रीकांत पंडित सहित स्वास्थ्य विभाग एवं पिरामल फाउंडेशन के अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि फाइलेरिया केवल एक बीमारी नहीं, बल्कि समय पर उपचार और बचाव के अभाव में यह व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। इसलिए समुदाय की सक्रिय भागीदारी और समय पर उपचार अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर लोगों को फाइलेरिया उन्मूलन के प्रति जागरूक करते हुए अपील की गई कि सामूहिक दवा सेवन (एमडीए) अभियान के दौरान सभी पात्र व्यक्ति स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी जाने वाली फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन अवश्य करें। साथ ही मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए घर एवं आसपास साफ-सफाई रखें, जलभराव न होने दें तथा मच्छरदानी का नियमित उपयोग करें। यदि किसी व्यक्ति के हाथ, पैर या अंडकोष में असामान्य सूजन दिखाई दे तो बिना देर किए निकटतम स्वास्थ्य केंद्र में जाकर जांच एवं उपचार कराएं। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने फाइलेरिया मुक्त साहिबगंज के निर्माण के लिए जनसहभागिता बढ़ाने तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाने का संकल्प भी लिया।

बाल तस्करी और बाल विवाह बच्चों के लिए अभिशाप : उर्मिला हेम्ब्रम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अमड़ापाड़ा : पाकुड़ जिले में झारखंड विकास परिषद, अमड़ापाड़ा की ओर से एफएक्सबी इंटरनेशनल के सहयोग से संचालित "सुरक्षित बचपन के लिए दामिन पहल" के तहत अमड़ापाड़ा प्रखण्ड के मध्य विद्यालय सालपतरा में स्कूली बच्चों एवं किशोर-किशोरियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को बाल सुरक्षा, स्वास्थ्य, अधिकार, मानसिक स्वास्थ्य एवं संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बाल संसद की संचार मंत्री उर्मिला हेम्ब्रम ने कहा कि "बाल तस्करी और बाल विवाह बच्चों के लिए अभिशाप हैं।" उन्होंने कहा कि इन सामाजिक कुरीतियों को रोकने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होकर सामूहिक प्रयास करना होगा, ताकि बच्चों को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण मिल सके। उन्होंने बच्चों से अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा किसी भी परेशानी की स्थिति में माता-पिता, शिक्षक या किसी विश्वसनीय व्यक्ति से सहायता लेने की अपील की। परियोजना समन्वयक मनोरंजन सिंह ने बच्चों को सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श की पहचान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसी भी अनुचित स्पर्श या असहज स्थिति में बच्चों को डरने के बजाय तुरंत किसी भरोसेमंद वयस्क को इसकी जानकारी देनी चाहिए। वहीं, कार्यकर्ता किरणी मुर्मू ने बच्चों को सुरक्षित एवं असुरक्षित स्थानों की पहचान के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध या असुरक्षित परिस्थिति में सतर्क रहना और तत्काल विश्वसनीय व्यक्ति से मदद लेना जरूरी है।

कोई भी विदेशी नागरिक SIR की प्रक्रिया में भाग न लें केवल पात्र भारतीय नागरिक ही करें आवेदन : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : झारखंड में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के अंतर्गत 08 एवं 09 अगस्त, 2026 को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर प्रातः 10:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने जिले के सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने मतदाता संबंधी आवश्यक कार्य समय पर पूर्ण करें। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि स्क्र की प्रक्रिया केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है। कोई भी विदेशी नागरिक इस प्रक्रिया में भाग न लें। मतदाता सूची की शुद्धता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सभी नागरिकों का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने बताया कि फॉर्म-6 उन पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है अथवा 01 अक्टूबर, 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण हो जाएगी तथा जो झारखंड के किसी मतदान क्षेत्र के सामान्य निवासी हैं। ऐसे सभी पात्र नागरिक अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए फॉर्म-6 एवं घोषणा पत्र भर सकते हैं। इसके साथ ही फॉर्म-8 के माध्यम से ऐसे मतदाता, जिनका मतदान केंद्र उनके निवास से दूर है अथवा जिनके परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों पर दर्ज हैं, अपने पूरे परिवार का नाम एक ही निकटवर्ती मतदान केंद्र पर स्थानांतरित कराने हेतु आवेदन कर सकते हैं।

लिट्टीपाड़ा में मां-बेटी की हत्या का 12 घंटे में खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

▸ झेनागड़िया गांव में धारदार हथियार से हुई थी दोहरी हत्या

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के झेनागड़िया गांव में महिला और उसकी पुत्री की धारदार हथियार से हत्या किए जाने के मामले का पाकुड़ पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर उद्भेदन किया है। पुलिस ने इस दोहरे हत्याकांड में संलिप्त एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान झेनागड़िया निवासी अबरास अंसारी उर्फ अबरास मोमिन (28 वर्ष), पिता अफजल अंसारी उर्फ अफजल मोमिन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 5/6 अगस्त की मध्यरात्रि करीब 12 बजे लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के झेनागड़िया गांव में एक महिला एवं उसकी पुत्री की धारदार हथियार से हत्या किए जाने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। इस संबंध में लिट्टीपाड़ा थाना कांड संख्या 45/26, दिनांक 6 अगस्त 2026 को धारा 103(1) बीएनएस के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई।

एसपी ने गठित की विशेष जांच टीम

घटना की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए पाकुड़ के पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह (भापुसे) ने मामले के त्वरित उद्भेदन और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पाकुड़ कुमार गौरव के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान दल (SIT) का गठन किया।

SIT ने घटनास्थल पर पहुंचकर बारीकी से जांच की और विभिन्न साक्ष्यों को संकलित किया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस टीम ने तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर संदिग्धों के संबंध में जानकारी जुटाते हुए लगातार छापेमारी अभियान चलाया।

तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्यों से आरोपी तक पहुंची पुलिस

पुलिस का कहना है कि तकनीकी एवं मानवीय आसूचना के साथ-साथ आधुनिक वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया गया। लगातार कार्रवाई के बाद पुलिस टीम ने घटना में कथित रूप से संलिप्त अबरास अंसारी उर्फ अबरास मोमिन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान आरोपी ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल किया गया खून लगा चाकू, घटना के समय पहना हुआ खून लगा टी-शर्ट और बरसाती बरामद कर विधिवत जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की प्रक्रिया पुलिस द्वारा की जा रही है। पुलिस ने आरोपी के पूर्व आपराधिक इतिहास की भी जानकारी दी है। उसके विरुद्ध लिट्टीपाड़ा थाना कांड संख्या 26/2020, दिनांक 19 मई 2020 में धारा 341/342/324/326/307/34 भादवि के तहत मामला दर्ज होने का उल्लेख किया गया है।

इन पुलिस पदाधिकारियों की रही अहम भूमिका

दोहरे हत्याकांड के उद्भेदन के लिए गठित छापेमारी टीम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव, पाकुड़ नगर थाना प्रभारी पु०नि० अनिल कुमार गुप्ता, लिट्टीपाड़ा थाना प्रभारी पु०अ०नि० विवेक कुमार, हिरणपुर थाना प्रभारी पु०अ०नि० विनय कुमार, लिट्टीपाड़ा थाना के पु०अ०नि० अनिल कुमार पंडित, पु०अ०नि० मोतिलाल मिश्रा, तकनीकी शाखा के पु०अ०नि० सुकदेव साहा, लिट्टीपाड़ा थाना के स०अ०नि० मनोज कुमार मरांडी सहित लिट्टीपाड़ा थाना के सशस्त्र बल शामिल रहे। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से मामले का 12 घंटे में खुलासा होने की जानकारी सामने आने के बाद क्षेत्र में हत्याकांड को लेकर चर्चा तेज है।

संक्षिप्त खबरें

पाकुड़ पॉलिटेक्निक कॉलेज में चलाया गया मतदाता जागरूकता अभियान

पाकुड़ : ज़िले में भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार शुक्रवार को राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, पाकुड़ में नए मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ने के उद्देश्य से विशेष मतदाता जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप निर्वाचन पदाधिकारी, पाकुड़ मो. मोजाहिद अंसारी ने की। अभियान के दौरान 18 वर्ष अथवा उससे अधिक आयु के विद्यार्थियों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों, मतदाता बनने की पात्रता एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान के महत्व के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। अपने संबोधन में उप निर्वाचन पदाधिकारी मो. मोजाहिद अंसारी ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती प्रत्येक पात्र नागरिक की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि 18 वर्ष की आयु पूरी करने पर बिना विलंब मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराएं तथा अपने मताधिकार का जिम्मेदारीपूर्वक प्रयोग करें। उन्होंने मतदान प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज एवं मतदाता बनने की पात्रता से संबंधित विभिन्न पहलुओं की भी विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया तथा लोकतंत्र को सशक्त बनाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। जिला निर्वाचन कार्यालय के हेल्प डेस्क मैनेजर पीयूष खां ने विद्यार्थियों को विशेष गहन पुनरीक्षण (स्क्र2026) की जानकारी देते हुए एडब्ह्री असस्र के माध्यम से ऑनलाइन मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया समझाई तथा सभी पात्र विद्यार्थियों से समय पर अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने की अपील की। इस अवसर पर पॉलिटेक्निक कॉलेज, पाकुड़ की प्राचार्य डॉ सुषमा यादव, जिला निर्वाचन कार्यालय के अमित सरकार, महाविद्यालय के शिक्षकगण, जिला निर्वाचन कार्यालय के कर्मी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

रथ मेला में सिंगल यूज प्लास्टिक पर नगर परिषद का शिकंजा, दर्जनों दुकानदारों पर जुर्माना

पाकुड़ : रथ मेला परिसर में सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल पर रोक लगाने को लेकर पाकुड़ नगर परिषद ने सख्ती शुरू कर दी है। कार्यपालक पदाधिकारी के निर्देश पर नगर थाना के समीप स्थित रथ मेला परिसर में नगर परिषद की टीम ने विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान मेला परिसर में लगी विभिन्न दुकानों की जांच की गई। सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करते पाए गए दर्जनों दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नियमानुसार जुर्माना वसूला गया। अभियान का नेतृत्व नगर मिशन प्रबंधक मनीष कुमार मिश्रा ने किया। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर्यावरण, मानव स्वास्थ्य और शहर की स्वच्छता के लिए गंभीर खतरा है। नगर परिषद का उद्देश्य केवल जुर्माना वसूलना नहीं, बल्कि दुकानदारों और आम लोगों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना भी है। उन्होंने दुकानदारों से प्लास्टिक की थैलियों और प्रतिबंधित सामग्री के स्थान पर कपड़े, कागज अथवा अन्य पर्यावरण अनुकूल विकल्पों का इस्तेमाल करने की अपील की। साथ ही चेतावनी दी कि अभियान आगे भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। जांच अभियान के दौरान राजस्व निरीक्षक भानु प्रताप, चंदन कुमार सिंह, बसंत प्रजापति और सैनेटी निरीक्षक विवेक कुमार मौजूद रहे। ₹3 हजार स्वच्छता शुल्क जमा, शुरू हुआ नियमित कचरा उठाव रथ मेला परिसर की साफ-सफाई को लेकर भी नगर परिषद ने मेला प्रबंधन को निर्धारित नियमों का पालन करने का निर्देश दिया था। कार्यपालक पदाधिकारी के निर्देश पर मेला अनुज्ञप्तिधारी काजल साहा को मेला क्षेत्र की दैनिक सफाई स्वयं कराने अथवा नगर परिषद द्वारा निर्धारित स्वच्छता शुल्क जमा कर सफाई एवं कचरा उठाव की व्यवस्था कराने को कहा गया था। इसी क्रम में मेला प्रबंधन ने नगर परिषद कार्यालय में ₹3,000 स्वच्छता शुल्क जमा कर मेला क्षेत्र से नियमित कचरा उठाव कराने का अनुरोध किया। शुल्क जमा होने के बाद नगर परिषद ने मेला परिसर से कचरा उठाने का कार्य शुरू कर दिया है। नगर परिषद ने स्पष्ट किया कि शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

हावड़ा-गया एक्सप्रेस के टॉयलेट की छत से 40 कैन बीयर बरामद

साहिबगंज/तीनपहाड़ : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ट्रेन के जरिए की जा रही शराब की तस्करी के खिलाफ एक बार फिर बड़ी सफलता हासिल की है। हावड़ा-गया एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 13023) के स्लीपर कोच के टॉयलेट में सीलिंग के पीछे छिपाकर रखी गई भारी मात्रा में अवैध बीयर की खेप जब्त की गई है। मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार (07 अगस्त 2026) को आरपीएफ इंस्पेक्टर बरहरवा, संजीव कुमार को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि हावड़ा-गया एक्सप्रेस से अवैध शराब ले जाई जा रही है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरपीएफ इंस्पेक्टर के नेतृत्व में एएसआई सुरेश पासवान, कांस्टेबल अनिल कुमार साह और कांस्टेबल रमेश यादव की टीम ने बरहरवा रेलवे स्टेशन पर विशेष तलाशी अभियान शुरू किया। ट्रेन के बरहरवा स्टेशन पहुंचते ही आरपीएफ की टीम और साहिबगंज एस्कॉर्ट पार्टी के एएसआई प्रसेनजीत दास एवं कांस्टेबल प्रवीण कुमार राय ने संयुक्त रूप से बरहरवा से तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन के बीच स्लीपर कोच एस-2 और एस-3 में गहन तलाशी ली। तलाशी के दौरान कोच एस-3 के शौचालय में आरपीएफ टीम को संदेह हुआ। जब स्क्रूड्राइवर की मदद से टॉयलेट की छत पर लगे प्लाईवुड पैनल को खोला गया, तो अंदर बने गुप्त चैंबर को देखकर पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए। उस गुप्त स्थान से 500 मिलीलीटर क्षमता वाले कुल 40 थार (कैन) हाबवाइजर मैग्नम्ह बीयर बरामद की गई। जब्त बीयर की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 6,000 बताई जा रही है। तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन रुकने के बाद बरामद बीयर कैन को उतारा गया और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में विधिवत जब्ती सूची तैयार की गई। इसके बाद पूरी खेप को सुरक्षित रूप से आरपीएफ पोस्ट बरहरवा लाया गया। मामले की जानकारी तुरंत उत्पाद विभाग, साहिबगंज को दे दी गई है। जब्त बीयर को झारखंड उत्पाद अधिनियम के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग के सुपुर्द किया जा रहा है। आरपीएफ की इस त्वरित और सतर्क कार्रवाई से ट्रेन के जरिए तस्करी करने वाले गिरोह में हड़कंप मच गया है।

युवा आजसू अधिवेशन में सुदेश महतो का आह्वान संगठन मजबूत करने का युवाओं ने लिया संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : युवा आजसू का दो दिवसीय राज्य स्तरीय अधिवेशन का प्रथम दिन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। जमशेदपुर के सिदगोड़ा स्थित टाउन हॉल में आयोजित अधिवेशन में राज्य के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में युवा प्रतिनिधियों ने भाग लेकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में मांडू विधायक निर्मल महतो (तिवारी महतो), पूर्व मंत्री एवं केंद्रीय प्रधान महासचिव रामचंद्र सहिस तथा गोमिया के पूर्व विधायक एवं केंद्रीय महासचिव डॉ. लम्बोदर महतो शामिल रहे।

अपने प्रेरणादायी संबोधन में सुदेश कुमार महतो ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में झारखंड को नई दिशा देने की जिम्मेदारी युवाओं के कंधों पर है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे जनहित के मुद्दों पर सजग, संगठित और संघर्षशील बनकर राज्य के विकास तथा बेहतर भविष्य के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

उन्होंने कहा, हम युवाओं के हाथों में नेतृत्व देखना चाहते हैं। जब तक युवा आगे बढ़कर नेतृत्व की जिम्मेदारी नहीं संभालेंगे, तब तक प्रदेश की दशा और दिशा नहीं बदल सकती। आजसू पार्टी युवाओं को नेतृत्व सौंपने के संकल्प के साथ यह अधिवेशन आयोजित कर रही है। चुनावी परिणाम चाहे जो हों, आजसू ने हमेशा झारखंड के विकास की एक अलग पहचान बनाई है। इस अधिवेशन के माध्यम से हमारा उद्देश्य कल, आज और आने वाले कल का सशक्त आजसू तैयार करना है।

कार्यक्रम को केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत, केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो, प्रो. रविशंकर मौर्य, संजय मेहता, युवा आजसू के प्रदेश संयोजक टिकैत महतो, अब्दुल जब्बार, पीयूष चौधरी, रविन्द्र ठाकुर, उज्जवल महतो, जमशेदपुर जिला संयोजक मंटू शुक्ला तथा सु राधिका साहू सहित अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन केंद्रीय सचिव हरीश कुमार ने किया।

अधिवेशन में युवा सशक्तिकरण, आर्थिक आत्मनिर्भरता, राजनीतिक भागीदारी, स्वरोजगार तथा संगठन के सुदृढ़ीकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। साथ ही, कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। इस अवसर पर केंद्रीय महासचिव उमेश सिंह भोगता, केंद्रीय सचिव चंद्रगुप्त सिंह, डोमन टुडू, केंद्रीय मीडिया संयोजक परवाज खान, जमशेदपुर जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह, जिला प्रवक्ता अप्पू तिवारी, आजसू छात्रसंघ के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष बबलू महतो, वरीय उपाध्यक्ष ऋतुराज सिंह, सचिव सु अंजू तिर्की, युवा नेता करण महतो, प्रताप सिंह, अमित यादव, राजकिशोर महतो सहित युवा आजसू के बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक नजर

तालाब में डूबने से ठेका मजदूर की मौत

बोकारो : बोकारो थर्मल के कश्मीर कॉलोनी में देर शाम को हुए हादसे में 55 वर्षीय ठेका मजदूर बाना मुण्डा की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक बाना मुण्डा कश्मीर कॉलोनी का निवासी था। संध्या के समय वह कॉलोनी के तालाब में नहाने गया था, इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूब गया। परिजनों ने उसे तत्काल बोकारो थर्मल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाना मुण्डा के पीछे तीन पुत्रियाँ और दो पुत्र हैं। घटना की जानकारी के बाद बोकारो थर्मल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बारीसाखी में लगा स्वास्थ्य शिविर

गिद्धौर (चतरा) : गिद्धौर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बारीसाखी पंचायत गांव के दुर्गा मंडप के समीप शुक्रवार को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन पंचायत समिति प्रतिनिधि परमेश्वर रविदास एवं विकास कुमार बीकू के नेतृत्व में किया गया। स्वास्थ्य कर्मी एमडी इजाइज अंसारी ने बताया कि शिविर में ग्रामीणों की बीपी, शुगर समेत विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी जांच की गई। जांच के बाद जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क दवा भी उपलब्ध कराई गई। शिविर में स्वास्थ्य कर्मी रंगीन देवी, खीरू यादव, उषा देवी, नीलू कुमारी, बेबी कुमारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

कोयला लदे 13 हाईवा पर कार्रवाई

सिमरिया (चतरा) : सिमरिया पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कोयला लदे 13 हाईवा वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की है। जांच के दौरान सभी वाहनों के चालक बिना सीट बेल्ट लगाए और रैश ड्राइविंग करते पाए गए। थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि सिमरिया चौक के पास चलाए गए जांच अभियान के दौरान यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले सभी 13 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई के लिए प्रतिवेदन जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) को भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए जांच अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वज्रपात से आठ मवेशियों की मौत

चतरा : लावालौंग थाना क्षेत्र के कोलकोले गांव में गुरुवार शाम करीब 5 बजे वज्रपात की चपेट में आने से आठ मवेशियों की मौत हो गई। घटना के बाद प्रभावित पशुपालक परिवारों के सामने आर्थिक संकट गहरा गया है। मुखिया राजेश कुमार साव ने बताया कि गांव से करीब चार सौ मीटर दूर मवेशी चर रहे थे। इसी दौरान अचानक बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए मवेशी बरगद के पेड़ के नीचे जाकर खड़े हो गए। इसी बीच अचानक वज्रपात हुआ, जिसकी चपेट में आने से मौके पर ही आठों मवेशियों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, भुनेश्वर भुइयां की चार गाय, प्रभु भुइयां का एक बैल, राजेश भुइयां की एक गाय, विकास रविदास की एक गाय तथा सरजू महतो के एक बैल की वज्रपात से मौत हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि प्रभावित सभी परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हैं और पशुपालन उनकी आय का प्रमुख साधन है। एक साथ आठ मवेशियों की मौत से परिवारों के सामने आजीविका का संकट गहरा गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित पशुपालकों को हुए नुकसान का आकलन कर शीघ्र उचित मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि पीड़ित परिवारों को आर्थिक राहत मिल सके।

ईएसएल स्टील के दो उत्पादों को मिला ग्रीनप्रो प्रमाणन, सतत विकास की दिशा में बड़ी उपलब्धि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : वेदांता आयरन एंड स्टील की अनुषंगी कंपनी ईएसएल स्टील लिमिटेड ने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी के वी-वाइरो वायर रॉड और वी-डकपाइप डक्टाइल आयरन पाइप को प्रतिष्ठित सीआईआई ग्रीनप्रो इकोलेबल प्रमाणन मिला है। इस उपलब्धि के साथ ईएसएल स्टील के तीन प्रमुख इस्पात उत्पाद अब ग्रीनप्रो प्रमाणित हो गए हैं। इनमें वी-एक्सेगा टीएमटी बार, वी-वाइरो वायर रॉड और वी-डकपाइप डक्टाइल आयरन पाइप शामिल हैं। कंपनी ने बताया कि यह प्रमाणन उसकी पर्यावरण-अनुकूल विनिर्माण प्रक्रिया और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा विकसित ग्रीनप्रो इकोलेबल में उत्पादों का उनके पूरे जीवनचक्र के आधार पर मूल्यांकन किया जाता है। इसमें कार्बन उत्सर्जन, पर्यावरणीय प्रभाव, संसाधनों के उपयोग और स्थिरता जैसे मानकों की जांच की जाती है। मानकों को पूरा करने वाले उत्पादों को ग्रीन प्रोडक्ट के रूप में मान्यता दी जाती है।

ईएसएल स्टील लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक रवीश शर्मा ने कहा कि ग्रीनप्रो प्रमाणन जिम्मेदार विनिर्माण, संसाधनों के बेहतर उपयोग और सतत विकास के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कंपनी का लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण इस्पात उत्पादों के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देना है।

ग्रीनप्रो प्रमाणित उत्पादों की मांग हरित भवनों, आधारभूत संरचना परियोजनाओं और पर्यावरण-अनुकूल खरीद प्रक्रियाओं में बढ़ रही है। ईएसएल स्टील ने कहा कि वह नवाचार, ऊर्जा दक्षता और हरित तकनीकों को अपनाकर अपने परिचालन को और अधिक टिकाऊ बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है।

लेढ़िया नदी उफान पर, पुल के ऊपर से बह रहा पानी, आवागमन प्रभावित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मयूरहंड (चतरा) : लगातार हो रही बारिश के कारण जिले के मयूरहंड प्रखंड अंतर्गत नरचाही क्षेत्र स्थित लेढ़िया नदी का जलस्तर बढ़ गया है। नदी का पानी पुल के ऊपर से तेज बहाव के साथ गुजरने लगा है, जिसके कारण मयूरहंड-चौपारण मुख्य मार्ग पर आवागमन प्रभावित हो गया है। यह सड़क दोनों प्रखंडों के बीच आवागमन के साथ-साथ रोजगार और व्यापार की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। पुल के ऊपर पानी का तेज बहाव होने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि प्रत्येक वर्ष बरसात के मौसम में ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है। नदी का जलस्तर बढ़ते ही पुल पानी में डूब जाता है और आवागमन बाधित हो जाता है। इससे ग्रामीणों को दैनिक कार्यों, रोजगार, व्यापार तथा अन्य जरूरी कामों के लिए आने-जाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले का स्थायी समाधान कराने तथा बरसात के दौरान सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

उपायुक्त के नाम-फोटो से फर्जी व्हाट्सऐप अकाउंट संचालित, अलर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

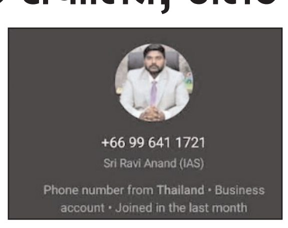

चतरा : जिला प्रशासन, चतरा के संज्ञान में आया है कि उपायुक्त चतरा रवि आनंद के नाम एवं फोटो का उपयोग कर एक कथित फर्जी व्हाट्सऐप अकाउंट संचालित किया जा रहा है। प्रथम दृष्टया यह अकाउंट जिला प्रशासन अथवा उपायुक्त का आधिकारिक व्हाट्सऐप अकाउंट प्रतीत नहीं होता। जिला प्रशासन ने आमजनों से अपील की है कि ऐसे किसी भी व्हाट्सऐप नंबर, सोशल मीडिया अकाउंट अथवा अन्य माध्यम से प्राप्त संदेश, कॉल या किसी प्रकार के आर्थिक लेन-देन, व्यक्तिगत जानकारी साझा करने अथवा अन्य अनुरोध पर बिना सत्यापन के विश्वास न करें। यदि किसी व्यक्ति को उपायुक्त के नाम या फोटो का उपयोग कर संचालित किसी संदिग्ध अकाउंट से संदेश, कॉल अथवा अन्य गतिविधि प्राप्त होती है, तो इसकी सूचना तत्काल स्थानीय थाना अथवा जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने की अपील की गई है, ताकि आवश्यक विधिसम्मत कार्रवाई की जा सके। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी आधिकारिक सूचना, निर्देश अथवा जनहित से संबंधित जानकारी केवल प्रशासन के अधिकृत माध्यमों एवं आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से ही प्रसारित की जाती है। प्रशासन ने नागरिकों से साइबर ठगी तथा फर्जी सोशल मीडिया एवं मैसेजिंग अकाउंट से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल संबंधित प्राधिकार को देने की अपील की है।

राशन कार्ड रद्द होने से गरीब परिवारों में बढ़ी नाराजगी, खाद्यान्न संकट की चिंता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुंदा (चतरा) : कुंदा प्रखंड क्षेत्र में बड़ी संख्या में राशन कार्ड रद्द किए जाने के बाद लाभुकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। गरीब परिवारों का कहना है कि वे मेहनत-मजदूरी कर किसी तरह परिवार का भरण-पोषण करते हैं और सरकारी राशन उनके लिए बड़ा सहारा है। ऐसे में राशन कार्ड रद्द होने से उनके सामने खाद्यान्न संकट उत्पन्न हो गया है। लाभुक बिनीता देवी ने बताया कि उनका परिवार पूरी तरह मजदूरी पर निर्भर है। इसके बावजूद उनका राशन कार्ड रद्द कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद सरकारी खाद्य योजना के लाभ से वंचित होने के कारण परिवार के सामने दो वक्त की रोटी का संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि उनके पास न तो सरकारी नौकरी है और न ही आय का कोई स्थायी स्रोत। इसके बावजूद उनका नाम राशन कार्ड की सूची से हटा दिया गया है। ऐसे में कई गरीब परिवारों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लाभुक मनिता देवी और सुमित्रा देवी ने प्रशासन से मांग की है कि रद्द किए गए राशन कार्डों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। उनका कहना है कि यदि कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल है तो उसका कार्ड रद्द किया जाए, लेकिन पात्र एवं गरीब परिवारों के राशन कार्ड पुनः बहाल किए जाएं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जल्द समाधान नहीं होने पर कई परिवारों के सामने भोजन का संकट गहरा सकता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग से शीघ्र हस्तक्षेप कर पात्र लाभुकों को राहत देने तथा जांच के बाद उनके राशन कार्ड दोबारा जारी करने की मांग की है। इधर, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी शिवा कुमार ने बताया कि जिला आपूर्ति कार्यालय के निदेर्शानुसार जिन लोगों की वार्षिक आय छह लाख रुपये से अधिक है, जिनके पास चारपहिया वाहन, बड़ा पक्का मकान या पर्याप्त भूमि है, उन्हें राशन कार्ड के लिए अपात्र घोषित किया गया है। अधिकारियों के अनुसार इसी आधार पर राशन कार्डों का सत्यापन एवं कार्रवाई की जा रही है।

कोल साइडिंग को लेकर रैयतों-मजदूर किसान सोसाइटी की बैठक, मांगों पर अड़े ग्रामीण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गिद्धौर (चतरा) : जिले के गिद्धौर प्रखंड अंतर्गत द्वारी कोल साइडिंग को लेकर शुक्रवार को रैयतों एवं मजदूर किसान सोसाइटी की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में कोल साइडिंग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए स्थानीय लोगों के हितों की रक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण मांगें उठाई गईं। वक्ताओं ने स्पष्ट कहा कि जब तक उनकी मांगों पर सहमति नहीं बनती, तब तक कोल डंपिंग अथवा अन्य निर्माण कार्य नहीं होने दिया जाएगा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि कंपनी अथवा प्रशासन द्वारा जबरन कार्य शुरू करने का प्रयास किया गया तो रैयत, ग्रामीण एवं सोसाइटी के सदस्य चरणबद्ध आंदोलन करने को बाध्य होंगे। बैठक में सर्वसम्मति से मांग की गई कि कोल साइडिंग में होने वाले सभी कार्य स्थानीय रैयतों एवं मजदूर किसान सोसाइटी के माध्यम से कराए जाएं, ताकि क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों को रोजगार मिल सके। साथ ही रेलवे लाइन एवं कोल साइडिंग निर्माण के दौरान किसानों के खेतों से उठाई गई मिट्टी के कारण बने गड्ढों को समतल कराने की मांग भी उठाई गई। ग्रामीणों ने कहा कि निर्माण कार्य से प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। वहीं, प्रदूषण से प्रभावित परिवारों के लिए भी ठोस राहत एवं क्षतिपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कोयला ढुलाई के लिए अलग सड़क निर्माण की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। ग्रामीणों का कहना है कि भारी वाहनों के गांव की सड़कों से गुजरने के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं और आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में कंपनी अलग परिवहन मार्ग का निर्माण कराए तथा भारी वाहनों से होने वाले नुकसान की भरपाई भी करे। बैठक में आरोप लगाया गया कि प्रकाश रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कोल डंपिंग का कार्य जल्दबाजी एवं दबाव के साथ शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है। रैयतों एवं सोसाइटी सदस्यों ने इसका विरोध करते हुए कहा कि स्थानीय लोगों की सहमति और लंबित मांगों के समाधान के बिना किसी भी प्रकार का कार्य स्वीकार नहीं किया जाएगा। इधर, सूत्रों के अनुसार शुक्रवार से कोल डंपिंग कार्य शुरू होने की सूचना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने कोल डंपिंग स्थल के आसपास निगरानी बढ़ा दी है तथा पुलिस गश्ती भी तेज कर दी गई है, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। फिलहाल स्थानीय लोगों की नजर प्रशासन और कंपनी की अगली पहल पर बनी हुई है।

संक्षिप्त खबरें

बिजली संकट के खिलाफ सड़क पर उतरे लोग, कैंडल लेकर किया प्रदर्शन

हंटरगंज (चतरा) : हंटरगंज प्रखंड में लंबे समय से जारी अनियमित विद्युत आपूर्ति के खिलाफ शुक्रवार को लोगों का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। लगातार बिजली कटौती से परेशान व्यवसायी, किसान, छात्र, महिलाएं और आम उपभोक्ता एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां और कैंडल लेकर बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा जल्द बिजली व्यवस्था सुधारने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान हंटरगंज बाजार भी आंशिक रूप से बंद रहा। लोगों ने कहा कि समय पर बिजली बिल की वसूली की जाती है, लेकिन इसके बावजूद नियमित बिजली आपूर्ति नहीं मिल रही है। अनियमित विद्युत आपूर्ति के कारण व्यापार प्रभावित हो रहा है, किसानों की सिंचाई बाधित है, छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और आम लोगों का दैनिक जीवन भी मुश्किल हो गया है। आंदोलनकारियों ने बिजली विभाग को 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी कि निर्धारित समय के भीतर बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो 9 अगस्त को ग्रिड कार्यालय के बाहर विशाल धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बिजली अब केवल सुविधा नहीं, बल्कि प्रत्येक परिवार, व्यापार और कृषि के लिए मूलभूत आवश्यकता बन चुकी है। लंबे समय से जारी बिजली संकट का तत्काल समाधान किया जाना जरूरी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और बिजली विभाग से अविलंब ठोस कदम उठाकर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि क्षेत्रवासियों को लगातार हो रही परेशानियों से राहत मिल सके।

एक रुपये में हजारों शिवभक्तों को बाबा गौरीनाथ धाम के दर्शन कराएगा युवा लायंस फोर्स

बोकारो : युवा लायंस फोर्स ने सावन के अंतिम सोमवार को लेकर शिवभक्तों की सेवा के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष सह कांग्रेस नेता देव शर्मा ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी बोल बम जत्थे में शामिल श्रद्धालुओं को मात्र एक रुपये में बाबा गौरीनाथ जी के दर्शन कराने की व्यवस्था की गई है। जेल मोड़, कमलडीह में आयोजित बैठक के दौरान देव शर्मा ने सेवा शिविर की तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि 9 अगस्त को शिवभक्तों को पोशाक, गमछा, कांवर, वाहन सुविधा, चिकित्सा सहायता, फल, मिठाई और भोजन सहित अन्य जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि युवा लायंस फोर्स पिछले 14 वर्षों से यह सेवा अभियान चला रहा है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों, आर्थिक रूप से कमजोर और दूर-दराज के उन श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शन कराना है, जो आर्थिक परेशानी के कारण यात्रा नहीं कर पाते हैं। देव शर्मा ने बताया कि इस वर्ष कार्यक्रम को विशेष रूप से आयोजित किया जा रहा है। हालांकि, समाजसेवी और डाक बम सेवा समिति को पहचान दिलाने वाले शिवभक्त अजय राय के असामयिक निधन के कारण शोभायात्रा को स्थगित किया गया है। श्रद्धालुओं के लिए पोशाक और कांवर एक दिन पहले ही उनके घरों तक पहुंचाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पहली बार जेल मोड़ के समीप विशाल सेवा शिविर लगाया जाएगा, जिसमें प्रसिद्ध कलाकार सुदेश सिंह की प्रस्तुति भी होगी। इसके अलावा वाहन सेवा दल के साथ इस बार बाइक सेवा दल का गठन किया गया है, जो दामोदर नदी से गौरीनाथ धाम तक जरूरतमंद शिवभक्तों की सहायता करेगा। बैठक में युवा लायंस फोर्स के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

10 अगस्त का देशव्यापी जेल भरो आंदोलन ऐतिहासिक होगा : संयुक्त किसान मोर्चा

बोकारो : संयुक्त किसान मोर्चा के देशव्यापी जेल भरो आंदोलन के समर्थन में बोकारो में भी आंदोलन की तैयारी तेज कर दी गई है। मोर्चा के घटक दलों के नेताओं ने शुक्रवार को बिरसा आश्रम, बोकारो में प्रेस वार्ता कर कहा कि 10 अगस्त को होने वाला जेल भरो आंदोलन ऐतिहासिक होगा। प्रेस वार्ता में ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के राज्य सचिव कुमुद महतो, झारखंड क्रांतिकारी मजदूर यूनियन के डीसी गोहाई, एक्टू के देवदीप सिंह दिवाकर, दिलीप ओझा, एआईटीसीयू के बीडी प्रसाद, एटक के रामाश्रेय प्रसाद सिंह, एआईयूटीसी के मोहन चौधरी, आरएस शर्मा, महिला क्रांतिकारी संगठन की प्रतिमा देवी और लक्ष्मी देवी, किसान सभा के सकुर अंसारी एवं विश्वनाथ बनर्जी, झारखंड ग्रामीण किसान मजदूर सभा के राजू महतो और संयुक्त किसान मोर्चा के जगन्नाथ रजवार मौजूद थे। नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा ने देशव्यापी जेल भरो आंदोलन का आह्वान किया है। आंदोलन के दौरान भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते का विरोध, सभी फसलों पर सी-2 लागत से 50 प्रतिशत अधिक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी, किसानों की संपूर्ण कर्ज माफी, बीज विधेयक 2025 वापस लेने सहित कई मांगें उठाई जाएंगी। संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं ने कहा कि चार श्रम संहिताओं को वापस लेने, प्रीपेड स्मार्ट मीटर और बिजली के निजीकरण पर पूरी तरह रोक लगाने तथा विकसित भारत शिक्षा अभियान विधेयक 2025 को वापस लेने जैसी मांगों को लेकर आंदोलन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बोकारो जिला कमेटी की ओर से 10 अगस्त को चास-बोकारो मुख्य मार्ग स्थित गरगा पुल को अवरुद्ध कर जेल भरो आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान कार्यकर्ता गिरफ्तारी देंगे। नेताओं ने बताया कि आंदोलन को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां और औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं।

वन अधिकार समिति की बैठक में 20 दावों पर हुई समीक्षा, 6 व्यक्तिगत वन पट्टा दावे स्वीकृत

चतरा : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में जिला स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुमंडल स्तरीय वन अधिकार समिति से प्राप्त व्यक्तिगत वन पट्टा दावों की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान सिमरिया अनुमंडल अंतर्गत टंडवा अंचल के ग्राम चिरलौंगा एवं उलातु से प्राप्त कुल 20 व्यक्तिगत वन पट्टा दावों पर विचार किया गया। अनुमंडल स्तरीय वन अधिकार समिति की अनुशंसा, वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप परीक्षण के बाद 6 व्यक्तिगत वन पट्टा दावों को सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृत दावों का कुल रकबा 13 .53 एकड़ है। वहीं, शेष 14 व्यक्तिगत वन पट्टा दावों की समीक्षा में पाया गया कि वे वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों एवं निर्धारित मानदंडों की पूर्ति नहीं करते हैं। इसके बाद समिति ने सर्वसम्मति से उक्त दावों को आवश्यक कार्रवाई एवं पुनर्विचार के लिए संबंधित ग्राम वन अधिकार समिति को वापस भेजने का निर्णय लिया। उपायुक्त रवि आनंद ने कहा कि वन अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त सभी दावों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नियमानुसार परीक्षण सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र लाभुकों को समयबद्ध तरीके से उनका अधिकार उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में दक्षिणी वन प्रमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया, जिला कल्याण पदाधिकारी, समिति की सदस्य सोभा कुजूर, सदस्य सरजू उरांव सहित संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त डायरी

मुजफ्फरपुर में हथियार के बल पर बाइक और मोबाइल की लूट, विरोध करने पर की मारपीट

पटना (एजेंसी) हथियार के बल पर बाइक व मोबाइल की लूट, विरोध करने पर पीटाहथियार के बल पर बाइक और मोबाइल की लूट, विरोध करने पर की मारपीट मुजफ्फरपुर के बोचहां में हथियारबंद बदमाशों ने एक कर्मी से बाइक और मोबाइल लूटा। विरोध करने पर की मारपीट, पुलिस मामले की जांच में जुटी। मुजफ्फरपुर जिले के बोचहां थाना क्षेत्र के कटरा-मझौली मुख्य मार्ग पर बिहार सरकार भवन के समीप देर शाम अपराधियों ने हथियार के बल पर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया है. बाइक पर सवार दो बदमाशों ने एक निजी कंपनी में कार्यरत कर्मी से उसकी बाइक और मोबाइल लूट ली. विरोध करने पर बदमाशों ने उसके साथ मारपीट भी की और आसानी से फरार हो गए. काम से घर लौट रहे कर्मी को बनाया निशाना पीड़ित की पहचान सदर थाना क्षेत्र के मादापुर गांव निवासी रंजीत राजा के पुत्र अभिषेक कुमार के रूप में हुई है. पीड़ित ने बताया कि वह भूसरा चौक पर बिजली का कार्य पूरा कर अपने घर लौट रहा था. बोचहां थानाध्यक्ष यशवंत कुमार मिश्रा ने बताया कि पीड़ित के आवेदन के आधार पर थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है. बदमाशों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है. इसके साथ ही घटनास्थल के आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि अपराधियों का सुराग मिल सके. पुलिस के अनुसार, घटना देर शाम की है और मामले के शीघ्र उद्भेदन के लिए जांच अभियान तेज कर दिया गया है.

सिर्फ 7 महीने के लिए खत्म हुआ उपेंद्र कुशवाहा का टेंशन, फिर बेटे की मंत्री कुर्सी पर संकट

पटना (एजेंसी) दीपक प्रकाश आखिरकार एमएलसी बन गए है. अब उनका मंत्री पद सुरक्षित हो गया है. दीपक का मंत्री पद बचाने के लिए बीजेपी नेता देवेश कुमार को इस्तीफा देना पड़ा. इसी बीच सवाल उठ रहा है कि उपेंद्र कुशवाहा के बेटे का मंत्री पद बच तो गया है लेकिन उनका टेंशन सिर्फ 7 महीने के लिए खत्म हुआ है. ऐसे में उनके पास क्या विकल्प बचा है? राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने फिलहाल अपने बेटे और मंत्री दीपक प्रकाश की कुर्सी बचा ली है. राज्यपाल ने दीपक प्रकाश को विधान परिषद का मनोनीत सदस्य बना दिया है. उनका कार्यकाल मार्च 2027 तक ही रहेगा. यानी उन्हें अभी सिर्फ करीब सात महीने की राहत मिली है. अगर इसके बाद भी दीपक प्रकाश को मंत्री बने रहना है तो उपेंद्र कुशवाहा को फिर बीजेपी से एक और एमएलसी सीट की जरूरत पड़ेगी. फिलहाल उपेंद्र कुशवाहा ने बड़ी परेशानी टाल दी है, लेकिन आने वाले सात महीने उनके लिए आसान नहीं होंगे. माना जा रहा है कि इस दौरान बीजेपी,के अपने दल में विलय का दबाव बढ़ा सकती है. अब कुशवाहा क्या फैसला लेते हैं, उसी पर उनकी और उनके परिवार की आगे की राजनीति काफी हद तक निर्भर करेगी. अपनी ही पार्टी में भी चुनौती उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी में चार विधायक हैं. इनमें उनकी पत्नी स्नेहलता कुशवाहा भी शामिल हैं. बाकी तीन विधायक- माधव आनंद, आलोक सिंह और रामेश्वर महतो पहले भी अलग होने की स्थिति में पहुंच गए थे. उस समय दीपक प्रकाश को मंत्री बनाए जाने के बाद पार्टी में नाराजगी बढ़ गई थी. बाद में उपेंद्र कुशवाहा ने नेताओं को अलग-अलग जिम्मेदारी देकर मामला संभाल लिया था. उस पूरे घटनाक्रम ने उपेंद्र कुशवाहा को यह संकेत दे दिया था कि उनकी पार्टी तब तक सुरक्षित है, जब तक बीजेपी उसे तोड़ने की कोशिश नहीं करती. इसलिए मौजूदा हालात में भी उन्हें अपने राजनीतिक फैसले बेहद सोच-समझकर लेने होंगे. सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था मंत्री बने रहने का मामला दीपक प्रकाश बिना किसी सदन के सदस्य बने दोबारा मंत्री बनाए गए थे. इसी को लेकर मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया. कोर्ट ने इस पर हैरानी जताई और सम्राट चौधरी सरकार से जवाब मांगा. इसके बाद यह मला उपेंद्र कुशवाहा के पक्ष में जाता दिखा. जून में विधान परिषद की 10 सीटों के चुनाव हुए थे,

पटना: हादसे में युवक की मौत, गुस्साए लोगों ने पुलिस पर किया पथराव; बस समेत कई गाड़ियां फूंकी

पटना (एजेंसी) पटना सिटी के बाईपास थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में युवक की मौत के बाद ग्रामीणों का गुस्सा भड़क उठा. ठल्ह-30 जाम कर उग्र प्रदर्शन किया गया, जिसमें वाहनों में आगजनी और पथराव की घटनाएं हुईं. पटना सिटी. अगमकुआं थाना क्षेत्र के बड़ी और छोटी पहाड़ी चौराहा के पास तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से 27 वर्षीय युवक की मौत के बाद इलाके में जमकर बवाल हो गया. हादसे से आक्रोशित लोगों ने नेशनल हाईवे को जाम कर हंगामा शुरू कर दिया. स्थिति तब और बिगड़ गई जब गुस्साए लोगों ने एक खाली बस में के साथ कई वाहनों में आग लगा दी और तोड़फोड़ की. घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया. लोगों के अनुसार पहाड़ी मोहल्ला निवासी युवक मनीष उर्फ उपेंद्र सड़क पार कर रहा था, तभी

तेज रफ्तार से आ रही बस ने उसे कुचल दिया. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई. हादसे की खबर फैलते ही स्थानीय लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर जुट गए और गुस्से का माहौल बन गया. स्साए लोगों ने किया सड़क जाम युवक की मौत से आक्रोशित लोगों ने बड़ी और छोटी पहाड़ी चौराहा के पास सड़क जाम कर दिया. लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए काफी देर तक हंगामा किया. नेशनल हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन पूरी तरह ठप हो गया. प्रदर्शन ने लिया उग्र रूप प्रदर्शन के दौरान कुछ उपद्रवियों ने स्थिति को और भड़का दिया. सड़क किनारे लगे बस को निशाना बनाते हुए उसमें आग लगा दी. इसके अलावा कई वाहनों पर पथराव कर तोड़फोड़ की गई. आधा दर्जन से अधिक वाहनों के शीशे तोड़ दिए गए और खासकर दुपहिया वाहनों को निशाना बनाया गया. सीसीटीवी कैमरों को तोड़ दिया गया. इसके साथ ही जिला प्रशासन के कई वाहनों में आग लगा दी गई. आगजनी की इस घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराने की कोशिश की. लेकिन हालात काबू में नहीं आई. इसी दौरान उपद्रवियों ने पुलिस पर भी पथराव शुरू कर दिया. जवाब में पुलिस और उपद्रवियों के बीच जमकर पत्थरबाजी हुई, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई. वहीं बस में लगी आग को बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम भी पहुंची और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया इसी दौरान पुलिस ने मृतक युवक मनीष उर्फ उपेंद्र के शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया. पुलिस प्रशासन ने लोगों को शांत कराने के बाद धीरे-धीरे सड़क जाम हटवाया. ट्रैफिक पूरी तरह ठप 0 पर जाम के कारण यातायात पूरी तरह बाधित हो गया. सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई. राहगीरों और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. कई लोग घंटों जाम में फंसे रहे. पुलिस ने कही कार्रवाई की बात मौके पर पहुंचे एएसपी राजकिशोर सिंह ने बताया कि हादसे के बाद कुछ समय के लिए विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो गई थी, जिसे अब नियंत्रित कर लिया गया है. उन्होंने कहा कि सड़क जाम हटा दिया गया है और मामले में विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी. भारी पुलिस बल तैनात स्थिति को देखते हुए पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है. प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश जारी है और दोषियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. इलाके में तनाव, प्रशासन अलर्ट घटना के बाद पूरे बाईपास थाना क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है. प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है. साथ ही यह भी कहा गया है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें. अंडरपास की मांग उठी घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बड़ी और छोटी पहाड़ी को जोड़ने के लिए अंडरपास निर्माण की मांग उठाई है. लोगों का कहना है कि चौराहा पार करने में हमेशा खतरा बना रहता है. अगर अंडरपास बन जाए तो इस तरह के हादसों से बचा जा सकता है.

लालू परिवार के बाद अब पखऊनेताओं के बीच भी कलह, कौन हैं शक्ति सिंह यादव जिनसे MLA भाई वीरेंद्र हैं नाराज

पटना (एजेंसी) राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव की इन दिनों चर्चा काफी ज्यादा हो रही है. रोहिणी आचार्य, तेज प्रताप यादव, मृत्युंजय तिवारी के बाद अब राजद के भाई वीरेंद्र ने उन पर आरोप लगाए हैं. इस तरह से आरजेडी में अपने ही नेताओं के बीच कलह अब खुलकर सामने आने लगी है. बिहार की राजनीति में राष्ट्रीय जनता दल के अंदर चल रही खींचतान एक बार फिर सुर्खियों में है. अब तक लालू परिवार में ही नाराजगी की खबर थी लेकिन अब यह पार्टी के नेताओं के बीच भी देखा जा रहा है. बांकीपुर उपचुनाव के नतीजों को लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेता भाई वीरेंद्र ने संगठन की कार्यशैली और तेजस्वी यादव

के आसपास रहने वाले कुछ नेताओं पर सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने कहा कि चुनाव परिणामों की गंभीर समीक्षा होनी चाहिए और ऐसे लोगों को संगठन से हटाया जाना चाहिए, जिनकी वजह से पार्टी की छवि प्रभावित हो रही है. भाई वीरेंद्र के इस बयान के बाद आरजेडी में एक बार फिर अंदरूनी विवाद खुलकर सामने आ गया. पार्टी के मुख्य प्रवक्ता शक्ति यादव ने पलटवार करते हुए भाई वीरेंद्र से सवाल किया कि उन्होंने पार्टी के लिए क्या योगदान दिया है? इस बयान के बाद दोनों नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज हो गई. भाई वीरेंद्र के निशाने पर कौन? भाई वीरेंद्र ने सीधे तौर पर किसी एक नेता का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके बयान के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चा शुरू हो गई कि उनका इशारा तेजस्वी यादव के करीबी नेताओं की ओर है. इसके बाद शक्ति यादव का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में आने लगा. पार्टी से इस्तीफा दे चुके मृत्युंजय तिवारी ने भी तेजस्वी यादव के करीबियों पर निशाना साधा था. उन्होंने कुछ लोगों पर तेजस्वी यादव को घेरकर रखने और पार्टी के फैसलों पर प्रभाव बढ़ने का आरोप लगाया था. मृत्युंजय तिवारी के अलावा लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य और बड़े बेटे तेज प्रताप यादव भी समय-समय पर पार्टी के अंदरूनी फैसलों और कुछ नेताओं की भूमिका को लेकर नाराजगी जाहिर कर चुके हैं. शक्ति सिंह यादव के बारे में जानिए शक्ति सिंह यादव, आरजेडी के प्रमुख चेहरों में शामिल हैं. वह पार्टी के मुख्य प्रवक्ता हैं और तेजस्वी यादव के करीबी नेताओं में उनकी गिनती होती है. उन्होंने अपनी राजनीतिक करियर की शुरूआत आरजेडी के साथ ही की थी. 2015 के विधानसभा चुनाव में शक्ति यादव ने नालंदा जिले की हिलसा विधानसभा सीट से आरजेडी के टिकट पर चुनाव लड़ा था. इस चुनाव में उन्होंने जीत हासिल कर पहली बार विधानसभा में कदम रखा था. तेजस्वी यादव ने भंग की सभी जिला और प्रखंड कमेटियां नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बांकीपुर उपचुनाव में मिली हार के बाद एक्शन मोड में दिखे. उन्होंने बिहार की सभी सांगठनिक कमेटियों को तत्काल प्रभाव से खत्म कर दिया है. इसमें जिला, प्रखंड और पंचायत स्तर की सभी इकाइयां शामिल हैं. इससे साफ है कि पार्टी अब पुरान संगठन के आधार पर काम नहीं करेगा. ऐसे में अब आगे तेजस्वी यादव पार्टी से जुड़े कौन-कौन से फैसले लेते हैं, यह देखना होगा.

झारखंड

क्षेत्रीय गणित-विज्ञान व्यवस्था बैठक और प्रश्न निर्माण कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : शहर के गोला रोड स्थित रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में तीन दिवसीय क्षेत्रीय गणित-विज्ञान व्यवस्था बैठक सह प्रश्न निर्माण कार्यशाला का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन लोक शिक्षा समिति, उत्तर बिहार के प्रदेश सचिव रामलाल सिंह, क्षेत्रीय विज्ञान संयोजक राजाराम शर्मा, विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव शंकर लाल अग्रवाल, सर्वेंद्र कुमार साहू एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रवीण ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती

के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्पार्चन कर किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आगामी विद्या भारती क्षेत्रीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता की तैयारी, सुव्यवस्थित आयोजन और उच्च गुणवत्ता वाले प्रश्न-पत्रों का निर्माण करना है। इस वर्ष क्षेत्रीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन रामगढ़ में होना सुनिश्चित हुआ है। इसी को लेकर तीन दिवसीय कार्यशाला में झारखंड और बिहार के विभिन्न विद्यालयों से आए प्रधानाचार्य एवं आचार्य प्रतियोगिता की रूपरेखा, प्रश्न निर्माण एवं आयोजन संबंधी व्यवस्थाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श करेंगे। प्रदेश सचिव रामलाल सिंह ने कहा कि विद्या भारती की प्रत्येक प्रतियोगिता केवल प्रतिभा प्रदर्शन का मंच नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन, संगठन एवं राष्ट्र निर्माण का माध्यम है।

पटमदा प्रखंड के आजसू पार्टी के कार्यकर्ता युवा अधिवेशन में हुए शामिल

पटमदा : जमशेदपुर में आयोजित आजसू पार्टी के राज्य स्तरीय युवा आजसू अधिवेशन में पटमदा प्रखंड के कार्यकर्ता प्रखंड अध्यक्ष अजीत महतो के नेतृत्व में शामिल हुए। इस दौरान जिला सचिव रामकृष्ण महतो, प्रखंड अध्यक्ष अजीत महतो,उपाध्यक्ष भक्त रंजन कुंभकार, युवा नेता हरेन्द्र नाथ महतो, केदार महतो,रवि गोप, आदि उपस्थित थे।

पुनः खुले 28 मर्ज विद्यालयों में एमडीएम संचालन का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के डीएसई उर्मिला हांसदा ने जिले के बोरियो/बरहेट/पतना/मंडरो/ताल झारी के बीइओ एवं बीपीओ को पत्र भेजकर पुनः खोले गये मर्ज विद्यालयों के पोषक क्षेत्र अन्तर्गत शिशु पंजी में दर्ज बच्चों की संख्या के आलोक में विद्यालयों में विभागीय आदेश का पालन करते हुए छात्रों का नामांकन निहित प्रक्रिया के तहत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

साथ हीं विद्यालय संचालन के पश्चात नामांकित बच्चों की उपस्थिति अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने को कहा है। इसके अलावे डीएसई ने कुछ बिंदुओं पर अनुपालन का निर्देश दिया है।

विद्यालय संचालन की आवश्यकताएँ

डीएसई ने पत्र में निर्देश दिया है कि पुनः खोले गए मर्ज विद्यालय जर्जर स्थिति में हो, तो भवन की साफ-सफाई करायी जाय। तथा मध्यान भोजन की तैयारी एवं सामग्री का भंडारण हेतु उपयुक्त एवं साफ-सुथरा कक्ष आवश्यक है। विद्यालय के एमडीएम योजना के विभिन्न मदों हेतु रोकड़ पंजी/आय-व्यय पंजी/चावल प्राप्ति/व्यय पंजी एवं आवश्यक पंजी का नियमित संधारण विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक से करवाया जाय। विद्यालय में मध्यान भोजन योजना के सफल संचालन हेतु सभी उपेक्षित आवश्यक कार्रवाई करना सुनिश्चित की जाय।

रिपोर्टिंग और डेटा प्रबंधन

डीएसई ने निर्देश दिया है कि एसएमएस एवं एमआईएस पोर्टल पर पुनः खोले गये 28 विद्यालयों का नाम दर्ज करने हेतु विहित प्रपत्र में उल्लेखित डाटा का हार्ड/सॉफ्ट कॉपी का पत्र निर्गत कर तीन दिनों के अंदर उपलब्ध कराया जाय। इसके अलावे डीएसई ने सभी बीइओ को निर्देश दिया है कि पुनः खोले गए 28 विद्यालयों में एमडीएम संचालनोंपरान्त विद्यालय के छात्रवार वास्तविक उपस्थिति एवं वास्तविक उपस्थिति के आधार पर रसोईया का विवरण उपलब्ध कराया जाय। इसके साथ हीं संबंधित विद्यालयों में विभागीय संकल्प संख्या में उल्लेखित निहित शर्तों के अधीन विद्यालय प्रबंधन समिति एवं सरस्वती वाहिनी व माता समिति का नियमानुसार गठन करते हुए समिति का बैंक खातों को पुर्नजीवित करने की कारवाई की जाय तथा पूर्ण जीवित नहीं होने की स्थिति में निकटतम राष्ट्रीयकृत बैंक में नया खाता खोलने संबंधी कार्रवाई की जाय।

सदर अस्पताल में महिला चिकित्सक अनुपस्थिति कारण, गर्भवती महिला प्रसव के लिए तड़पती रही

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सदर अस्पताल में महिला चिकित्सक की अनुपस्थिति के कारण शुक्रवार तड़के एक गर्भवती महिला को प्रसव के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। समय पर चिकित्सकीय सुविधा नहीं मिलने से परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अंततः महिला को निजी अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया। मामले की शिकायत सिविल सर्जन समेत अन्य अधिकारियों से की गई है। मिली जानकारी अनुसार राजमहल निवासी विक्रम प्रताप की पत्नी पूजा कुमारी पाल (24) को प्रसव पीड़ा होने पर राजमहल अनुमंडल अस्पताल से रेफर किया गया था। परिजनों ने उन्हें शुक्रवार सुबह करीब 3:30 बजे सदर अस्पताल में भर्ती कराया।

आरोप है कि उस समय अस्पताल में कोई महिला चिकित्सक मौजूद नहीं थीं। महिला के पति विक्रम प्रताप ने बताया कि एएनएम से महिला चिकित्सक के बारे में जानकारी लेने पर संतोषजनक जवाब नहीं मिला। करीब चार घंटे तक इंतजार करने के बावजूद महिला डॉक्टर अस्पताल नहीं पहुंचीं, जबकि प्रसूता की पीड़ा लगातार बढ़ती जा रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि इस दौरान अस्पताल के उपाधीक्षक को भी फोन किया गया, लेकिन कॉल का जवाब नहीं मिला। परिजनों के अनुसार स्थिति गंभीर होने पर सुबह करीब आठ बजे वे प्रसूता को निजी अस्पताल ले जाने के लिए मजबूर हो गए। विक्रम प्रताप ने आरोप लगाया कि सदर अस्पताल में 24 घंटे आपातकालीन प्रसूति सेवा उपलब्ध नहीं है और महिला चिकित्सकों की नियमित उपस्थिति नहीं की जा रही है। उन्होंने इस मामले की शिकायत सिविल सर्जन, उप विकास आयुक्त सहित अन्य अधिकारियों से की है। सिविल सर्जन ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

प्रशासनिक निर्देशों के पालन पर उठे सवाल

गौरतलब है कि उपायुक्त ने पूर्व में सदर अस्पताल में महिला चिकित्सकों की ऑन-कॉल ड्यूटी व्यवस्था समाप्त कर नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। ऐसे में ताजा घटना के बाद अस्पताल की व्यवस्था और निर्देशों के अनुपालन पर भी सवाल उठने लगे हैं।

सैमसंग ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर विजन एआई टीवी डील्स की घोषणा की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सैमसंग इंडिया ने अपने नवीनतम विजन एआई तकनीक से लैस बड़े स्क्रीन वाले टीवी को बढ़ावा देने के लिए "बिग सेलिब्रेशन, बिगर स्क्रीन, बिगेस्ट इमोशंस" नाम से एक विशेष कैम्पेन शुरू किया है। यह देशव्यापी कैम्पेन ग्राहकों को प्रीमियम टेलीविजन में अपग्रेड करने के लिए प्रोत्साहित करता है, ताकि उन्हें ज्यादा स्मार्ट, पर्सनलाइज्ड और शानदार होम एंटरटेनमेंट का अनुभव मिल सके।

> सैमसंग के 'बिग सेलिब्रेशन, बिगर स्क्रीन, बिगेस्ट इमोशंस' कैम्पेन के तहत प्रीमियम टीवी रेंज पर शानदार ऑफर्स का लाभ उठाएं

इस कैम्पेन का मुख्य आकर्षण सैमसंग की अत्याधुनिक विजन एआई तकनीक है। यह तकनीक बिक्सबी, परप्लेक्सिटी और माइक्रोसॉफ्ट कोपायलट जैसे एआई प्लेटफॉर्म्स के साथ मिलकर ग्राहकों को उनकी पसंद के हिसाब से टीवी देखने का ज्यादा पर्सनलाइज्ड और स्मार्ट अनुभव देती है। ये सुविधाएं सैमसंग के नवीनतम माइक्रो आरजीबी, ओएलईडी, नियो क्यूएलईडी, मिनी एलईडी और क्रिस्टल यूएचडी टीवी मॉडल्स में उपलब्ध हैं, जो सिनेमा, खेल और रोजमर्रा के मनोरंजन का अनुभव सीधे ग्राहकों के लिविंग रूम तक पहुंचाते हैं।

चयनित सैमसंग विजन एआई बिग टीवी पर ग्राहकों को कई आकर्षक ऑफर्स का लाभ मिलेगा। इनमें 1,02,990 रुपये तक का मुफ्त साउंडबार, 5,29,990 रुपये तक का मुफ्त टीवी, 20 प्रतिशत तक कैशबैक, जीरो डाउन पेमेंट और 36 महीने तक की आसान ईएमआई जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इसके अलावा, इस कैम्पेन के तहत ग्राहकों को सैमसंग टीवी प्लस, सैमसंग केयर+, सैमसंग फिनांस+, सैमसंग साउंड+ और सैमसंग आर्ट+ जैसी वैल्यू-ऐडेड सेवाओं का लाभ भी मिलेगा। साथ ही, इन टीवी के लिए सात वर्षों तक ऑपरेटिंग सिस्टम अपग्रेड की सुविधा भी दी जाएगी। विजन एआई तकनीक से लैस सैमसंग के टीवी देशभर में सैमसंग के रिटेल स्टोर्स, Samsung.com, फ्लिपकार्ट और अमेजन पर उपलब्ध हैं। इस अभियान के जरिए सैमसंग का लक्ष्य स्मार्ट एआई फीचर्स, बड़े स्क्रीन और आकर्षक त्योहारी ऑफर्स को साथ लाकर प्रीमियम होम एंटरटेनमेंट को भारत भर के ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों तक पहुंचाना है।

इंडस्ट्री में महिला कलाकारों को अक्सर वह पहचान नहीं मिलती जिसकी वे हकदार हैं

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीता जी का रोल करने वाली मुनमुन दत्ता ने हाल ही में बताया कि इंडस्ट्री में औरतों को लेकर भेदभाव किया जाता है। उन्हें उतना क्रेडिट नहीं दिया जाता, जितना वो डिजर्व करती हैं। शो के बारे में भी एक्ट्रेस ने काफी कुछ कहा।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता, बबीता जी का रोल निभाकर घर-घर में पहचानी जाने लगीं। हाल ही में उन्होंने कहा कि इस लंबे समय से चल रहे शो में महिलाओं के योगदान के लिए उन्हें अधिक पहचान मिलनी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि वे शो और अपने किरदारों में बहुत योगदान देती हैं। TMKOC के 18 साल पूरे होने के मौके पर हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुनमुन ने अपनी महिला को-स्टार्स के लिए तारीफ जाहिर की। उन्होंने उनके हुनर, कमिटमेंट और प्रोफेशनलिज्म की तारीफ की। एक्ट्रेस ने खुद को मजबूत फेमिनिस्ट बताया और कहा कि उन्होंने शो में दूसरी महिलाओं को कभी भी कॉम्पिटिशन के तौर पर नहीं देखा।

उन्होंने कहा, 'मैं लड़कियों का साथ देने वाली और पुराने ख्यालों वाली इंसान हूं। मैं एक मजबूत फेमिनिस्ट हूं। मेरा मानना है कि अगर आगे बढ़ना है, तो साथ मिलकर बढ़ना होगा। मुझे यहां किसी से भी कभी असुरक्षा महसूस नहीं हुई।' मुनमुन ने शो की कास्ट के पुराने और नए, दोनों तरह के सदस्यों की तारीफ की और कहा कि शो की कामयाबी में सभी का अहम योगदान रहा है।

उन्होंने कहा, 'हमारी कास्ट में कुछ बेहतरीन सदस्य हाल ही में शामिल हुए हैं और वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। हर कोई अपने-अपने तरीके से शानदार काम कर रहा है।' इसके बाद एक्ट्रेस ने अपनी महिला साथियों का खास जिक्र किया।

'तारक मेहता' की एक्ट्रेसेस अलग

उन्होंने गोकुलधाम सोसाइटी की महिलाओं का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस की अलग-अलग तारीफ की और उनके साथ काम करने के अनुभव को शानदार, समझदार और बेहतरीन बताया। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही शो की कामयाबी का पूरा श्रेय उन्हें नहीं मिलता, लेकिन वे शो और इस मशहूर सिटकॉम में अपने किरदारों में बहुत कुछ नया और खास जोड़ती हैं।

महिलाओं को कम आंका जाता है

उन्होंने कहा, 'मैं इन शानदार महिलाओं के साथ काम करके बहुत खुश हूं। हमारा रिश्ता बहुत अच्छा है और मुझे लगता है कि वे सभी कमाल की हैं।' मुनमुन ने यह भी कहा कि शो की सफलता में बराबर का योगदान देने के बावजूद महिला कलाकारों को अक्सर वह पहचान नहीं मिलती जिसकी वे हकदार होती हैं। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी महिलाओं को उतना महत्व नहीं दिया जाता।'

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के 18 साल पूरे

उन्होंने आगे कहा कि कलाकारों के बीच आपसी तालमेल और प्रोफेशनलिज्म की वजह से ही यह सिटकॉम लगभग दो दशकों से दर्शकों का पसंदीदा बना हुआ है। मुनमुन ने कहा, 'हम सभी रोज आते हैं, अपना बेस्ट देते हैं और पूरी ईमानदारी और प्रोफेशनलिज्म के साथ काम करते हैं। कोई छिपा हुआ एजेंडा नहीं है। हम सच में एक-दूसरे के काम की तारीफ करते हैं।' जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि 28 जुलाई को 18 साल पूरे करने के बाद 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' भारतीय टेलीविजन के सबसे लंबे समय तक चलने वाले सिटकॉम में से एक बन गया है।

वामसी पेडिपल्ली की फिल्म के लिए सलमान खान ने घटाई फीस

सलमान खान का सिनेमा की दुनिया में अलग ओहदा है। वे इंडस्ट्री के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले सितारों में शामिल हैं। फिलहाल भाईजान आगामी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके बाद उनके पास डायरेक्टर वामसी पेडिपल्ली की फिल्म 'SVC63' है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि 'SVC63' फिल्म के लिए उन्होंने अपनी फीस कम की है।

कितनी फीस ले रहे सलमान खान?
रिपोर्ट्स की मानें तो डायरेक्टर वामशी के साथ अपनी आने वाली फिल्म के लिए सलमान खान ने एक चौंकाने वाला फैसला किया है। बताया जा रहा है कि सलमान 'SVC63' के लिए 70 करोड़ रुपये बतौर फीस ले रहे हैं। आमतौर पर उनकी फीस फिल्मों के लिए 120 करोड़ रुपये होती है। मगर, वामसी के लिए मिलने वाली रकम काफी कम है।

भाईजान ने दोस्ती की खातिर लिया फैसला?

इंडस्ट्री से जुड़े एक शख्स के मुताबिक, यह फैसला रफी काजी के साथ सलमान की दोस्ती की वजह से लिया गया। कहा जाता है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट को शुरू करने में मदद की और वे इसके प्रोड्यूसर में से भी एक होंगे। सूत्र ने 'फ्री प्रेस जर्नल' को बताया, 'सलमान, जिनकी मार्केट वैल्यू पिछले लगभग 20 वर्षों से हर फिल्म के लिए 120 करोड़ रुपये से ज्यादा रही है। मगर, उन्होंने स्ङ्क्ष्63 के मेकर्स को यह छूट इसलिए दी है, क्योंकि उनके पुराने दोस्त रफी काजी इस प्रोजेक्ट में मीडिएटर हैं'।

क्या मुनाफे में हिस्सा लेंगे सलमान?

बता दें कि इस फिल्म के निर्माता दिल राजू होंगे। वहीं, रफी का नाम भी फिल्म के निर्माताओं में शामिल होगा। दोस्ती की वजह से ही सलमान अपनी फीस में बड़ी कटौती करने के लिए तैयार हुए हैं। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि सलमान ने फिल्म के मुनाफे में हिस्सेदारी के लिए कोई बातचीत की है या नहीं। सूत्रों का कहना है कि उन्हें किसी भी बैकएंड डील के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

बॉलीवुड छोड़ना चाहती थीं यामी गौतम

माता-पिता ने बहुत साथ दिया

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम ने बताया है कि एक समय ऐसा आया था, जब वह बॉलीवुड छोड़ने ही वाली थीं। यामी ने माना कि 2019 में 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' और 'बाला' फिल्मों ने उनके करियर की दिशा बदल दी। 'विकी डोनर' (2012) से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली अभिनेत्री ने बताया कि बेहतर मौकों के इंतजार में ऐसे रोल भी स्वीकार करने पड़ते थे जो पसंद नहीं थे।

हिमाचल जाना चाहती थीं यामी
यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने कभी बॉलीवुड छोड़ने के बारे में सोचा था? इस पर यामी ने कहा 'हां। असल में, 'उरी' और 'बाला' से ठीक पहले, मैंने इंडस्ट्री को पूरी तरह छोड़ने का मन बना लिया था। मैंने सोचा था कि मैं हिमाचल लौट जाऊंगी। वहां हमारी खेती की जमीन है। मैंने एक बिल्कुल अलग जिंदगी शुरू करने के बारे में सोचा था। मेरे माता-पिता ने मेरा बहुत साथ दिया। उन्होंने बस इतना कहा, 'घर आ जाओ'।'

अभिनेत्री ने सीखी एक चीज

37 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि इस अनुभव ने उन्हें उनके करियर का एक बहुत जरूरी सबक सिखाया। वह यह कि अपने फैसलों पर डर को हावी न होने देना। 'उरी' ने न सिर्फ यामी गौतम के करियर को आगे बढ़ाया, बल्कि उन्हें डायरेक्टर आदित्य धर के करीब भी लाया, जिनसे वह फिल्म के सेट पर मिली थीं। बाद में दोनों ने 2021 में शादी कर ली और 2024 में उनके घर पहले बच्चे, एक बेटे 'वेदविद' का जन्म हुआ। इतने वर्षों में यामी ने कई तरह की फिल्में की हैं, जिनमें 'दसवीं', 'चोर निकल के भागा', 'ओएमजी 2', 'हक' और 'आर्टिकल 370' जैसी फिल्में शामिल हैं।

यामी को मिला नेशनल फिल्म अवॉर्ड
हाल ही में उन्हें 'आर्टिकल 370' में उनकी बेहतरीन एक्टिंग के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। यह फिल्म भारतीय संविधान के आर्टिकल 370 के तहत जम्मू-कश्मीर का स्पेशल स्टेटस खत्म किए जाने की 2019 की घटना पर आधारित है।

एक्टिंग में ईमानदारी सबसे जरूरी

प्रियंशी यादव ने टीवी की दुनिया में अलग पहचान बनाने के लिए काफी मेहनत की है। उन्होंने अपने करियर में कई किरदार निभाए और हर प्रोजेक्ट से कुछ नया सीखा। उन्होंने गुरु पूर्णिमा को लेकर अपनी जिंदगी के उस शख्स का जिक्र किया, जिसने उन्हें सिर्फ एक बेहतर कलाकार ही नहीं, बल्कि एक बेहतर इंसान बनने में भी मदद की।

जब प्रियंशी से पूछा कि ऐसा कौन सा किरदार, भूमिका या अनुभव रहा, जिसने उन्हें एक कलाकार और इंसान के तौर पर बदलने में मदद की, तो उन्होंने कहा, मैंने जिन भी शोज में काम किया है, उन सभी से मैंने कुछ नया सीखा है। हर अनुभव ने मुझे आगे बढ़ने में मदद की है। मैं कहना चाहूंगी कि रोहित राज गोयल के साथ काम करना मेरे सबसे अच्छे अनुभवों में से एक रहा है। उन्होंने मुझे किरदार को समझना, उसे स्वाभाविक तरीके से निभाना और सबसे जरूरी बात, किरदार को सिर्फ परफॉर्म करना नहीं, बल्कि उसे जीना सिखाया। अभिनेत्री ने कहा कि एक कलाकार के लिए सबसे जरूरी बात यह होती है कि वह अपने किरदार के साथ ईमानदार रहे। उन्होंने बताया कि रोहित राज गोयल ने उन्हें समझाया कि किसी भी सीन को करते समय कलाकार को सिर्फ अपनी लाइन बोलने पर ध्यान नहीं देना चाहिए, बल्कि उस किरदार की भावनाओं को महसूस करना चाहिए। यही बात अभिनय को खास बनाती है।

प्रियंशी ने बताया, शुरुआत में मैं कई बार शूटिंग से पहले काफी घबरा जाती थी। किसी सीन को करने से पहले चिंता होने लगती थी और मैं नर्वस महसूस करती थी। तब रोहित ने मुझे एक ऐसी सलाह दी, जिसने मेरी सोचने का तरीका बदल दिया। रोहित ने मुझसे कहा कि जिस दिन अंदर से घबराहट और बेहतर करने की इच्छा पूरी तरह खत्म हो जाए और यह सोचना शुरू हो जाए कि मुझे सब आता है, तो आप उस दिन से एक अच्छा कलाकार नहीं बन पाओगे। एक अभिनेता के अंदर हमेशा यह भावना रहनी चाहिए कि वह अपने काम को और बेहतर कर सकता है।

प्रियंशी ने कहा, इस सीख ने मुझे काफी प्रभावित किया। नर्वस होना या किसी सीन को लेकर चिंतित होना गलत नहीं है, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि कलाकार अपने काम को लेकर गंभीर है। लेकिन, उस डर को संभालकर अपने अभिनय में ईमानदारी लाना जरूरी है। प्रियंशी यादव इन दिनों जी टीवी के शो तुझसे है राब्ता दिल में में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस शो में वह वृंदा का किरदार निभा रही हैं। शो की कहानी तीन किरदारों संजय, स्वाति और वृंदा की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी राहें आपस में जुड़ती हैं और रिश्तों, भावनाओं और कई उतार-चढ़ाव से भरा सफर शुरू होता है।

सलमान की सलाह पर अपना नाम बदलकर कियारा रखा

कियारा आडवाणी आज बॉलीवुड की सबसे चर्चित और सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने अपनी सादगी और अभिनय के दम पर लाखों लोगों का दिल जीता। उनके इस स्टारडम के पीछे अभिनेता सलमान खान का खास योगदान रहा।

दरअसल, सलमान ने कियारा को सलाह दी थी कि अगर उन्हें इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनानी है, तो उनकी पहचान भी सबसे अलग होनी चाहिए। इस सलाह के बाद एक्ट्रेस ने ऐसा कदम उठाया कि वह दुनियाभर में पहचानी जाने लगीं। उनका असली नाम आलिया आडवाणी है। जब कियारा फिल्मों में आने की तैयारी कर रही थीं, तब उनका नाम आलिया आडवाणी था। उस समय आलिया भट्ट बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बना चुकी थीं। ऐसे में सलमान खान ने उन्हें सलाह दी कि अगर वह इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनाना चाहती हैं, तो उन्हें एक अलग नाम अपनाना चाहिए। कियारा ने कई इंटरव्यू में बताया कि सलमान खान की सलाह पर उन्होंने अपना नाम बदलकर कियारा रख लिया। यह नाम उन्हें प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'अंजाना अंजानी' के एक किरदार से पसंद आया था। बाद में यही नाम उनकी नई पहचान बन गया।

साल 2014 में कियारा ने फिल्म 'फगली' से बॉलीवुड में कदम रखा। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। साल 2016 में उनकी किस्मत बदली। उन्हें 'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' में साक्षी धोनी का किरदार निभाने का मौका मिला। यह फिल्म बड़ी हिट साबित हुई और कियारा को पूरे देश में पहचान मिल गई। इसके बाद उन्होंने तेलुगु फिल्म 'भारत अने नेनु' में महेश बाबू के साथ काम किया। यह फिल्म भी सुपरहिट रही और कियारा ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत पहचान बना ली।

साल 2018 में नेटफ्लिक्स की 'लस्ट स्टोरीज' में उनका अलग अंदाज देखने को मिला। इसके बाद 2019 में रिलीज हुई 'कबीर सिंह' उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में शामिल हो गई। फिल्म में उन्होंने प्रीति का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसी साल आई 'गुड न्यूज' भी बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। इस फिल्म में अभिनय के लिए उन्हें आईफा अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का सम्मान मिला। इसके बाद कियारा ने 'गिल्टी', 'लक्ष्मी', 'इंदू की जवानी', 'शेरशाह', 'भूल भुलैया 2', 'जुगजुग जियो', 'गोविंदा नाम मेरा', 'सत्यप्रेम की कथा', 'गेम चेंजर' और 'वॉर 2' जैसी फिल्मों में काम किया। 'शेरशाह' और 'सत्यप्रेम की कथा' में उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई और इन फिल्मों के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की श्रेणी में नामांकन भी मिला।

संन्यास के बाद रहाणे की नई शुरुआत, यूरोपीय टी-20 लीग में बने मार्की प्लेयर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के कुछ ही दिनों बाद अपने भविष्य को लेकर तस्वीर साफ कर दी है। 14 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहने वाले रहाणे ने कहा कि उन्हें अपने फैसले को लेकर कोई पछतावा नहीं है। उनका कहना है कि उन्होंने खिलाड़ी के तौर पर अपना 200 प्रतिशत दिया और अब वह दुनिया भर की टी20 लीग में खेलते हुए अपना अनुभव साझा करना चाहते हैं। साथ ही, भविष्य में कोच और मेंटर की भूमिका निभाने को लेकर भी वह उत्साहित हैं।रहाणे को यूरोप की पहली आईसीसी-सैंक्शन प्राप्त टी20 लीग यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के उद्घाटन सत्र के लिए एम्सटर्डम फ्लेम्स का मार्की प्लेयर बनाया गया है। लीग का पहला सत्र 26 अगस्त से 20 सितंबर तक खेला जाएगा, जिसमें छह शहर आधारित फ्रेंचाइजी 33 मुकाबलों में हिस्सा लेंगी। रहाणे ने 30 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी। अब वह नई भूमिका में यूरोपीय क्रिकेट के विकास का हिस्सा बनेंगे। उन्होंने कहा कि यूरोप क्रिकेट के लिए एक रोमांचक नए दौर में प्रवेश कर रहा है और वह इस क्षेत्र में खेल के विकास में योगदान देना चाहते हैं। एम्सटर्डम फ्लेम्स के सह-संस्थापक और मुख्य क्रिकेट अधिकारी तथा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने रहाणे का स्वागत करते हुए उनके कौशल, धैर्य, विनम्रता और नेतृत्व क्षमता की तारीफ की। उन्होंने कहा कि रहाणे का अनुभव और व्यक्तित्व टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा।

'मुझे कोई पछतावा नहीं'

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के फैसले पर रहाणे ने कहा कि उन्होंने करीब एक महीने तक इस फैसले पर विचार किया था। उन्होंने खुद से बार-बार सवाल किया कि क्या उन्हें किसी चीज का पछतावा है या कुछ अलग करना चाहते थे, लेकिन उन्हें इसका जवाब हमेशा नहीं मिला।रहाणे ने कहा, 'मैं अपने फैसले से बहुत खुश हूं। मैंने अपने नियंत्रण में जो कुछ था, उससे भी ज्यादा किया और हर बार अपना 200 प्रतिशत दिया।' उन्होंने कहा कि करियर के अंत में यह महसूस होना कि उन्होंने अपना सब कुछ दे दिया, उनके लिए सबसे अच्छी भावना है।

कोच -मेंटर बनने में भी दिलचस्पी

रहाणे ने भविष्य में कोचिंग और मेंटरशिप की संभावना से भी इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी के तौर पर अलग-अलग परिस्थितियों से गुजरने के कारण वह खिलाड़ियों की मानसिकता को अच्छी तरह समझते हैं।उन्होंने कहा कि फिलहाल उनकी प्राथमिकता क्रिकेट खेलना और दुनिया भर की लीग में अपना अनुभव साझा करना है, लेकिन उन्हें लगता है कि वह आगे चलकर एक अच्छे कोच और मेंटर साबित हो सकते हैं। उनके मुताबिक खिलाड़ियों का प्रबंधन, कोचिंग और मेंटरशिप उनके अनुभव का स्वाभाविक विस्तार होगा।

संक्षिप्त समाचार

मोहम्मद अशफाक ने नेशनल रिकॉर्ड तोड़कर बनाई फाइनल में जगह

यूजीन। भारत के मोहम्मद अशफाक ने वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों की 400 मीटर दौड़ के फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-20 का नेशनल रिकॉर्ड भी ध्वस्त किया। 19 साल के अशफाक ने हीट 5 में 45.81 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई किया। उन्होंने अप्रैल में बेंगलुरु में हुई अंडर 20 फेडरेशन कप में बनाए अपने ही 46.05 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ा।

सेमीफाइनल हीट 3 में, अशफाक ने 46.00 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया और फाइनल में जगह बनाई। अशफाक के साथी खिलाड़ी पीयूष राज हीट 6 में 47.78 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे और फाइनल राउंड में जगह बनाने से चूक गए। पुरुषों की हाई जंप में, बसंत ने 2.14 मीटर की जंप के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया और क्वालिफिकेशन ग्रुप ए में पांचवें स्थान पर रहे। के. अम्ब्रीश 2.05 मीटर की अपनी सर्वश्रेष्ठ जंप के साथ क्वालिफिकेशन ग्रुप बी में 12वें स्थान पर रहे और क्वालिफाई नहीं कर पाए। गौरतलब है कि किसी भी ग्रुप का कोई भी एथलीट 2.21 मीटर का ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क पार नहीं कर पाया। महिलाओं की शॉट पुट स्पर्धा में, अंशु फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं। उन्होंने 15.24 मीटर की सर्वश्रेष्ठ थ्रो की, जो फाइनल क्वालिफिकेशन कटऑफ से 21 सेंटीमीटर कम थी। इस तरह वह ग्रुप ए में 9वें और क्वालिफिकेशन राउंड में कुल मिलाकर 14वें स्थान पर रहीं। भारत की तनु चौधरी को महिलाओं की 400 मीटर हर्डल्स हीट में निराशा हाथ लगी। वह 1:00.03 के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहीं और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाईं। पुरुषों की 400 मीटर हर्डल्स में, अमित कुमार हीट में 54.01 सेकंड के समय के साथ सबसे पीछे रहे। पुरुषों की ट्रिपल जंप क्वालिफिकेशन में, धनुष राज और पी. रॉयशन फाइनल में जगह नहीं बना पाए। उन्होंने क्रमशः 14.71 मीटर और 15.20 मीटर की सर्वश्रेष्ठ दूरी तय की। इस बीच, अमानत कंबोज ने महिलाओं के डिस्कस थ्रो फाइनल में 53.24 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए छठा स्थान हासिल किया।

सालाह दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर इस टीम से जुड़े; लिवरपूल से छूटा था नौ साल का साथ

इस्तांबुल। मिस्र के कप्तान मोहम्मद सालाह 'लिवरपूल' छोड़ने के बाद दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर 'ट्रैबजोनस्पोर' से जुड़ गए हैं। सालाह ने लिवरपूल के साथ शानदार नौ साल बिताए थे, जिसके बाद उन्होंने तुर्किये सुपर लीग क्लब के साथ 'फ्री ट्रांसफर' के जरिए जुड़ने का फैसला किया है। यह कदम सालाह और लिवरपूल के बीच आपसी सहमति से कॉन्ट्रैक्ट को एक साल पहले खत्म करने के फैसले के बाद उठाया गया है, जिससे 2025-26 सीजन के बाद एनफील्ड में उनका कार्यकाल समाप्त हो गया। सालाह के जाने से लिवरपूल के आधुनिक इतिहास के सबसे सफल अध्यायों में से एक का समापन हुआ है। सालाह साल 2017 की गर्मियों में इटैलियन क्लब एएस रोमा से यहां आए थे, जिसके बाद इस मिस्र के खिलाड़ी ने क्लब के अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाते हुए लिवरपूल की घरेलू और यूरोपीय सफलता में अहम भूमिका निभाई। एनफील्ड में सालाह ने लिवरपूल को दो प्रीमियर लीग खिताब, यूईएफए चैंपियंस लीग, फीफा क्लब वर्ल्ड कप, यूईएफए सुपर कप, एफए कप, दो लीग कप और एफए कम्युनिटी शील्ड जीतने में मदद की। इस फॉरवर्ड खिलाड़ी ने मर्सीसाइड क्लब के लिए 435 मुकाबलों में 255 गोल दागे और लिवरपूल की अब तक की सर्वाधिक गोल करने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर रहे। उन्होंने चार बार प्रीमियर लीग 'गोल्डन बूट' भी जीता। लिवरपूल में सालाह का आखिरी सीजन चुनौतीपूर्ण रहा; उन्हें नियमित रूप से खेलने का समय नहीं मिल रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तत्कालीन हेड कोच अर्ने स्लॉट के साथ सालाह के संबंध खराब हो गए थे, जिसके बाद दोनों पक्षों ने उनके कॉन्ट्रैक्ट को समय से पहले खत्म करने पर सहमति जताई।

संन्यास के बाद भी बरकरार सचिन का जलवा भारत के शीर्ष-पांच सेलिब्रिटी ब्रांड्स में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट से संन्यास लिए एक दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद सचिन तेंदुलकर की लोकप्रियता और ब्रांड वैल्यू में कोई कमी नहीं आई है। क्रोल इंडिया सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन 2025 रिपोर्ट के अनुसार, सचिन 125.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ भारत के शीर्ष पांच सेलिब्रिटी ब्रांड्स में अपनी जगह बनाए हुए हैं। वह देश के इकलौते रिटायर्ड खिलाड़ी हैं, जो लगातार भारत के शीर्ष-10 सेलिब्रिटी ब्रांड्स में शामिल हैं।

ब्रांड्स की पहली पसंद बने हुए हैं सचिन

रिपोर्ट के मुताबिक, सचिन तेंदुलकर की विश्वसनीय छवि, ईमानदारी और वर्षों से बनी प्रतिष्ठा उन्हें आज भी विभिन्न क्षेत्रों के बड़े ब्रांड्स के लिए आकर्षक चेहरा बनाए हुए है। यही वजह है कि रिटायरमेंट के बाद भी उनकी ब्रांड वैल्यू लगातार बढ़ रही है और कंपनियां उन्हें अपने साथ जोड़ना चाहती हैं।

क्रिकेट में बनाए कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड

सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट इतिहास के सबसे महान बल्लेबाजों में गिना जाता है। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 34,357 रन दर्ज हैं। टेस्ट और वनडे दोनों प्रारूपों में सबसे अधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम है। दिलचस्प बात यह है कि वनडे क्रिकेट में उनका पहला शतक 79वें मैच में आया था, लेकिन इसके बाद उन्होंने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी।

कायम हैं कई बड़े कीर्तिमान

मास्टर ब्लास्टर के नाम सबसे ज्यादा 200 टेस्ट मैच खेलने का रिकॉर्ड है। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 15921 रन, 51 शतक और 2058 चौके लगाए। वह सिर्फ 300 पारियों में 15000 टेस्ट रन पूरे करने वाले सबसे तेज बल्लेबाज भी हैं।वनडे क्रिकेट में सचिन का करियर 22 साल 91 दिन तक चला, जो इस प्रारूप के सबसे लंबे करियर में से एक है। वर्ष 1998 में उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 1,894 रन और नौ शतक लगाए, जो आज भी रिकॉर्ड है। इसके अलावा उनके नाम वनडे में सबसे ज्यादा 145 अर्धशतक, 2,016 चौके और सिर्फ 440 पारियों में सबसे तेज 18,000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। मैदान पर अपने शानदार प्रदर्शन की तरह ही सचिन तेंदुलकर का ब्रांड प्रभाव भी आज तक कायम है।

वार्म-अप मैच से पहले बड़ा झटका, शुभमन चोटिल

पहले दिन नहीं करेंगे फील्डिंग, राहुल संभाल रहे कप्तानी

कोलंबो। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल श्रीलंका दौरे पर जाते ही चोटिल हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जानकारी दी कि गुरुवार को अभ्यास सत्र के दौरान गिल के दाएं हाथ की रिंग फिंगर में इम्पैक्ट इंजरी हुई है। एहतियात के तौर पर उन्हें श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय वार्म-अप मैच के पहले दिन फील्डिंग से बाहर रखा गया है।

बीसीसीआई ने दिया अपडेट

बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा, 'कप्तान शुभमन गिल को गुरुवार के अभ्यास के दौरान दाएं हाथ की रिंग फिंगर में चोट लगी। सावधानी के तौर पर वह वार्म-अप मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।' बोर्ड ने यह भी बताया कि गिल की गैरमौजूदगी में अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल टीम की कप्तानी करेंगे।

कोलंबो में खेला जा रहा अभ्यास मैच

कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड में खेले जा रहे तीन दिवसीय अभ्यास मैच में श्रीलंका इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। हालांकि, अगर आज भारतीय टीम की बल्लेबाजी आती है तो गिल इसके लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं, इस पर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

भारत के लिए यह चोट चिंता का विषय हो सकती है, क्योंकि 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होनी है। टीम प्रबंधन उम्मीद करेगा कि कप्तान जल्द पूरी तरह फिट होकर सीरीज के पहले टेस्ट तक उपलब्ध हो जाएं। जसप्रीत बुमराह पहले ही चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो चुके हैं, जबकि साई सुदर्शन को अभी तक फिटनेस क्लीयरेंस नहीं मिला है।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का स्क्वॉड: शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन और आकिब नबी।

चयनकर्ता नॉर्थ ने बताई जो रूट को टेस्ट कप्तान बनाने की वजह

नई दिल्ली। इंग्लैंड के राष्ट्रीय चयनकर्ता मार्कस नॉर्थ ने खुलासा किया है कि बेन स्टोक्स के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद टेस्ट टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक को नहीं, बल्कि अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को सौंपने का फैसला क्यों लिया गया। उनका कहना है कि चयन समिति हैरी ब्रूक पर तीनों प्रारूपों की कप्तानी का अतिरिक्त दबाव नहीं डालना चाहती थी।

हैरी ब्रूक पर ज्यादा जिम्मेदारी नहीं डालना चाहता था बोर्ड

35 वर्षीय जो रूट इससे पहले भी इंग्लैंड की टेस्ट टीम की कप्तानी कर चुके हैं, जबकि 27 वर्षीय हैरी ब्रूक फिलहाल वनडे और टी20 टीम के कप्तान हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चयनकर्ताओं का मानना था कि ब्रूक पर तीनों प्रारूपों की कप्तानी का बोझ डालना फिलहाल सही फैसला नहीं होगा। इसी वजह से अनुभवी जो रूट को एक बार फिर टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई।

तीनों फॉर्मेट की कप्तानी किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी चुनौती

मार्कस नॉर्थ ने गुरुवार को स्थानीय मीडिया से कहा कि हैरी ब्रूक तीनों प्रारूपों में इंग्लैंड के लिए अहम खिलाड़ी हैं और सीमित ओवरों की कप्तानी में लगातार परिपक्वता दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हैरी ब्रूक हमारे लिए तीनों प्रारूपों में शानदार खिलाड़ी रहे हैं। वह टीम का बेहद अहम हिस्सा हैं। उनकी कप्तानी हर सीरीज के साथ बेहतर होती जा रही है। इस गर्मी में हमारी टी20 टीम दुनिया की नंबर-1 टीम बनी, जो उनकी नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है।'नॉर्थ ने आगे कहा, 'अगले साल होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए वह ब्रेंडन मैकुलम के साथ सीमित ओवरों की टीम पर पूरा फोकस कर रहे हैं। ऐसे में तीनों प्रारूपों की कप्तानी किसी भी खिलाड़ी के लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है।'

टेस्ट कप्तान बन सकते हैं हैरी ब्रूक

हालांकि, नॉर्थ ने साफ किया कि हैरी ब्रूक को भविष्य की टेस्ट कप्तानी की दौड़ से बाहर नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि हैरी का समय भी आएगा। लेकिन फिलहाल हमारे पास जो रूट जैसा अनुभवी खिलाड़ी है, जो इस भूमिका को बखूबी निभा सकता है। वहीं, हैरी ब्रूक और ब्रेंडन मैकुलम सीमित ओवरों की टीम पर अपना पूरा ध्यान दे सकेंगे।'

पहली बार बने थे टेस्ट कप्तान

जो रूट पहली बार 2017 में इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बने थे। उन्होंने रिकॉर्ड 64 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी की और 28 मुकाबलों में जीत दिलाई। अप्रैल 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 विकेट की हार के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी थी। अब बेन स्टोक्स के संन्यास के बाद एक बार फिर उन्हें टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई है।

प्रज्ञानंद ने जीता सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज का खिताब

सेंट लुईस। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने एक राउंड बाकी रहते हुए ही ग्रैंड चेस टूर सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज का खिताब अपने नाम किया। प्रज्ञानंद और उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के बीच आखिरी मुकाबले का अंत ड्रॉ पर होने के साथ ही भारतीय ग्रैंडमास्टर का खिताब पक्का हो गया। 20 साल के भारतीय खिलाड़ी ने कुल 35 में से 23 पॉइंट हासिल करके चैंपियनशिप को अपने नाम किया। शानदार टूर्नामेंट के बाद सिंदारोव ने 22 पॉइंट के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि वेस्ली सो 20.5 पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

लेवोन अरोनियन 19 पॉइंट के साथ चौथे स्थान पर रहे, और फैबियानो कारुआना, लीनियर डोमिंग्वेज और जॉर्डन वैन फॉरेस्ट 17 पॉइंट के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहे। प्रज्ञानंद को बिना किसी प्लेऑफ के सीधे जीत हासिल करने पर 50,000 अमेरिकी डॉलर और 13 ग्रैंड चेस टूर पॉइंट मिले। इस नतीजे से प्रज्ञानानंद सिंकफील्ड कप से पहले ग्रैंड चेस टूर स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। हालांकि फैबियानो अभी भी ओवरऑल ग्रैंड चेस टूर स्टैंडिंग में सबसे आगे हैं।

प्रज्ञानंद ने पांच दिन के इस इवेंट में शुरू से आखिर तक बढ़त बनाए रखी। सिंदारोव ने आखिरी दौर में कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए और 1.5 प्वाइंट के अंतर से उपविजेता रहे। जून में, प्रज्ञानंद प्रतिष्ठित नॉर्वे चेस खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच चुके हैं।

सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में 31 जुलाई से सात अगस्त तक सेंट लुइस चेस क्लब में दस बेहतरीन ग्रैंडमास्टर शामिल हुए। पांच दिनों के खेल में, खिलाड़ियों ने 9 रैपिड राउंड और 18 ब्लिट्ज राउंड खेले। इस दौरान कुल मिलाकर 135 गेम हुए, जिनमें सिंकफील्ड कप और जीसीटी ग्रैंड फाइनल से पहले महत्वपूर्ण टूर पॉइंट दांव पर थे।

इस टूर्नामेंट में दो तेज गति वाले फॉर्मेट शामिल रहे। नौ-राउंड का सिंगल राउंड-रॉबिन रैपिड टूर्नामेंट (जो 25 मिनट के टाइम कंट्रोल और पहली चाल से ही 10-सेकंड के इंक्रीमेंट के साथ खेला जाता है) और 18-राउंड का डबल राउंड-रॉबिन ब्लिट्ज टूर्नामेंट (जो पांच मिनट के टाइम कंट्रोल और पहली चाल से ही दो-सेकंड के इंक्रीमेंट के साथ खेला जाता है)। रैपिड में जीत पर दो पॉइंट और ड्रॉ पर एक पॉइंट मिलता है, जबकि ब्लिट्ज में जीत पर एक पॉइंट और ड्रॉ पर 0.5 पॉइंट मिलता है।

आखिरी मुकाबला रहा ड्रॉ, फिर भी बने चैंपियन

अनुच्छेद 370 की बरसी पर अनंतनाग रैली के नारों पर विवाद

-विपक्ष के विरोध के बाद भाजपा ने दी सफाई

अनंतनाग (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने की सातवीं बरसी पर अनंतनाग में निकाली गई एक रैली के दौरान लगाए गए कथित आपत्तिजनक नारों को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। सोशल मीडिया पर रैली के वीडियो सामने आने के बाद विपक्षी दलों ने इसे कश्मीरी महिलाओं का अपमान बताते हुए भाजपा पर निशाना साधा। बढ़ते विवाद के बीच जम्मू-कश्मीर भाजपा ने इन नारों से खुद को अलग करते हुए स्पष्ट किया कि यह पार्टी का आधिकारिक रुख नहीं है।

5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त कर जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन करते हुए इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया था। इसकी सातवीं बरसी पर भाजपा ने विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए, जबकि विपक्षी दलों ने इस दिन को विरोध दिवस के रूप में मनाया। अनंतनाग में भाजपा की ओर से निकाली गई रैली के दौरान कुछ नारों को लेकर विवाद खड़ा हो गया। विपक्ष का आरोप है कि रैली में कश्मीरी भाषा के ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिन्हें स्थानीय समाज में महिलाओं के सम्मान और गरिमा से जोड़कर देखा जाता है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि इन शब्दों का प्रयोग जिस संदर्भ में किया गया, वह महिलाओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। उनका आरोप है कि इस तरह के नारे कश्मीर की सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं के विपरीत हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस समेत अन्य विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि महिलाओं से जुड़े सम्मानजनक संबोधनों का राजनीतिक नारों में इस प्रकार इस्तेमाल स्वीकार्य नहीं है। विपक्ष ने इसे पूरे समाज के सम्मान से जुड़ा विषय बताते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। विवाद बढ़ने के बाद जम्मू-कश्मीर भाजपा ने बयान जारी कर कहा कि पार्टी महिलाओं के सम्मान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की अपमानजनक टिप्पणी का समर्थन नहीं करती। पार्टी के अनुसार यदि रैली के दौरान कुछ व्यक्तियों ने अपनी व्यक्तिगत सोच के आधार पर कोई नारा लगाया है, तो उसे भाजपा की आधिकारिक नीति या विचारधारा नहीं माना जाना चाहिए। पार्टी ने कहा कि विवादित नारे संगठन या रैली का नेतृत्व कर रहे नेताओं के आधिकारिक विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद यह मामला राजनीतिक बहस का विषय बन गया है। विपक्ष भाजपा से सार्वजनिक माफी की मांग कर रहा है, जबकि भाजपा का कहना है कि पार्टी का महिलाओं के सम्मान पर रुख स्पष्ट है और किसी भी व्यक्ति की व्यक्तिगत टिप्पणी को संगठन की आधिकारिक राय नहीं माना जा सकता।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश, येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सहित पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम ने फिर करवट बदली है। बीती देर रात से दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद सहित विभिन्न इलाकों में लगातार हो रही झमाझम बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार, 7 अगस्त के लिए तेज बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें सुबह और पूर्वाह्न के दौरान मध्यम से भारी वर्षा की चेतावनी है। इस झमाझम बारिश ने जहां लोगों को उमस और गर्मी से बड़ी राहत दी है, वहीं कई प्रमुख मार्गों पर जलभराव और टूटी सड़कों पर बने गहरे गड्ढों ने यातायात को बुरी तरह बाधित किया है। लगातार दो दिनों की बारिश से अधिकतम तापमान में करीब 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे मौसम सुहावना हो गया है। हालांकि, सुबह दफ्तर जाने वाले लोगों और स्कूल वाहनों को सड़कों पर लंबी कतारों के कारण खासी परेशानी झेलनी पड़ी। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 7 अगस्त को अधिकतम तापमान 32 और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है, साथ ही दिनभर बादल छाए रहने वाले हैं और भारी बारिश जारी रह सकती है। अगले कुछ दिनों तक, यानी 8 से 12 अगस्त तक, दिल्ली-एनसीआर में आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश या बूंदाबांदी का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 33-34 डिग्री और न्यूनतम 24-25 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा। बारिश के कारण राजधानी और एनसीआर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिससे वाहन चालकों को दिक्कतें आ रही हैं।

ग्रेटर नोएडा में सोसायटी की 20वीं मंजिल पर आग, बड़ा हादसा टला

गौतमबुद्ध नगर (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर स्थित मिरसन अल्टीमो सोसायटी में 20वीं मंजिल के कॉमन एरिया में बिजली के तारों में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, निवासियों और सुरक्षा कर्मियों की सूझबूझ से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया और कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस के अनुसार, सन टावर-3 की 20वीं मंजिल के कॉमन एरिया में बिजली के तारों में आग लगी थी। आग लगते ही हड़कंप मचा, पर रेजिडेंट्स और सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला और कड़ी मशक्कत से आग बुझा दी। फायर सर्विस यूनिट मौके पर पहुंचने से पहले ही आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया था। यह सोसायटी में आग लगने की पहली घटना नहीं है। निवासियों का आरोप है कि फायर फाइटिंग सिस्टम लंबे समय से खराब पड़ा है, जिससे हमेशा खतरा बना रहता है। निवासियों ने बिल्डर और प्रबंधन के प्रति भारी नाराजगी व्यक्त कर तत्काल फायर सेफ्टी सिस्टम की जांच, मरम्मत और नियमित सुरक्षा ऑडिट की मांग की है।

हैवान बना पिता, 16 वर्षीय बेटी से दुष्कर्म; गिरफ्तार

जोनपुर (एजेंसी)। रिश्तों की मर्यादा को तार-तार करने वाला एक हृदय विदारक मामला उत्तर प्रदेश के जमालपुर से सामने आया है। यहां एक कलयुगी पिता ने अपनी ही 16 वर्षीय नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता अरविंद शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस को दिए बयानों के अनुसार यह शर्मनाक घटना बीते 5 अगस्त को घटित हुई। पीड़िता की मां ने बताया कि आरोपी अरविंद शर्मा, जो कि पीड़िता का सगा पिता है, तबीयत खराब होने का बहाना बनाकर उस दिन काम पर नहीं गया और घर पर ही रुक गया। शाम को जब मां काम से लौटी तो 16 वर्षीय बेटी ने रोते हुए उसे अपनी आपबीती सुनाई। पीड़िता ने अपनी मां को बताया कि जब वह घर में अकेली थी और अपने काम निपटाकर कमरे में आराम कर रही थी, तभी उसके पिता अरविंद शर्मा ने जबरन उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने बेटी को किसी को भी बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी। मां की शिकायत पर जमालपुर पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए आरोपी पिता अरविंद शर्मा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (दुष्कर्म) और पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे तत्काल गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े को बम धमकी वाला ई-मेल, मेट्रो, स्कूल और शेयर बाजार को उड़ाने की चेतावनी, जांच में जुटी पुलिस

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े के आधिकारिक ई-मेल पते पर बम विस्फोट की धमकी मिलने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। ई-मेल में मुंबई महापौर कार्यालय, मुंबई मेट्रो, स्कूलों और शेयर बाजार को निशाना बनाने की धमकी दी गई है। दावा किया गया है कि 15 अगस्त से पहले मुंबई में विस्फोट किए जाएंगे। इसके बाद मुंबई पुलिस और साइबर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, धमकी भरे ई-मेल में अलगाववादी नारे लिखे गए हैं और कुछ व्यक्तियों के नामों का भी उल्लेख किया गया है। साथ ही लोगों को बच्चों को स्कूल न भेजने और मेट्रो से यात्रा नहीं करने जैसी चेतावनियां भी दी गई हैं। फिलहाल पुलिस इन दावों की सत्यता की जांच कर रही है और नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। बताया जा रहा है कि महापौर ऋतु तावड़े को इससे पहले भी दो बार धमकी भरे ई-मेल मिल चुके हैं। इस बार मिले ई-मेल के बाद साइबर पुलिस ई-मेल के आईपी एड्रेस, स्रोत और प्रेषक की पहचान करने में जुटी है। मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और आवश्यक सुरक्षा उपाय भी बढ़ा दिए गए हैं।

केजरीवाल का दावा: पीएम मोदी जनता से खुद को बचाने के लिए बना रहे कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाकर दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी अपने ही नागरिकों से खुद को बचाने के लिए कानून बना रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अपने ही नागरिकों से लड़ रहे हैं और पेपर लीक, ई-20 फ्यूल जैसे मुद्दों पर उनके पुराने समर्थक भी उनके खिलाफ हो रहे हैं।

केजरीवाल का ये बयान तब है जब मेटा (मेटा) से जुड़े बड़े विवाद के बीच सूत्रों ने बताया कि कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने प्रधानमंत्री मोदी का फेसबुक वीडियो कुछ समय के लिए हटाने पर भारत सरकार से माफी मांगी है। जुकरबर्ग ने कथित तौर पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े मटीरियल, डीपफेक कंटेंट और प्लेटफॉर्म के संचालन में हुई गलतियों के लिए खेद जताया है। सूत्रों के अनुसार, मेटा ने स्वीकार किया कि गैर-कानूनी कंटेंट, जिसमें बच्चों के यौन शोषण से संबंधित सामग्री शामिल थी, को खास ऑडियंस के लिए पेड प्रमोशन के माध्यम से बढ़ावा दिया था। केंद्र सरकार ने मेटा को स्पष्ट किया है कि वे इंटरमीडियरी (मध्यस्थ) की परिभाषा के दायरे में नहीं आते क्योंकि वे कुछ कंटेंट का चुनाव करते हैं, इसलिए आईटी एक्ट के तहत सेफ हार्बर का नियम उन पर लागू नहीं होता। घटनाक्रम के बीच, मेटा के चीफ ग्लोबल अफेयर्स ऑफिसर जोएल कपलान की अगुवाई में एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सेक्रेटरी एस. कृष्णन से मुलाकात की। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी का फेसबुक वीडियो गलती से हटाने की जानकारी दी गई। इससे पहले, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी पर बनी संसदीय स्थायी समिति ने फेसबुक से प्रधानमंत्री का वीडियो हटाए जाने पर जुकरबर्ग से बिना शर्त माफी की मांग की थी और चेतावनी दी थी कि भारत में प्लेटफॉर्म को मिलने वाली कानूनी छूट समाप्त की जा सकती है।

बारिश के बीच विपक्ष ने संसद परिसर में किया जोरदार प्रदर्शन

-जंतर-मंतर पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर मकर द्वार पर नारेबाजी, छात्रों की मांगों पर कार्रवाई की उठाई मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के 15वें दिन शुक्रवार को भी संसद परिसर में विपक्ष का विरोध प्रदर्शन जारी रहा। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार पर एकत्र होकर जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। तेज बारिश के बावजूद सांसद छाते लेकर धरना देने पहुंचे और सरकार विरोधी नारे लगाए। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि छात्रों की लोकतांत्रिक मांगों को संवाद के बजाय बल प्रयोग से दबाने का प्रयास किया गया है। उनका कहना था कि सरकार को प्रदर्शनकारी छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से सुनना चाहिए और उनके साथ बातचीत कर समाधान निकालना चाहिए। विपक्ष ने जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कराने तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की। प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसदों ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले को भी प्रमुखता से उठाया और इस पूरे प्रकरण की पारदर्शी जांच की मांग करते हुए सरकार को घेरने का प्रयास किया। सांसदों का कहना था कि दोनों ही मुद्दे जनहित से जुड़े हैं और सरकार को इन पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए। तेज बारिश के बावजूद प्रदर्शन में शामिल सांसद लगातार नारेबाजी करते रहे।

सीजेपी ने बनाई राष्ट्रीय कार्यसमिति, अभिजीत दीपके बने राष्ट्रीय संयोजक

12 लोगों की मेन टीम का हुआ ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। संगठनात्मक विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सीजेपी (कॉकरोच जनता पार्टी) ने गुरुवार को अपनी राष्ट्रीय कार्यसमिति का गठन कर दिया। संगठन के संस्थापक अभिजीत दीपके को राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया गया है, जबकि मुख्य प्रवक्ता सौरव दास और प्रवक्ता आशुतोष रांका को सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दो दिवसीय बैठक के समापन के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। संगठन ने स्पष्ट किया कि फिलहाल उसे राजनीतिक दल में परिवर्तित नहीं किया जाएगा और उसका फोकस जमीनी स्तर पर जनसंगठन तैयार करने पर रहेगा।

सीजेपी की ओर से जारी बयान के अनुसार, राष्ट्रीय कार्यसमिति ने संगठन के विस्तार की रूपरेखा को मंजूरी दे दी है। अगले छह महीनों में सभी राज्यों में समन्वय समितियों के गठन के साथ-साथ लोकसभा और शहर स्तर पर भी संगठनात्मक इकाइयां बनाई जाएंगी। संगठन ने कहा कि घोषित सूची के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को फिलहाल पदाधिकारी नियुक्त नहीं किया गया है। नई कार्यकारिणी में अजिंक्य शिंदे को राष्ट्रीय संगठन प्रभारी और दीपक बालियान को सह-संगठन प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा आफरीन नवाज को राष्ट्रीय सचिव, विजय रेड्डी मक्कंगी को मीडिया प्रमुख, रत्ना सिंह को कानूनी मामलों की प्रमुख, वैष्णवी गौड़ को शोध एवं नीति प्रमुख, रोहन देशपांडे को प्रौद्योगिकी प्रमुख तथा योगेश इंगले को वित्त प्रमुख नियुक्त किया गया है। संगठन ने उत्तर, दक्षिण, पूर्व एवं पूर्वोत्तर तथा पश्चिम क्षेत्र के लिए भी अलग-अलग नेतृत्व की जिम्मेदारियां तय की हैं।

सौरव दास ने बताया कि सदस्यता अभियान संगठन की वेबसाइट के माध्यम से शुरू किया जाएगा। उन्होंने छात्रों, युवाओं, पेशेवरों और श्रमिकों से संगठन से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि सीजेपी फिलहाल किसी प्रकार का चंदा या फंड एकत्र नहीं कर रही है। उन्होंने लोगों से किसी भी भ्रामक दावे से सावधान रहने की भी अपील की। दास ने कहा कि कई लोग चाहते हैं कि सीजेपी राजनीतिक दल बने, लेकिन मौजूदा समय में संगठन का उद्देश्य चुनावी राजनीति में उतरना नहीं, बल्कि सामाजिक मुद्दों पर जनजागरूकता बढ़ाना और जमीनी स्तर पर काम करना है। उनका कहना था कि संगठन पहले अपने नेटवर्क और जनसंपर्क को मजबूत करेगा। इस दौरान आशुतोष रांका ने बताया कि सीजेपी का एक प्रतिनिधिमंडल झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मुलाकात करेगा। इसके बाद संगठन के शीर्ष पदाधिकारी भी राज्य का दौरा करेंगे। संगठन ने कहा कि शिक्षा और भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता उसके प्रमुख मुद्दों में शामिल रहेगी।

ऊना दलित अत्याचार: मायावती ने की गुजरात सरकार से हाईकोर्ट में सख्त पैरवी की मांग

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने गुजरात के गिर सोमनाथ जिले के ऊना में वर्ष 2016 के चर्चित दलित अत्याचार मामले में लोकल अदालत द्वारा अधिकांश आरोपियों को बरी करने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह फैसला न्याय व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है और पीड़ित दलित परिवारों को हाईकोर्ट में न्याय की लड़ाई लड़ने के लिए भारी आर्थिक और कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने गुजरात सरकार से तत्काल मामले में हस्तक्षेप करने और उच्च न्यायालय में प्रभावी पैरवी कर सभी दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह किया है। बसपा मुखिया ने याद दिलाया कि इस घटना के बाद वह खुद पीड़ितों से मिलने ऊना गई थीं और तभी राज्य सरकार से सभी दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने कहा कि देश भर में रोष के बावजूद 40 में से 35 आरोपियों का बरी होना दलितों के प्रति सरकारी उदासीनता और उनके हितों की उपेक्षा का परिणाम लगता है। उन्होंने कहा कि गुजरात सरकार के पास अभी भी मौका है कि वह अपनी गलती सुधारते हुए उच्च न्यायालय में उचित पैरवी सुनिश्चित करे। मायावती ने सुझाव दिया कि गुजरात सरकार को पीड़ित परिवारों की संतुष्टि के अनुसार, सरकारी खर्च पर वकील मुहैया कराने चाहिए, ठीक उसी तरह जैसे बसपा की यूपी सरकार ने गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया था। उन्होंने जोर दिया कि यह कदम न केवल पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाएगा बल्कि दूसरों के लिए भी एक सबक बनेगा।

केपी ग्राउंड में राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम को सशर्त मंजूरी

प्रयागराज (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 8 अगस्त को प्रस्तावित छात्रों की गूंज कार्यक्रम को लेकर चल रहा विवाद फिलहाल थम गया है। कायस्थ पाठशाला (केपी) ट्रस्ट ने केपी ग्राउंड में कार्यक्रम आयोजित करने की सशर्त अनुमति दे दी है। ट्रस्ट के कार्यवाहक अध्यक्ष जितेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि उच्च न्यायालय के अधिवक्ताओं से परामर्श के बाद आयोजकों को कुछ शर्तों के साथ कार्यक्रम की अनुमति दी गई है।

ट्रस्ट की ओर से रखी गई शर्तों में कॉलेज में अध्ययन-अध्यापन कार्य प्रभावित नहीं होना और जिला मजिस्ट्रेट से अनुमति लेना शामिल है। इससे पहले ट्रस्ट ने मैदान के इस्तेमाल को लेकर आपत्ति जताई थी। ट्रस्ट का कहना था कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार केपी कॉलेज के मैदान का उपयोग खेलकूद और शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा अन्य कार्यों के लिए नहीं किया जा सकता। साथ ही बारिश के कारण मैदान में पानी भरे होने से आयोजन को लेकर जोखिम की बात भी कही गई थी। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि उत्तर प्रदेश सरकार राहुल गांधी के कार्यक्रम को रद्द कराने का प्रयास कर रही है। पार्टी ने कहा था कि वह तय स्थान केपी ग्राउंड में ही छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि जिला प्रशासन से कार्यक्रम की अनुमति को लेकर बातचीत हुई है और सहयोग का आश्वासन मिला है।

अजय राय ने राहुल गांधी के प्रयागराज दौरे का कार्यक्रम भी जारी किया। इसके अनुसार राहुल गांधी 8 अगस्त को दोपहर करीब 2 बजे विशेष विमान से दिल्ली से प्रयागराज पहुंचेंगे। इसके बाद वह सड़क मार्ग से आनंद भवन जाएंगे। शाम 6 बजे से रात साढ़े 8 बजे तक केपी ग्राउंड में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में छात्रों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम के बाद वह प्रयागराज हवाई अड्डे से रात साढ़े 9 बजे विशेष विमान से दिल्ली रवाना होंगे। कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा विधायक और पूर्व मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कहा कि यह एक निजी संस्था और कांग्रेस के बीच अनुमति का मामला है। इसमें सरकार की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस के पास सरकार के दबाव का कोई प्रमाण है तो उसे सार्वजनिक करना चाहिए। कार्यक्रम की अनुमति को लेकर जिला प्रशासन से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन अधिकारियों से संपर्क नहीं हो सका। अब सशर्त अनुमति मिलने के बाद कार्यक्रम के आयोजन का रास्ता साफ हो गया है।

कैप्टन अमरिंदर कूल हैं और मिलिट्री हिस्ट्री के एक्सपर्ट हैं, वह मेरे फेवरेट लीडर

-राहुल गांधी के तारीफ करने के बाद कैप्टन की कांग्रेस में वापसी की अटकलें तेज

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब में 2027 के चुनाव से पहले कांग्रेस में चल रहे घमासान के बीच राहुल गांधी ने पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह को फेवरेट लीडर बताकर उनकी तारीफ की है। गुरुवार को दिल्ली में जेन-जी के साथ राहुल गांधी ने इंट्रैक्शन किया। इस दौरान एक युवा ने राहुल गांधी से पूछा कि बीजेपी में आपका फेवरेट लीडर कौन है, तो राहुल गांधी ने कहा- कैप्टन अमरिंदर सिंह, डेफिनेटली। मैं उनके साथ आसानी से घुल-मिल जाता हूं। वह कूल हैं और मिलिट्री हिस्ट्री के एक्सपर्ट हैं, इसलिए मैं उन्हें पसंद करता हूं। हैलो अंकल अमरिंदर।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर भी यह वीडियो पोस्ट किया है, जिसके बाद से लोग कैप्टन अमरिंदर की कांग्रेस में वापसी की अटकलें लगाने लगे हैं। इससे पहले कैप्टन खुद कह चुके हैं कि वह कांग्रेस को मिस करते हैं। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस एक फैमिली की तरह है। मैं जब भी फोन करता था, वह फोन उठा लेते थे। लेकिन बीजेपी में ये सिस्टम नहीं है। कैप्टन ने यहां तक कहा था कि राहुल गांधी ने उनके चचेरे भाई के निधन पर शोक संदेश भेजा लेकिन बीजेपी में किसी ने पूछा तक नहीं। राहुल गांधी की कैप्टन की तारीफ वाला वीडियो जैसे ही सामने आया तो पंजाब कांग्रेस में खलबली मच गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अटकलें लगाई जा रही हैं कि कहीं पंजाब में गुटबाजी को खत्म करने के लिए, राहुल गांधी बीजेपी नेता कैप्टन अमरिंदर की कांग्रेस में वापसी करवा सकते हैं। कैप्टन की अगुआई में कांग्रेस दो बार यहां सरकार बना चुकी है। वहीं गुरुवार को प्रदेश प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने लुधियाना में कहा था कि एक सप्ताह में सब कुछ ठीक हो जाएगा, नहीं तो राहुल गांधी कोई बड़ा फैसला लेंगे। इसी बीच चर्चा गुट के विधायक राणा गुरजीत ने कहा कि अगर कैप्टन अमरिंदर कांग्रेस में आते हैं तो उनका स्वागत किया जाएगा। कैप्टन अमरिंदर के गांधी परिवार के अच्छे संबंध हैं। वहीं परगट सिंह ने भी कहा है कि कैप्टन अमरिंदर सिंह दो बार पंजाब के सीएम रह चुके हैं। उनके पास अनुभव है।

असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 97 हुई, 1.68 लाख लोग प्रभावित

-कई राज्यों में आंधी-तूफान और बिजली गिरने की आशंका

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी है वहां दो और लोगों की मौत के साथ इस साल बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 97 तक पहुंच गई है। वहीं प्रभावित लोगों की संख्या भी बढ़कर 1.68 लाख से ज्यादा हो गई। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने बताया कि पिछले 24 घंटे में गोलाघाट और उदलगुड़ी जिलों में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई।

प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में गोलाघाट, शिवसागर, उदलगुड़ी, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, नगांव, कामरूप, दरांग, सोनितपुर, होजाई, लखीमपुर, विश्वनाथ, जोरहाट, चराइदेव, कार्बी आंगलोंग और धेमाजी जिलों में 1.68 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। गोलाघाट सबसे ज्यादा प्रभावित जिला है, जहां करीब 54,000 लोग बाढ़ की चपेट में आए। इसके बाद शिवसागर में 49,000 से ज्यादा और जोरहाट में करीब 27,000 लोग प्रभावित हुए हैं। एएसडीएमए ने बताया कि वर्तमान में छह जिलों में 133 राहत शिविर और राहत सामग्री वितरण केंद्र चलाए जा रहे हैं, जहां करीब 45,000 विस्थापित लोगों को आश्रय और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में कुल 481 गांव अब भी बाढ़ के पानी में डूबे हुए हैं, जबकि बाढ़ के कारण पूरे राज्य में 14,382.26 हेक्टेयर फसल क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है। बुलेटिन के मुताबिक धनसिरी नदी नुमालीगढ़ में अब भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बाढ़ के पानी से कई जिलों में तटबंधों, सड़कों, पुलों और अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचों को भी नुकसान पहुंचा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक 6 से 12 अगस्त के बीच अरुणाचल प्रदेश में और 8 से 11 अगस्त के बीच असम और मेघालय में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है। 6-7 अगस्त और 12 अगस्त को असम और मेघालय में और 6-12 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी ज्यादा या बड़े इलाके में बारिश की संभावना है। मौसम एजेंसी ने कहा कि कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक असम सरकार ने शिवसागर और चराइदेव जैसे बाढ़ प्रभावित जिलों में 10 अगस्त से पढ़ाई फिर से शुरू करने की योजना का ऐलान किया है। साथ ही सरकार उन छात्रों के लिए वैकल्पिक इंतजाम भी कर रही है जिनके स्कूल हाल की बाढ़ के कारण पहुंच से बाहर हैं या क्षतिग्रस्त हो गए हैं। राज्य के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने कहा था कि यह फैसला पढ़ाई में रुकावट को कम करने और यह पक्का करने के लिए लिया गया है कि छात्र अपनी पढ़ाई जारी रख सकें, भले ही बाढ़ से प्रभावित कई शिक्षण संस्थानों में मरम्मत का काम चल रहा हो, जो स्कूल अभी छात्रों को बैठने लायक नहीं हैं, वे हालात सुधरने तक बंद रहेंगे। हालांकि, इन संस्थानों में दाखिला लेने वाले छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए अस्थायी सुविधाएं दी जाएंगी।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वर पब्लिकेशन्स एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, निवर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902